FDDI

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार
एफडीडीआई अधिनियम 2017 के अन्तर्गत एक
राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

वार्षिक प्रतिवेदन
2023-24

एफडीडीआई अधिनियम 2017 के अन्तर्गत
एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान
(आईएनआई)

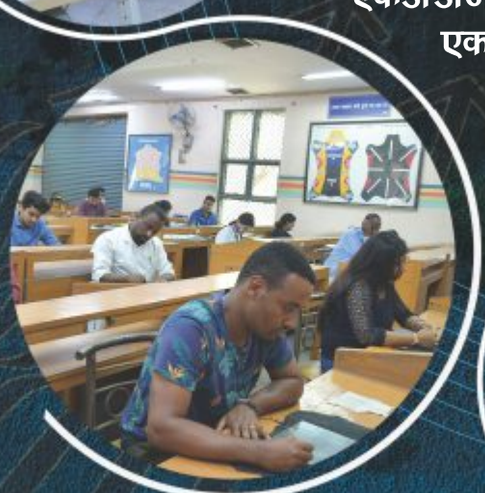

भारत में एफडीडीआई के परिसर

"हमारे प्रयास उस दिशा में होंगे, जो हमारे उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता, प्रतिक्रिया और लागत प्रभावशीलता के कारण इस संस्थान को फैशन, डिजाइन, प्रौद्योगिकी और खुदरा प्रबंधन के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बनाता है।"

"भारत को दुनिया में फुटवियर डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के लिए अग्रणी केंद्र बनाने के हमारे प्रयास में, हम भारतीय उद्योग के लिए डिजाइन, विकास, उत्पादन और सहायता सेवा के लिए उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।"

एफ. डी. डी. आई. के द्वारा डिजाइन और प्रशिक्षण में

वैश्विक हस्तक्षेप

विषय-वस्तु

		पृष्ठ सं.
01.	माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, भारत सरकार, श्री पीयूष गोयल जी का संदेश	06
02.	अध्यक्ष का संदेश	07
03.	डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव का संदेश	08
04.	प्रबंध निदेशक का संदेश	09
05.	धन्यवाद ज्ञापन	10
06.	सूचना	11
07.	शासी परिषद के सदस्यों की सूची	13
08.	एफडीडीआई का परिचय और परिसरों के बारे में	14
09.	प्रदर्शन झलकियां	36
10.	मील के पत्थर	42
11.	भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट	200
12.	वित्तीय रिपोर्ट	207

माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, भारत सरकार, श्री पीयूष गोयल जी का संदेश

पीयूष गोयल
PIYUSH GOYAL

सत्यमेव जयते

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF COMMERCE & INDUSTRY
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

मैं, फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) को अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार करने तथा भारतीय फुटवियर, चमड़ा एवं चमड़ा उत्पाद उद्योगों की सेवा करने के साथ-साथ प्रमुख राष्ट्रीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। एफडीडीआई, क्षेत्रीय क्षमताओं का निर्माण करके, आजीविका को आकार देने वाली नीतियों को प्रवृत्त करके तथा उद्योग और व्यापक अर्थव्यवस्था दोनों पर स्थायी प्रभाव डाल रहा है।

भारतीय फुटवियर उद्योग एक महत्वपूर्ण बिंदु पर खड़ा है, जहां डिजाइन उत्कृष्टता परिभाषित कारक बन सकती है जो इस क्षेत्र को वैश्विक मंच पर आगे बढ़ाती है। वर्तमान चुनौतियों पर विजय पाकर तथा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का दोहन करके, उद्योग में प्रतिष्ठित डिजाइन तैयार करने की क्षमता है जो न केवल वैश्विक ध्यान आकर्षित करते हैं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में रचनात्मकता एवं शिल्प कौशल के नए मानक भी स्थापित करते हैं।

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने 78वें स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में, भारत को चमड़े, फुटवियर एवं सहायक उपकरण के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य के साथ 'डिजाइन इन इंडिया, डिजाइन फॉर वर्ल्ड' के दृष्टिकोण का अनावरण किया। इस नेतृत्व के तहत, पीएलआई योजना, भारतीय फुटवियर और चमड़ा विकास नीति जैसी पहल डिजाइन-आधारित उत्पाद विकास, निर्माण मानक को बढावा दे रही हैं और एक उच्च रोजगार योग्य कार्यबल बनाने के लिए कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, इस प्रकार इस क्षेत्र में नवाचार, स्थिरता एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिल रहा हैं।

इन दूरदर्शी लक्ष्यों के अनुरूप, एफडीडीआई डिजाइन उत्कृष्टता, उन्नत प्रौद्योगिकियों एवं रणनीतिक साझेदारी पर ध्यान केंद्रित करके, गुणवत्ता तथा रचनात्मकता के लिए नए मानक स्थापित कर रहा है, इस क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत कर रहा है। संस्थान, मूल्य श्रृंखला सहयोग, सतत अभ्यास एवं कौशल विकास तथा अपने पेशेवर कार्यक्रमों के माध्यम से बड़े पैमाने पर रोजगार को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा हैं। मैं, उद्योग में मानक स्थापित करने और बीआईएस दिशानिर्देशों को लागू करने में एफडीडीआई की महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्वीकार करता हूं।

मुझे विश्वास है कि एफडीडीआई आने वाले वर्ष में चुनौतियों पर विजय प्राप्त करते हुए, उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एवं उदाहरण के साथ नेतृत्व करते हुए उसी उत्साह और भावना को प्रदर्शित करना जारी रखेगा जो उसने अतीत में दिखाया है। मैं एफडीडीआई के सभी भावी प्रयासों में बड़ी सफलता की कामना करता हूं।

पीयूष गोयल

Ministry of Commerce & Industry, Vanijya Bhawan, Akbar Road, New Delhi-110001
Tel. No. : +91 11 23039110, 23039111, E-mail : cimoffice@nic.in

अध्यक्ष का संदेश

आशीष दीक्षित

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) के लिए वित्त वर्ष 2023-24 विशेष रूप से कार्यशील एवं उत्पादकतापूर्ण वर्ष रहा है, जहां इसने चमड़ा एवं चमड़ा उत्पाद उद्योगों के विकास और प्रचार के लिए प्रमुख उपलब्धियों की एक श्रृंखला को चिह्नित किया है।

परिचालन एवं वित्तीय मापदंडों के संदर्भ में वित्त वर्ष 2023 -24 के दौरान संस्थान के प्रदर्शन ने संचालन के सभी क्षेत्रों में पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय सुधार दिखाया है।

शैक्षिक स्पेक्ट्रम पर छाप छोडनें के लिए, एफडीडीआई नोएडा, फुर्सतगंज, चेन्नई, कोलकाता, रोहतक, छिंदवाड़ा, गुना, जोधपुर अंकलेश्वर, बनूर, पटना और हैदराबाद में स्थित अपने बारह परिसरों को मजबूत करने तथा शैक्षिक परिदृश्य में एफडीडीआई को एक ब्रांड के रूप में स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

इस वार्षिक रिपोर्ट में जानकारी संस्थान के समर्पित एवं प्रतिभाशाली संकाय, कर्मचारियों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालती है, और संस्थान में, उद्योग के साथ और दुनिया के साथ उनके निरंतर संबंधों के परिणामों को दर्शाती है।

सूचीबद्ध करने के लिए यहां स्थान बहुत कम है, लेकिन मैं बस इतना कह सकता हूं कि वित्त वर्ष 2023-24 एफडीडीआई के लिए विशेष रूप से कार्यशील एवं और उत्पादकतापूर्ण वर्ष रहा है।

मैं डॉ. सुमित कुमार जरंगल, आईएएस, प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई (अतिरिक्त प्रभार) और उनकी टीम की बहुत सराहना करना चाहता हूं जिनके निरंतर समर्पण एवं योगदान संस्थान के विकास के लिए अमूल्य रहे हैं।

आपके प्रयासों के लिए आपको शुभकामनाएं।

आशीष दीक्षित
अध्यक्ष,
एफडीडीआई, शासी परिषद (जी.सी)

डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव का संदेश

श्रीनिवास ई, आईआरएसएसई

अनुसंधान, प्रशिक्षण, उत्पाद विकास, और डिजाइन समर्थित संस्थानों ने वर्षों से भारतीय चमड़ा तथा फुटवियर क्षेत्रों के विकास में काफी योगदान दिया है और इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि एफडीडीआई – एक 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' के रूप में इस स्थिर विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एफडीडीआई चमड़ा, फुटविय, फैशन उद्योग एवं खुदरा उद्योग को कुशल जनशक्ति प्रदान करने में अग्रणी रहा है, जो वास्तव में एक क्रांतिकारी कदम है।

एफडीडीआई न केवल संगठित क्षेत्र में बल्कि असंगठित क्षेत्र में अपनी समान विशेषज्ञता का उपयोग करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

एफडीडीआई ने वास्तव में एक लंबा सफर तय किया है, चाहे वह अपने कार्यक्रमों की संख्या, नए परिसर की स्थापना एवं विभिन्न 'विषयगत क्षेत्र' पर उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना, विभिन्न परियोजनाओं, कौशल एवं उपयोगिताओं का प्रबंधन, उद्योग से मान्यता, शैक्षिक परिदृश्य में और राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका के संदर्भ में, लगातार अपनी सामर्थ से वृद्धि कर रहा है।

एफडीडीआई का शैक्षणिक पाठ्यक्रम विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन किया गया है और इसे उद्योग के परामर्श से समय-समय पर अद्यतन भी किया जाता है।

हमेशा की तरह, एफडीडीआई की वार्षिक रिपोर्ट पिछले वर्ष में अपने काम और उपलब्धियों की व्यापकता की एक झलक प्रदान करती है। जैसा कि आप वर्ष 2023-24 के लिए एफडीडीआई की वार्षिक रिपोर्ट की समीक्षा करते हैं तो मुझे आशा है कि यह आपके लिए शीघ्र ही स्पष्ट हो जाएगा कि संस्थान ने सकारात्मक विकास और प्रभावशाली उपलब्धियों का एक और वर्ष देखा है।

यह केवल माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, सचिव-डीपीआईआईटी, और मंत्रालय के अन्य अधिकारियों तथा एफडीडीआई की शासी परिषद (जीसी) द्वारा ली गई अत्यंत रुचि के कारण ही संभव हो पाया है।

ये उपलब्धियां संस्थान के संकाय, छात्रों एवं कर्मचारियों की प्रतिभा और समर्पण के कारण संभव हैं। मैं एफडीडीआई के कर्मचारियों को संस्थान के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनकी कड़ी मेहनत और समर्पित प्रयासों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

मैं, संगठन को आगे ले जाने के लिए एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक डॉ. सुमित कुमार जरंगल, भा.प्र.से., के प्रयासों की सराहना करना चाहता हूं।

आपके प्रयासों के लिए आपको शुभकामनाएँ। संस्थान को हर कदम पर सफलता एवं पूर्णता सहयोग मिले।

श्रीनिवास ई, आईआरएसएसई,
संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

प्रबंध निदेशक का संदेश

डॉ. सुमित कुमार जरंगल, भा.प्र.से

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) की वार्षिक रिपोर्ट के साथ वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए खातों का लेखा परीक्षित विवरण एवं लेखा परीक्षक की रिपोर्ट को प्रस्तुत करना वास्तव में मेरे लिए बहुत खुशी की बात है, जो वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान संस्थान द्वारा की गई व्यावसायिक गतिविधियों के चयन को दर्शाती है।

वित्त वर्ष 2023-24 एफडीडीआई के लिए समेकन का वर्ष रहा है। लगातार चुनौतीपूर्ण आर्थिक माहौल के बावजूद, हमने अच्छे वित्तीय परिणामों के साथ वर्ष का समापन किया।

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान हस्ताक्षरित कई एमओयू एवं एमओए के परिणामस्वरूप, उद्योग तथा शिक्षा जगत के साथ हमारा सहयोग काफी मजबूत हुआ है। ये साझेदारियाँ नवाचार, अनुसंधान और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं जो वैश्विक चुनौतियों का समाधान करती हैं और 2030 तक लेदर एवं फुटवियर के क्षेत्र को 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर का उद्योग बनाने में योगदान करती हैं।

मैं इस अवसर पर उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (एमओसी&आई), भारत सरकार, राज्य सरकारों, हमारे मूल्यवान ग्राहकों, सभी प्राधिकरणों और एजेंसियों को धन्यवाद देता हूं जो एफडीडीआई को उसकी वर्तमान स्थिति में लाने के लिए बहुमूल्य मार्गदर्शन, निरंतर समर्थन और विवेकपूर्ण परामर्श प्रदान करते हैं।

उनके निरंतर प्रोत्साहन ने वास्तव में अपने संचालन के क्षेत्रों में भारत के सबसे प्रशंसित संस्थानों में से एक संस्थान बनाने की हमारी साझा आकांक्षा को आकार दिया है।

मैं संस्थान के लिए लगातार सफलता अर्जित करने में उनके निरंतर एवं समर्पित प्रयासों के लिए एफडीडीआई के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपनी हार्दिक बधाई और ईमानदारी से प्रशंसा करता हूं।

आईए हम आने वाले वर्षों में और भी अधिक से अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए इसी उत्साह एवं दृढ़ संकल्प के साथ इस यात्रा को जारी रखें।

डॉ. सुमित कुमार जरंगल, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई

धन्यवाद ज्ञापन

शासी परिषद (जी.सी), उद्योग के अनुकूल नीतियों को तैयार करने में उनकी विभिन्न पहलों और लेदर एवं फुटवियर उद्योग को उनके निरंतर समर्थन के लिए भारत सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री माननीय श्री पीयूष गोयल जी के प्रति आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद, भारतीय चमड़ा और फुटवियर उद्योग को प्रदान किए गए निरंतर समर्थन के लिए श्री जितिन प्रसाद, माननीय राज्य मंत्री (एमओएस), वाणिज्य एवं उद्योग (सी एंड आई), भारत सरकार के प्रति भी अपना आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद, पूर्व माननीय राज्य मंत्री (एमओएस), वाणिज्य एवं उद्योग (सी एंड आई), भारत सरकार, सुश्री अनुप्रिया पटेल और श्री सोम प्रकाश दोनों को उनके नियमित मार्गदर्शन तथा सहयोग के लिए आभार व्यक्त करती है।

शाशी परिषद, भारतीय चमड़ा और फुटवियर उद्योग को समर्थन देने के लिए माननीय वित्त मंत्री, सुश्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करती है।

शाशी परिषद, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के श्री अमरदीप सिंह भाटिया, भा.प्र.से, सचिव, डीपीआईआईटी, को विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन एवं लेदर एवं फुटवियर उद्योग को बढ़ावा देने तथा एफडीडीआई को दिए गए सहयोग एवं सहायता के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त करता है।

शाशी परिषद फुटवियर और चमड़ा उत्पाद उद्योग की समस्याओं को हल करने में उनके निरंतर मार्गदर्शन तथा सहयोग के लिए डीपीआईआईटी के पूर्व सचिव, श्री राजेश कुमार सिंह, भा.प्र.से. के प्रति भी अपना आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद एफडीडीआई को दिए गए विवेकपूर्ण मार्गदर्शन, सहायता एवं भारतीय चमड़ा और फुटवियर उद्योग को बढ़ावा देने में विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए संयुक्त सचिव, डीपीआईआईटी श्री श्रीनिवास ई, आईआरएसएसई, के प्रति अपना आभार व्यक्त करती है।

शासी परिषद, एफडीडीआई को दिए गए नियमित मार्गदर्शन, सहयोग और सहायता एवं फुटवियर क्षेत्र को बढ़ावा देने में विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए पूर्व अपर सचिव, डीपीआईआईटी श्री राजीव सिंह ठाकुर, भा.प्र.से., के प्रति आभार व्यक्त करती है।

शाशी परिषद, लेदर और फुटवियर उद्योग और रिटेल क्षेत्र के प्रति अपने बहुमूल्य सुझाव देने एवं एफडीडीआई द्वारा संचालित पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के उन्नयन, छात्रों के स्थानन एवं एफडीडीआई की विभिन्न सेवाओं में सुधार के लिए आभार व्यक्त करता है। हम भविष्य में भी ऐसे सहयोग और सहायता की उम्मीद करते हैं।

शाशी परिषद, भारतीय चमड़ा और फुटवियर उत्पाद उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किए गए बहुमूल्य सहयोग एवं सहायता के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वित्त मंत्रालय तथा अन्य राज्य सरकारों के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी धन्यवाद करता है।

सूचना

फुटवियर डिजाइन एवं डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट,

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, ए-10/ए, सेक्टर- 24, नोएडा – 201301

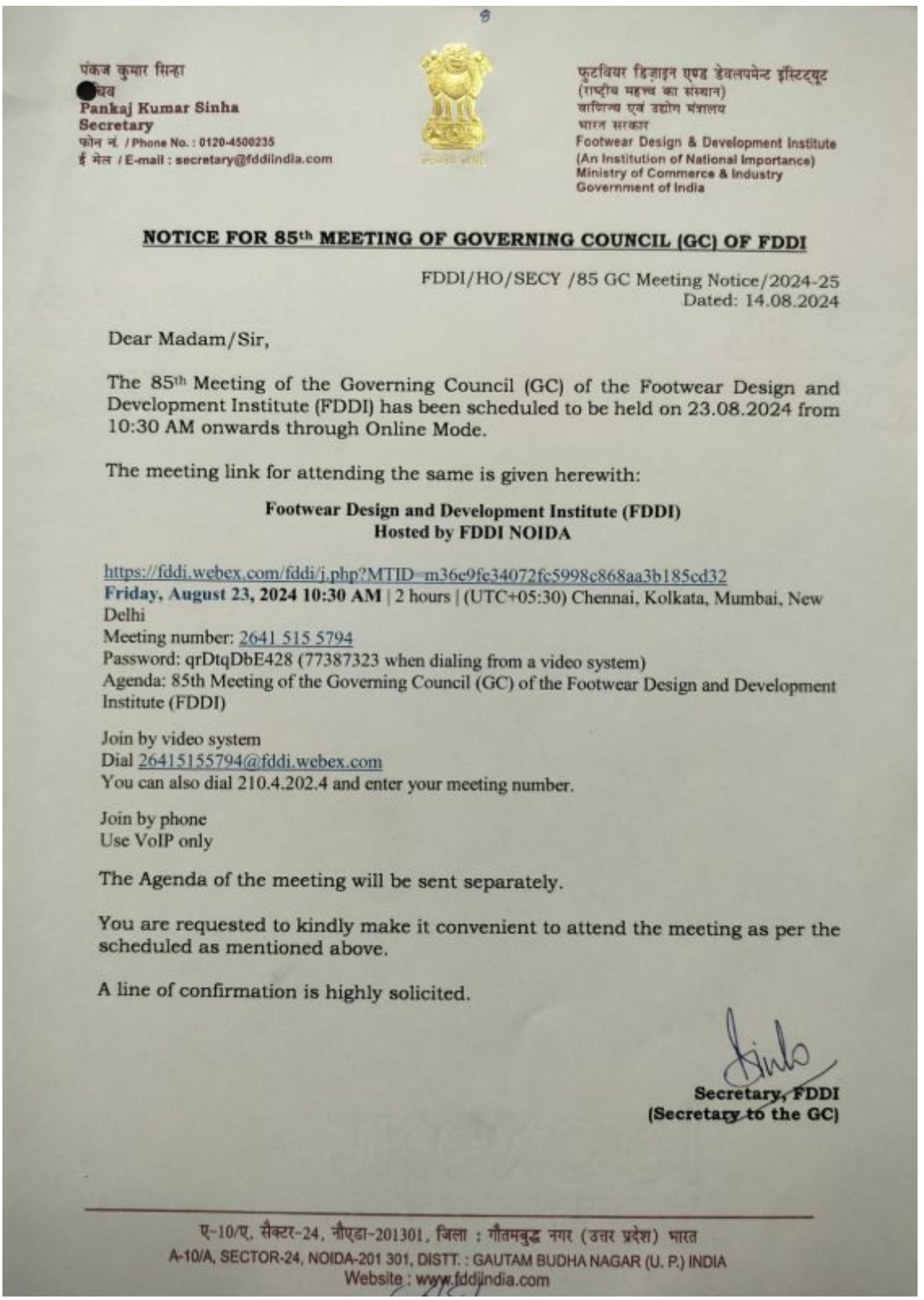

पंकज कुमार सिन्हा
सचिव
Pankaj Kumar Sinha
Secretary
फोन नं. / Phone No. : 0120-4500235
ई मेल / E-mail : secretary@fddiindia.com

फुटवियर डिज़ाइन एण्ड डेवलपमेन्ट इंस्टिट्यूट
(राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान)
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
भारत सरकार
Footwear Design & Development Institute
(An Institution of National Importance)
Ministry of Commerce & Industry
Government of India

NOTICE FOR 85th MEETING OF GOVERNING COUNCIL (GC) OF FDDI

FDDI/HO/SECY /85 GC Meeting Notice/2024-25
Dated: 14.08.2024

Dear Madam/Sir,

The 85th Meeting of the Governing Council (GC) of the Footwear Design and Development Institute (FDDI) has been scheduled to be held on 23.08.2024 from 10:30 AM onwards through Online Mode.

The meeting link for attending the same is given herewith:

Footwear Design and Development Institute (FDDI)
Hosted by FDDI NOIDA

https://fddi.webex.com/fddi/j.php?MTID=m36e9fe34072fc5998c868aa3b185cd32
Friday, August 23, 2024 10:30 AM | 2 hours | (UTC+05:30) Chennai, Kolkata, Mumbai, New Delhi
Meeting number: 2641 515 5794
Password: qrDtqDbE428 (77387323 when dialing from a video system)
Agenda: 85th Meeting of the Governing Council (GC) of the Footwear Design and Development Institute (FDDI)

Join by video system
Dial 26415155794@fddi.webex.com
You can also dial 210.4.202.4 and enter your meeting number.

Join by phone
Use VoIP only

The Agenda of the meeting will be sent separately.

You are requested to kindly make it convenient to attend the meeting as per the scheduled as mentioned above.

A line of confirmation is highly solicited.

Secretary, FDDI
(Secretary to the GC)

ए-10/ए, सैक्टर-24, नोएडा-201301, जिला : गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) भारत
A-10/A, SECTOR-24, NOIDA-201 301, DISTT. : GAUTAM BUDHA NAGAR (U. P.) INDIA
Website : www.fddiindia.com

FDDI

Footwear Design & Development Institute (FDDI)
(An "Institution of National Importance" as per FDDI Act, 2017)
Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT)
Ministry of Commerce & Industry, Government of India
A-10/A, Sector-24, NOIDA-201301

F.No. FDDI/HO/SECY OFF/85 GC Meeting/2024
Tuesday, September 3, 2024

Subject: NOTE OF APPROVAL OF THE MINUTES OF THE MEETING OF THE EIGHTY FIFTH (85th) GOVERNING COUNCIL (GC) MEETING OF FDDI- reg.

NOTE

The 85th Governing Council Meeting of FDDI was held on 23rd August 2024 from 10:30 AM onwards in online mode. The following agendas were listed:

Item No.	Description	Page No.
85.1	Confirmation of the Minutes of the 84th GC Meeting held on 24th June 2024	03
85.2	Dr. Sumeet Kumar Jarangal, IAS, Director (Startup India), DPIIT takes on additional charge of MD, FDDI	04
	ACCOUNTS & FINANCE	
85.3	Annual Audited Financial Statement for the FY 2023-24	05
	HUMAN RESOURCE DEPARTMENT	
85.4	Proposal for Assigning Postcodes for various already approved posts for 'Centre of Excellence' (CoEs) Department	06
	STUDENT AFFAIRS & EXAMINATION DEPARTMENT	
85.5	Two Agenda Point of 10th Senate Meeting of FDDI held on 17th May 2024	08
	ANNEXURES	
	Consolidated Financial Statement (CFS) for the FY 2023-24 is attached separately as 'FDDI – CFS - FY 2023-24'	
	Annexures of the other relevant agenda points	10 - 20

Item No. 85.6.- Proposal for Terms & Conditions of the post- Managing Director in Additional Charge (Additional Agenda):

Item No. 84.7 – Introduction of MBA in Retail and Fashion Merchandising at FDDI Guna Campus from 2024-2025 (Additional Agenda):

The 85th GC, during its meeting, deliberated on the agenda points and based thereon the Minutes of the meeting are placed opposite for approval.

The same shall be subsequently circulated to the GC members, for confirmation.

Submitted for approval, please.

Pankaj Kumar Sinha
(Secretary to the GC)

Managing Director:

Chairman-GC:

एफडीडीआई के शासी परिषद के सदस्य

क्र.सं.	समिति के रूप में	नाम
1	अध्यक्ष (केंद्र सरकार द्वारा नामित)	श्री आशीष दीक्षित प्रबंध निदेशक ,आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड
2	सदस्य (पदेन अधिकारी)	डॉ. सुमित कुमार जरंगल ,आईएएस, प्रबंध निदेशक ,एफडीडीआई (अतिरिक्त प्रभार)
3	सदस्य (पदेन अधिकारी)	अपर सचिव/संयुक्त सचिव डीपीआईआईटी में (चमड़ा एवं फुटवियर प्रभाग के प्रभारी)
4	सदस्य (पदेन अधिकारी)	अपर सचिव/संयुक्त सचिव डीओसी में (ईपीएलएसजी प्रभाग के प्रभारी)
5	सदस्य (पदेन अधिकारी)	निदेशक/उप सचिव वित्त विंग ,डीपीआईआईटी
6	सदस्य (पदेन अधिकारी)	श्री शांतनु मिला वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार ,कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई)
7	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)	श्री राजेन्द्र कुमार जालान अध्यक्ष ,चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई)
8	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)	श्री मोतीलाल सेठी अध्यक्ष ,इंडियन लेदर गारमेंट्स एसोसिएशन (आईएलजीए)
9	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)	श्री संजय गुप्ता अध्यक्ष ,इंडियन फुटवियर कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इफकोमा)
10	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)	श्री गौतम नायर अध्यक्ष ,भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) , फुटवियर एवं चमड़ा उत्पादों पर राष्ट्रीय समिति और सीईओ ,टेंजेरीन डिज़ाइन प्राइवेट लिमिटेड
11	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)	प्रो. डॉ. शिंजू महाजन नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी) ,नई दिल्ली
12	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)	श्री प्रवीण नाहर निदेशक ,एनआईडी ,अहमदाबाद
13	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)	श्री के जे श्रीराम निदेशक ,केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई) ,चेन्नई
14	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित)	प्रो. सुमेर सिंह डिजाइन विभाग ,आईआईटी दिल्ली
15	सदस्य (केंद्र सरकार द्वारा नामित) फा.सं.-पी-27011/2/2022-लेदर, दिनांक 23 सितंबर, 2023 के माध्यम से	प्रो. आलोक कुमार सिंह , भारतीय प्रबंधन संस्थान, नागपुर
	सचिव, शासी परिषद	कर्नल पंकज कुमार सिन्हा सचिव ,एफडीडीआई

एफडीडीआई प्रोफाइल

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) की स्थापना वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 1986 में फुटवियर और संबद्ध उत्पाद उद्योगों के विकास और संवर्धन के लिए की गई थी।

वर्षों से, एफडीडीआई ने फैशन, चमड़े के उत्पादों, रिटेल एवं फैशन उत्पादों में शिक्षा में विस्तार किया और फुटवियर, चमड़ा, फैशन, रिटेल एवं प्रबंधन के क्षेत्रों में कौशल अंतराल को पाटकर भारतीय उद्योग को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

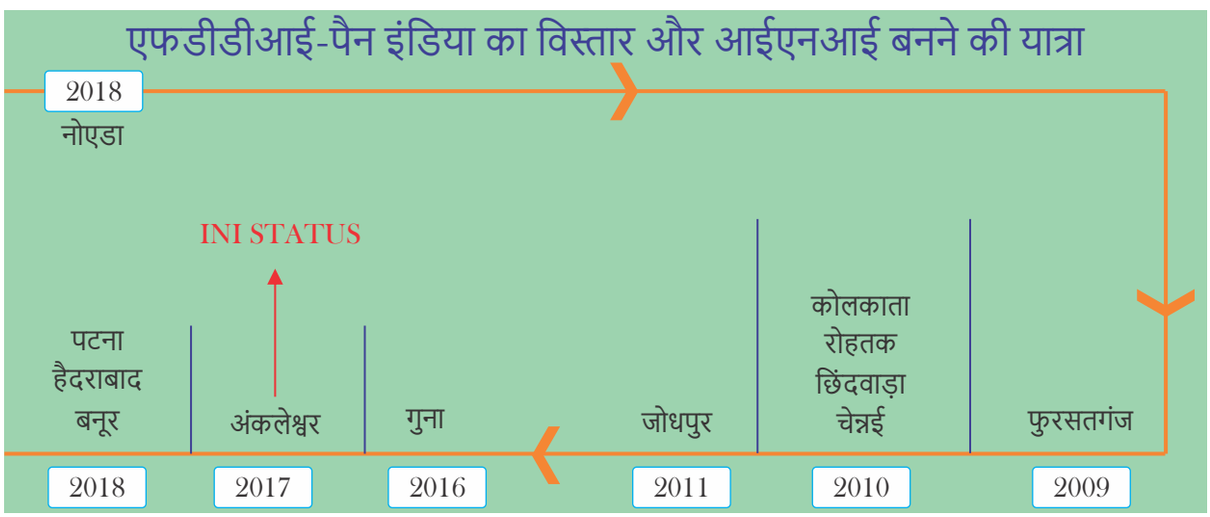

एफडीडीआई अपने विशिष्ट पाठ्यक्रम, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और अनुभवी संकाय के साथ कुशल जनशक्ति की मांग को पूरा करके अप्रयुक्त प्रतिभा और उद्योग एवं इनके वैश्विक समकक्षों के बीच एक इंटरफेस के रूप में कार्य कर रहा है।

संस्थान, उद्योगों के लिए पेशेवरों तैयार करके राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए एफडीडीआई अधिनियम, 2017 के अनुसार 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' का दर्जा दिया गया और यह फुटवियर, लेदर तथा संबद्ध उद्योगों के लिए 'वन स्टॉप सॉल्यूशंस प्रदाता' के रूप में कार्य कर रहा है।

एफडीडीआई अपने चार स्कूलों अर्थात् स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी), स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी), तथा स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) के माध्यम से कौशल आधार प्रशिक्षण और शिक्षा प्रदान कर रहा है।

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शनः

1986 में स्थापित स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन, एफडीडीआई में सबसे पुराना स्कूल है। यह इस क्षेत्र में कौशल आधारित तकनीकी शिक्षा तथा विशेषज्ञता प्रदान करने में सबसे आगे रहा है जिससे भारत फुटवियर का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है। स्कूल योग्यता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत और पड़ोसी देशों / महाद्वीपों में फुटवियर क्षेत्र को विकसित करने में सक्रिय रूप से योगदान देता है। डिजाइन अनुसंधान और नवाचार नवीनतम डिजाइन सॉफ्टवेयर और सीएडी, 3 डी प्रिंटिंग, एवं संबंधित एकीकृत प्रौद्योगिकी से सुसज्जित उच्च स्तरीय बुनियादी ढांचे द्वारा सुविधा प्रदान करने वाले आदर्श वातावरण को बढ़ावा देता है।

स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन:

एफडीडीआई में फैशन डिजाइन स्कूल गतिशील और तेज गति वाले रचनात्मक तथा ऊर्जावान फैशन और परिधान उद्योग के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके प्रशिक्षित मानव संसाधन प्रदान करता है। शिक्षा कार्यक्रम कैरियर की सफलता के लिए आवश्यक व्यावहारिक और तकनीकी कौशल में मजबूत आधार प्रदान करते हुए रचनात्मकता का पोषण करता है। उद्योग कनेक्शन के साथ, हम छात्रों को नवीनतम रुझानों तथा मांगों से अवगत कराते हैं, उन्हें फैशन की दुनिया की वास्तविक चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं।

स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन:

प्रशिक्षण कार्यक्रम चमड़ा उद्योग की विभिन्न मानव संसाधन आवश्यकताओं के अनुरूप चमड़े के सामान तथा सहायक उपकरण डिजाइन के स्कूल में डिजाइन एवं संचालिच किए जाते हैं। चूंकि चमड़े के सामान और कपड़ों की मांग सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई है, इसलिए यह स्कूल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है जिसका उद्देश्य प्रचलित कौशल अंतर को पाटना है जो उत्पाद की गुणवत्ता को प्रभावित करता है, अपव्यय को कम करता है, जिससे प्रक्रिया दक्षता और व्यावसायिक परिणाम आते हैं। यह अंतःविषय पाठ्यक्रमों के साथ कोर डिजाइन विषयों को जोड़ती है, जिससे छात्रों को डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता प्राप्त करने की अनुमति मिलती है।

स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज:

स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज के कार्यक्रम रिटेल संचालन तथा प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। यह आपूर्ति श्रृंखला तथा ग्राहक संबंधों वाले रिटेल प्रचालनों में सुधार करने के लिए संरेखित है जिसके बाद बिक्री, सुविधाएं प्रबंधन, विक्रेता विकास आदि शामिल हैं। स्कूल न केवल औपचारिक शिक्षा प्रदान करता है, बल्कि व्यावहारिक नौकरी कौशल भी प्रदान करता है ताकि रिटेल उद्योग में काम के पहले दिन मानव संसाधन कार्यात्मक बनाया जा सके।

इन स्कूलों के माध्यम से, एफडीडीआई नोएडा, फुरसतगंज, चेन्नई, कोलकाता, रोहतक, छिंदवाड़ा, गुना, जोधपुर अंकलेश्वर, बनूर, पटना और हैदराबाद में स्थित अपने 12 अच्छी तरह से डिजाइन किए गए परिसरों में निम्नलिखित दीर्घकालिक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है:

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (पीजी कार्यक्रम)		
क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि
1.	मास्टर ऑफ डिजाइन–फुटवियर डिजाइन एण्ड प्रोडक्सन– (एम . डेस–एफडीपी)	2 वर्ष (4 सेमेस्टर)
2.	मास्टर ऑफ डिजाइन–फैशन डिजाइन– (एम . डेस–एफडी)	2 वर्ष (4 सेमेस्टर)
3.	मास्टर ऑफ बिजनेस ए डमिनिस्ट्रेशन–रिटेल एण्ड फैशन मर्चेंडाइज (एमबीए–आरएफएम)	2 वर्ष (4 सेमेस्टर)
स्नातक उपाधि कार्यक्रम (यूजी कार्यक्रम)		
1.	बैचलर ऑफ डिजाइन– फ ुटवियर डिजाइन एण्ड प्रोडक्सन– (बी . डेस–एफडीपी)	4 वर्ष (8 सेमेस्टर)
2.	बैचलर ऑफ डिजाइन–लेदर लाइफस्टाइल एण्ड प्रोडक्ट डिजाइन– (बी. डेस–एलएलपीडी)	4 वर्ष (8 सेमेस्टर)
3.	बैचलर ऑफ डिजाइन– फैशन डिजाइन (बी .डेस–एफडी)	4 वर्ष (8 सेमेस्टर)
4.	बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन–रिटेल एण्ड फैशन मर्चेंडाइज (बीबीए–आरएफएम)	4 वर्ष (8 सेमेस्टर)

दीर्घकालिक कार्यक्रमों के अलावा, इस क्षेत्र के तकनीकी उन्नयन और क्षमता निर्माण के लिए, संस्थान अल्पकालिक उद्योग विशिष्ट प्रमाणपत्र कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

एफडीडीआई उच्च शोध और अद्यतन उद्योग उन्मुख पाठ्यक्रम का संचालन करता है। यह पद्धति छात्रों को उन्नत शिक्षण सामग्री, इंटर्नशिप के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव, नौकरी परामर्श, प्लेसमेंट गतिविधियों और भविष्य के अधिकारियों के रूप में समग्र रूप से तैयार करने एवं पेशेवर तरीके से उनके कौशल और महत्वाकांक्षाओं को शिक्षित करने में मदद करता है।

असंगठित क्षेत्र के लिए जमीनी स्तर पर कौशल उन्नयन के उद्देश्य से एफडीडीआई ने लेदर/फुटवियर के क्षेत्र में लगे दूरस्थ गांवों/एसएमई समूहों में कारीगरों को लेदर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी संस्कृति का प्रसार एवं बनाए रखते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया है।

एफडीडीआई ने सहारनपुर, जयपुर, अलवर, पटियाला, अबोहर, फाजियालका, मुक्तसर और मलोट के चमड़ा क्षेत्र में लगे 20,000 से अधिक कारीगरों / एसएमई को प्रशिक्षण प्रदान किया।

एफडीडीआई फुटवियर, हस्तशिल्प, हथकरघा और चमड़ा उद्योगों से संबंधित कारीगरों को उनके उत्पादों के लिए प्रचार, डिजाइन और प्रौद्योगिकी और अन्य वांछित आवश्यक प्रशिक्षण के संदर्भ में हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एफडीडीआई ने डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए कौशल उन्नयन के माध्यम से क्षमता निर्माण के माध्यम से क्षमता निर्माण और उत्पाद विकास, गुणवत्ता आश्वासन, प्रौद्योगिकी वृद्धि और अन्य प्रबंधकीय, पर्यावरण और व्यावसायिक समाधानों के लिए चमड़ा उद्योग को तकनीकी सहायता और समर्थन प्रदान करने में अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से फुटवियर, चमड़ा और संबद्ध उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले 3८ वर्ष पूर्ण कर लिए हैं।

एफडीडीआई अपने कार्यक्रमों के माध्यम से उच्चतम प्रशिक्षित विशेष पेशेवरों को शिक्षित करने के लिए जाना जाता है। संस्थान के पास एक मजबूत पूर्व छात्र आधार और मजबूत उद्योग संबंध है। देश के लगभग सभी प्रमुख उद्योग संस्थान से जुड़े हुए हैं और कार्यक्रम डिजाइन, पाठ्यक्रम उन्नयन, विशेषज्ञता व्याख्यान आदि जैसे शैक्षणिक मामलों में महत्वपूर्ण भागीदारी रखते हैं।

एफडीडीआई को आईएनआई बनने के बाद उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार स्नातक, स्नातकोत्तर, डॉक्टरेट और स्नातकोत्तर डिग्री के लिए अपने पाठ्यक्रमों को डिजाइन करने की स्वायत्तता है। इस नए विकास के साथ, छात्र उच्च अध्ययन के लिए आवेदन करने में सक्षम होंगे और केंद्र / राज्य सरकार की नौकरियों के लिए भी आवेदन कर सकेंगे।

आईएनआई के बाद, एफडीडीआई के पाठ्यक्रमों को उद्योगो को सुझाव के आधार पर संकाय सदस्यों द्वारा उन्नत किया गया है और यह सुनिश्चित करने के लिए आगे अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को शामिल किया गया है कि विभिन्न पाठ्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो।

एफडीडीआई में शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय मानकों को सुनिश्चित करने के लिए, संस्थान ने नॉर्थम्प्टन विश्वविद्यालय - यूनाइटेड किंगडम, एआरसुटोरिया स्कूल - मिलान (इटली) जैसे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थानों के साथ अकादमिक गठबंधन किया

एफडीडीआई ने राष्ट्र मे ही नही अपितु बांग्लादेश, श्रीलंका जैसे एशियाई देशों और इथियोपिया, बोत्सवाना, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका आदि जैसे कई अफ्रीकी देशों में प्रशिक्षण और परामर्श के क्षेत्र में अपनी जगह बनाई है।

नई क्षमताओं को प्राप्त करने, कौशल विकसित करने और उच्च मानव संसाधन तैयार करने के लिए, राष्ट्रीय महत्व के संस्थान (आईएनआई) के रूप में एफडीडीआई छात्रों, संकाय और कर्मचारियों को सम्मेलनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

संस्थागत सुविधाओं की स्थापना के तहत, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के भारतीय फुटवियर, चमड़ा और सहायक उपकरण विकास कार्यक्रम (आईएफएलएडीपी) की उप-योजना, एफडीडीआई ने एफडीडीआई के मौजूदा परिसरों में से सात को 'उत्कृष्टता केंद्र' (सीओई) में उन्नयन करके विश्व स्तर के बुनियादी ढांचे और कौशल को प्रदर्शित किया है।

क्र. सं.	विषयगत क्षेत्र में स्थापित सीईओ	एफडीडीआई परिसर
1.	डिजाइन, विकास और फैब्रिक इंटरफेस के केन्द्र	चेन्नई
2.	लेदर उत्पादों और सहायक उपकरण के लिए डिजाइन, विकास और फैब्रिक इंटरफ़ेस -विस्तारित	हैदराबाद
3.	लेदर फिनिशिंग नवाचार और उत्पाद रिटेलिग केंद्र	पटना
4.	लेदर के सामान, वस्त्र और सहायक उपकरण के लिए केंद्र	कोलकाता
5.	उच्च प्रदर्शन/विशेष फुटवियर और उत्पाद एवं स्टार्ट अप	जोधपुर
6.	अनुसंधान एवं विकास, पाठ्यक्रम विकास और लेदर, फैशन फुटवियर एवं उत्पाद नवाचार के लिए केंद्र	नोएडा
7.	नॉन-लेदर फुटवियर, उत्पाद और सहायक उपकरण के लिए केंद्र	रोहतक

एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइन और डेटा विश्लेषण में एआई एप्लिकेशन, नवीनतम सॉफ्टवेयर और संवर्धित वास्तविकता एप्लिकेशन, डिजिटल उद्यम जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, एफडीडीआई ने इन सीओई के संचालन के माध्यम से उद्योग 4.0 एप्लिकेशन की प्रक्रियाएं शुरू की हैं जो सर्वोत्तम हैं। उपलब्ध बुनियादी ढाँचा और कौशल न केवल अनुसंधान और विकास में सहायता करते हैं, बल्कि उत्पाद विकास, तकनीकी सहायता और ऊष्मायन और उद्यमिता विकास केंद्रों जैसी उद्योग की चिंताओं का भी प्रतिनिधित्व करते हैं।

भविष्य की तकनीकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तथा इन सीओई में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए, एफडीडीआई प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों और प्रमुख उद्योग के अग्रणियो के साथ समझौता ज्ञापन(एमओयू) पर हस्ताक्षर कर रहा है।

ये सीओई माननीय प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल', 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत,' 'स्किल इंडिया' और 'स्टार्ट-अप इंडिया' कार्यक्रमों के लक्ष्यों को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

एफडीडीआई परिसरों के बारे में

एफडीडीआई के सभी परिसर अच्छी तरह से डिजाइन किए गए उद्योग उन्मुख पाठ्यक्रम वाले पेशेवर कार्यक्रमों का संचालन करते हैं, जो अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी और तुलनात्मक बने रहने के लिए विश्व स्तरीय मशीनरी, उपकरणों एवं प्रशिक्षण सहायता के साथ समर्थित सिद्धांत और अभ्यास का एक अच्छा संयोजन है।

समग्र विकास के अधिदेश के अनुरूप ठोस संरचना और प्राकृतिक वातावरण के बीच संतुलन बनाए रखते हुए एफडीडीआई परिसरों का विकास किया गया है।

जिस उत्साह के साथ हर त्योहार और सामाजिक कार्यक्रम मनाया जाता है वह एफडीडीआई समुदाय में घनिष्ठ संबंध का प्रतिबिंब है। एफडीडीआई द्वारा आयोजित फैशन शो बहुत लोकप्रिय हैं।

सभी परिसरों में खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां छात्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करती हैं।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर

प्रशिक्षित मानव संसाधन की मांग में वृद्धि से प्रेरित होकर, जो समकालीन भारत की नियति को आकार देने और फुटवियर, लेदर के सामान और उभरते विपणन क्षेत्र में शेष दुनिया के साथ देश के हितों को सुसंगत बनाने के लिए अपेक्षित थे, इस परिसर की स्थापना वर्ष 1996 में की गई थी।

9 एकड़ भूमि क्षेत्र में फैले परिसर में हरे भरे आवरण के साथ सफेद गुंबद की संरचना है। प्रकाश और मजबूत छाया की शक्तिशाली किरणें एक नाटकीय और शांत वातावरण बनाती हैं जिसने छात्रों की पीढ़ियों को विनम्रता बनाए रखते हुए उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया है।

प्रयोगात्मक प्रशिक्षण के लिए एफडीडीआई में अत्याधुनिक मशीनरी और उपकरणों से सुसज्जित कटिंग, क्लोजिंग, कम्पोनेंट, लास्टिंग, फिनिशिंग संचालन के लिए एक पूर्ण कार्यशाला है। इसमें उत्पाद विकास केंद्र (पीडीसी), पुस्तकालय, कक्षाएं, सूचना प्रौद्योगिकी सेवा केंद्र(आईटीएससी), अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र(आईटीसी) आदि भी हैं।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर

यह परिसर चेन्नई से 40 मिनट की ड्राइव पर एसआईपीसीओटी फुटवियर और कंपोनेंट पार्क के पास इरुंगट्टुकोट्टई में स्थित है। सबसे आकर्षक परिसर क्षेत्र 15 एकड़ भूमि में फैला हुआ है, जो शांत झील के दृश्य में स्थित है जो कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और श्रीपेरंबदूर जैसे प्राचीन अत्याधुनिक शहरों से घिरा हुआ है।

परिसर में 4 लाख वर्ग मीटर से अधिक का निर्मित क्षेत्र है। प्रशासनिक ब्लॉक, कार्यशाला भवन, रिटेल ब्लॉक, संसाधन केंद्र, छात्रावास और स्टाफ क्वार्टर शामिल है। परिसर का एक उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा और आधुनिक सुविधाएं, विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के संचालन में सहायता करती हैं। एक हाई-टेक कंप्यूटर लैब और डिजाइन स्टूडियो, क्लास रूम और व्याख्यान हॉल के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित और केंद्रीय वातानुकूलित भवन, नवीनतम मल्टीमीडिया ऑडियो-वीडियो, शिक्षण के लिए शैक्षिक सहायता और एक पूरी तरह से सुसज्जित सभागार है।

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर

एफडीडीआई का यह पूर्ण परिसर कृषि विश्वविद्यालय और अंबेडकर स्कूल से दो तरफ से घिरा हुआ है और सामने

जोधपुर को नागौर/बीकानेर से जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग 65 है। परिसर 15 एकड़ भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है।

एफडीडीआई जोधपुर में अत्याधुनिक मशीनरी और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, स्मार्ट क्लास रूम, नवीनतम मशीनों और उपकरणों के साथ कार्यशालाएं, उच्च तकनीक आईटी लैब, पुस्तकालय, लड़कों और लड़कियों के लिए छात्रावास आदि हैं।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर

15 एकड़ भूमि में फैला एफडीडीआई रोहतक परिसर क्षेत्र उद्योग की डिजाइन और फैशन से संबंधित आवश्यकताओं पर गहनता से ध्यान केंद्रित कर रहा है।

हरियाणा में चमड़ा और फुटवियर क्लस्टर में काफी संभावनाएं हैं। हरियाणा के वर्तमान क्लस्टर जैसे बहादुरगढ़,

फरीदाबाद, करनाल और अंबाला आदि तेजी से विस्तार कर रहे हैं और उनका भविष्य आशाजनक है और यह संस्थान उनकी विकास प्रक्रिया में उत्प्रेरक के रूप में काम कर रहा है।

एफडीडीआई रोहतक केंद्र डिजाइन, फैशन और प्रवृत्ति पूर्वानुमान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्र में उद्योग को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है ताकि भारतीय उद्योग वैश्विक बाजार में डिजाइन, लागत, गुणवत्ता और वितरण समय के संदर्भ में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर

भारत में चमड़ा उद्योग के समग्र विकास के लिए प्रशिक्षित पेशेवर और अन्य तकनीकी सेवाओं की सख्त आवश्यकता

को ध्यान में रखते हुए, कलकत्ता चमड़ा परिसर, कोलकाता में एफडीडीआई का एक केंद्र स्थापित किया गया है।

कोलकाता अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। एक तरफ कांथा सिलाई और दूसरी तरफ चमड़े की डिजाइनिंग और निर्यात के साथ, कोलकाता ने हमेशा फैशन और जीवन शैली की दुनिया में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

लेदर गुडस एण्ड एक्सेसरीज का केंद्र होने के नाते, यह परिसर संस्थान द्वारा प्रशिक्षित जनशक्ति के माध्यम से प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए फुटवियर डिजाइन, रिटेल और मर्चेंडाइजिंग कार्यक्रमों के साथ-साथ लेदर गुडस एण्ड एक्सेसरीज के डिजाइन पर गहन रूप से ध्यान केंद्रित कर रहा है। परिसर 15 एकड़ भूमि के क्षेत्र में फैला हुआ है।

एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर

एफडीडीआई-फुर्सतगंज परिसर इंदिरा गांधी उड़ान अकादमी, फुर्सतगंज, सीएसएम नगर, बगल में के 9.4 एकड़ भूमि के क्षेत्रफल में उत्तर प्रदेश में स्थित है, जो लखनऊ से 80 मिनट की ड्राइव पर है।

अत्याधुनिक परिसर फुटवियर एण्ड लेदर गुडस प्रोडक्ट डिजाइन, रिटेल प्रबंधन और फैशन मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में उद्योग के लिए प्रशिक्षण और उच्च अंत समर्थन सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय मानकों को सुनिश्चित करता है।.

यह परिसर लेदर के उत्पादों और फुटवियर के कानपुर और उन्नाव समूहों के करीब है। लखनऊ और कानपुर के क्षेत्र में रिटेल क्षेत्र भी बहुत तेजी से बढ़ रहा है जो एफडीडीआई को गुणात्मक वैश्विक कैरियर की तलाश करने वाले इच्छुक युवाओं के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाता है।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर

एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर, 20 एकड़ भूमि क्षेत्र में छिंदवाड़ा नागपुर रोड पर मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा के इमलीखेड़ा में स्थापित किया गया है।

संस्थान उन लोगों की सहायता करने में सक्षम है जो अपना खुद का उद्योग स्थापित करना चाहते हैं और संगठन को व्यवसाय बढ़ाने में मदद करना चाहते हैं।

एफडीडीआई, गुना परिसर

एफडीडीआई का यह परिसर ग्राम महाराजपुरा पंचायत, हरिपुर, ग्राम पुरापोसर रोड, जिला - गुना, मध्य प्रदेश में 20 एकड़ भूमि क्षेत्रफल में बना हुआ है।

गुना में एफडीडीआई परिसर की कल्पना प्रबंधकों, डिजाइनरों, पर्यवेक्षकों और रिटेल पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से की गई है ताकि उद्योग में प्रशिक्षित जनशक्ति की भारी कमी को पूरा किया जा सके।

एफडीडीआई, पटना परिसर

एफडीडीआई का यह परिसर पटना, बिहार से 30 मिनट की ड्राइव पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के बगल में प्लॉट नंबर बी -6 (पी), मेगा इंडस्ट्रियल पार्क, बिहटा में 10 एकड़ भूमि क्षेत्र में स्थित है।

परिसर में फुटवियर प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, लेदर के सामान और सहायक उपकरण डिजाइन, विनिर्माण और रिटेल प्रबंधन के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक केंद्र हैं।

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर

एफडीडीआई का यह परिसर गुजरात राज्य के भरूच जिले में सूरत के बगल में एनएच -8 मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग से सटे प्लॉट नंबर एच -3301, ईएसआईसी अस्पताल, जीआईडीसी, अंकलेश्वर औद्योगिक एस्टेट के पास स्थित है।

10 एकड़ भूमि क्षेत्र में फैले परिसर में फुटवियर प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, लेदर के सामान और सहायक उपकरण डिजाइन, विनिर्माण और खुदरा प्रबंधन के क्षेत्र में अत्याधुनिक केंद्र हैं। एफडीडीआई अंकलेश्वर परिसर में इंटरैक्टिव और व्यावहारिक उन्मुख प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए विनिर्माण प्रौद्योगिकी के प्रत्येक क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में विशेष कार्यशालाओं के साथ स्मार्ट क्लास रूम बनाए गए हैं।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर

एफडीडीआई का यह परिसर तेलंगाना में, राज्य चमड़ा उद्योग संवर्धन निगम (टीएसएलआईपीसी) नीलेक्स परिसर,

एचएस दरगाह, गाचीबोवली, बीदर-हैदराबाद रोड, हैदराबाद, तेलंगाना में 14 एकड़ भूमि क्षेत्र में स्थित है।

यह आईटी उद्योग, अकादमिक संस्थानों जैसे इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी (एचसीयू), गाचीबोवली स्टेडियम से घिरा हुआ शहर के केंद्र में स्थित है और फिल्म नगर, बंजारा हिल्स और जुबली हिल्स आदि जैसे टाउनशिप भी है।

परिसर में फुटवियर और संबद्ध उत्पाद उद्योगों के विकास और संवर्धन के लिए प्रशिक्षण और सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय मानकों को सुनिश्चित करने के लिए समर्थन सुविधाओं के साथ-साथ पूर्ण अत्याधुनिक प्रशिक्षण बुनियादी ढांचा है।

एफडीडीआई, बनूर (चंडीगढ़) परिसर

यह एफडीडीआई परिसर राष्ट्रीय राजमार्ग 07, चंडीगढ़-पटियाला राजमार्ग, जिला चंडीगढ़ पर बनूर में स्थित है। एसएएस नगर मोहाली (चंडीगढ़), पंजाब 7.2 एकड़ भूमि में फैला हुआ है और अत्याधुनिक आवास और भवनों के साथ चंडीगढ़ / मोहाली शहर के संस्थागत क्षेत्र के केंद्र में स्थित है। पर्याप्त वातानुकूलित कक्षाओं, आधुनिक अत्याधुनिक मशीनरी से सुसज्जित तकनीकी कार्यशालाओं के अलावा, इसमें सम्मेलन हॉल, सेमिनार हॉल, सभागार, आईटीएससी, डिजाइन स्टूडियो, सीएडी-सीएएम प्रयोगशाला और डिजिटल ई-लाइब्रेरी हैं।

संकाय

एफडीडीआई के संकाय, फुटवियर, फैशन डिजाइन, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और रिटेल के क्षेत्र में उच्च ज्ञान रखने वाले विषय-वस्तु विशेषज्ञ शामिल हैं, जिन्होंने भारत तथा विदेशों में कुछ प्रमुख संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

इन संकायों के पास उत्पादकता, उत्पाद विकास को बढ़ावा देने और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए फुटवियर उद्योग की सहायता करने के लिए भारत और भारतीय उप-महाद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में उद्योगों के लिए परामर्श कार्यो का व्यावहारिक अनुभव है।

अतिथि संकाय में फैशन डिजाइन, फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन मैनेजमेंट, विजुअल मर्चेंडाइजिंग और रिटेल के क्षेत्र से उद्योगों के शीर्ष पेशेवर शामिल हैं। निर्देशों के तरीके आकर्षण शिक्षण प्रणाली पर आधारित हैं।

क्लास रूम

एफडीडीआई परिसरों में कक्षाएं न केवल सीखने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए बनाई गई हैं, बल्कि छात्रों के पास मौजूद ज्ञान की खोज को पोषित करने के लिए भी बनाई गई हैं।

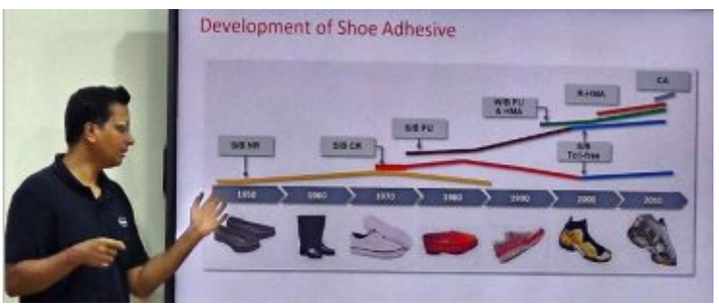

अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी)

एफडीडीआई के पास दो अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) हैं, एक उत्तर भारत (नोएडा) और दूसरा दक्षिण भारत (चेन्नई) में स्थित है। आईटीसी नोएडा एसएटीआरए, यूनाइटेड किंगडम (यूके), और भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा मान्यता प्राप्त है। आईटीसी चेन्नई को एसएटीआरए यूके से भी मान्यता प्राप्त है।

आईटीसी केंद्र लेदर, लेदर के उत्पादों, फुटवियर (सेफ्टी, फैशन और स्पोर्टस), फुटवियर कम्पोनेंट, कपड़ा उत्पादों और प्लास्टिक के परीक्षण में विशेषज्ञता है।

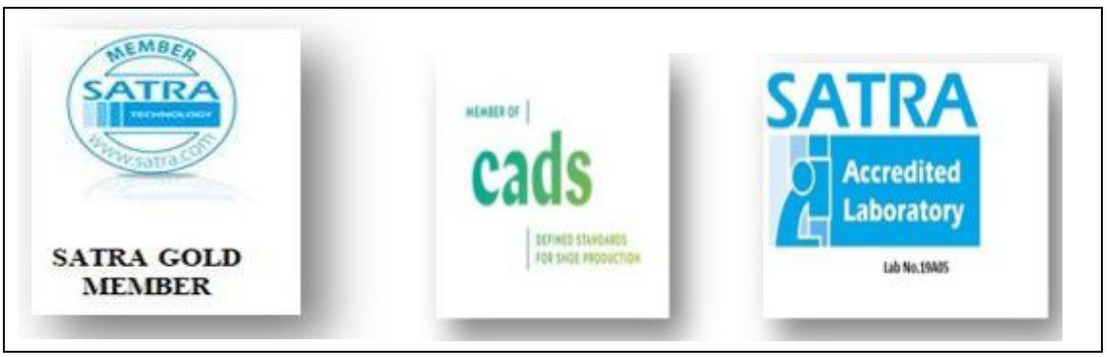

इसे आईएसओ 9001 और आईएसओ 14001 से सम्मानित किया गया है और इसके द्वारा अनुमोदित है:

- भारतीय मानक ब्यूरो
- जनरल मोटर्स
- डीजीएक्यूए राइट्स
- डीजीएस एंड डी, भारत

आईटीसी के पास पूर्ण रासायनिक और भौतिक प्रयोगशालाएं हैं, जहां सभी प्रकार के रसायन और भौतिक परीक्षण जैसे एजेडओ, पीसीपी; फॉर्मलाडेहाइड, स्लिप रेजिस्टेंस हाइड्रोलिसिस आदि तय समय-सीमा (टीएटी) के भीतर निष्पादित किए जाते हैं। भौतिक प्रयोगशाला यूएनडीपी सहायता के तहत बीएएलएलवाई स्विट्जरलैंड के सहयोग से स्थापित की गई थी।

रासायनिक प्रयोगशाला पीएफआई, जर्मनी के तकनीकी सहयोग से स्थापित की गई है और यह एशिया की एक प्रमुख परीक्षण प्रयोगशाला है। दोनों प्रयोगशालाओं में अत्याधुनिक परीक्षण उपकरणों का विधिवत जांच और सबसे अधिक मांग वाले उद्योग मानकों के अनुरूप है।

रासायनिक प्रयोगशाला पीएफआई, जर्मनी के तकनीकी सहयोग से स्थापित की गई है और यह एशिया की एक प्रमुख परीक्षण प्रयोगशाला है। दोनों प्रयोगशालाओं में अत्याधुनिक परीक्षण उपकरणों का विधिवत जांच और सबसे अधिक मांग वाले उद्योग मानकों के अनुरूप है।

प्रयोगशाला में परीक्षण ग्राहक की आवश्यकता के आधार पर विभिन्न मानकों के अनुसार आयोजित किए जाते हैं। विश्वसनीयता और प्रामाणिकता इन केन्द्रों का मूलमंत्र है।

इन प्रयोगशालाओं के माध्यम से, यह रीबॉक, नाइकी, एडिडास, प्यूमा, फिला, बाटा, लिबर्टी, रेड चीफ, खादिम, पैरागॉन, सुपर हाउस, स्केचर्स और कई अन्य जैसे प्रमुख ब्रांडों को परीक्षण सेवाएं प्रदान करता है।

टैक्टिकल बूट्स, जंगल बूट्स, स्नो बूट, एंकल बूट, स्पोर्ट्स/पीटी और रनिंग शूज़ की सही और सुरक्षित खरीद सुनिश्चित करने के लिए, यह इन्हें परीक्षण सेवाएँ भी प्रदान कर रहा है:

1. भारतीय सेना
2. अर्धसैनिक बल (सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और सीआईएसएफ)।
3. भारतीय वायु सेना
4. भारतीय नौसेना
5. भारतीय तटरक्षक
6. पीएसयू जैसे एनटीपीसी, ओएनजीसी, आईओसी और अन्य।

इनकी परीक्षण सेवाओं का लाभ सऊदी अरब, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात जैसे विभिन्न अन्य देशों द्वारा भी उठाया जाता है।

सूचना प्रौद्योगिकी सेवा केंद्र (आईटीएससी)

एफडीडीआई में आईटी सेवा केंद्र (आईटीएससी) अपने विभिन्न विभागों की तकनीकी जरूरतों को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है, उत्पादकता एवं परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए आईटी से संबंधित सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करता है। केंद्र एनआईसी से एफडीडीआई की शाखाओं में सभी संकाय और कर्मचारियों को केंद्रीकृत ईमेल सेवाएं प्रदान करता है, जो निर्बाध संचार सुनिश्चित करता है।

ई-गवर्नेंस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, एफडीडीआई ने ई-ऑफिस और ईआरपी अनुप्रयोगों को लागू किया है। इन पहलों का उद्देश्य एक कागज रहित कार्यालय वातावरण बनाना और उन्नत निर्णय लेने और वर्कफ़्लो प्रबंधन के लिए डेटा को आसानी से सुलभ बनाना है।

आईटीएससी को मजबूत बुनियादी ढांचे द्वारा समर्थित किया जाता है, जिसमें भारत में एक अग्रणी इंटरनेट सेवा प्रदाता से दोहरे समर्पित लीज्ड लाइन कनेक्शन (100 एमबीपीएस तथा 50 एमबीपीएस) शामिल हैं, जो निर्बाध सेवा के लिए

शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, प्रत्येक एफडीडीआई परिसर डिजिटल कक्षा सुविधाओं और वास्तविक समय, दो-तरफा कॉन्फ्रेंसिंग समाधान से लैस है। यह सुनिश्चित करता है कि छात्र तथा कर्मचारी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच सकते हैं और सीखने के अनुभवों को बढ़ाते हुए किसी भी स्थान से सहयोग कर सकते हैं।

प्रत्येक एफडीडीआई परिसर में 100 से अधिक नोड्स के साथ एक समर्पित आईटी प्रयोगशाला भी है, जो शैक्षिक एवं अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए नवीनतम हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से लैस है। इसके अतिरिक्त, वायरलेस इंटरनेट कनेक्टिविटी पूरे परिसर में उपलब्ध है, जो छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए इंटरनेट तक निरंतर पहुंच प्रदान करती है, यह सुनिश्चित करती है कि वे हमेशा जुड़े रहें।

से, आईटीएससी यह सुनिश्चित करता है कि एफडीडीआई तकनीकी नवाचार में सबसे आगे रहे और अपने सभी हितधारकों के लिए सीखने का अनुकूल माहौल प्रदान करे।

कार्यशालाएं

छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए, एफडीडीआई परिसरों में पर्याप्त संख्या में नवीनतम मशीनों और उपकरणों के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित कार्यशाला है।

कटिंग, क्लोजिंग, कम्पोनेंट, लास्टिंग और फिनिशिंग वर्कशॉप में अत्याधुनिक मशीनें उपलब्ध हैं।

एफडीडीआई में अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन स्टूडियो एक उत्पाद विकसित करने और अवधारणा, रचनात्मकता को एक आभासी उत्पाद में अनुवाद करने और उद्योग के लिए विश्व स्तरीय डिजाइनरों को पोषित करने के लिए प्रोटोटाइप और अंतिम उत्पाद के लिए सबसे आधुनिक और परिष्कृत मशीनरी और सीएडी/सीएएम से सुसज्जित है।

पुस्तकालय

एफडीडीआई के सभी परिसरों में पूरी तरह से सुसज्जित वातानुकूलित पुस्तकालय है जिसमें शांत वातावरण है ताकि छात्र अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर सकें। एफडीडीआई का पुस्तकालय फैशन ,डिजाइन , प्रौद्योगिकी ,रिटेल और प्रबंधन से संबंधित उद्योग के लिए विशिष्ट एक संपूर्ण और अद्वितीय संसाधन और सूचना आधार प्रदान करता है।

पुस्तकालय में विश्वकोश ,नवीनतम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं ,पत्रिकाओं ,समाचार पत्रों और अन्य मानक पठन सामग्री का उत्कृष्ट संग्रह है। इसमें परियोजना रिपोर्ट और केस स्टडी का एक विस्तृत संग्रह भी है। छुट्टी के दिनों में भी पुस्तकालय उपलब्ध है। संकाय और छात्रों के उपयोग के लिए सभी संसाधन उपलब्ध हैं।

कैंपस लाइफ

एफडीडीआई छात्रों को एक अवसर प्रदान करता है जहां उन्हें सफलता के लिए अपना रास्ता तैयार करने और आत्मविश्वास से भरपूर जीवन जीने की पूरी आजादी मिलती है।

एफडीडीआई के परिसर जीवन ने अपने अनूठे तरीके से न केवल अपने छात्रों के भविष्य को आकार दिया है ,बल्कि उन्हें एक परिष्कृत और कुशल व्यक्तित्व भी दिया है।

नृत्य, संगीत, नाटक, कला, आयोजन, प्रबंधन, आविष्कार, शोध जैसी प्रतिभाएं एफडीडीआई में व्यक्तित्व संवारने का एक अभिन्न और महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

खेल आयोजन ,आंतरिक कार्यक्रम ,मनोरंजक गतिविधियां ,फ्रेशर पार्टी, फैशन शो ,स्मारक कार्यक्रम छात्रों को बहुत सारे नए अनुभव प्रदान करते हैं।

सभागार

एफडीडीआई के परिसरों में पूरी तरह से वातानुकूलित विश्व स्तरीय सभागार है। एयर कंडीशनिंग के अलावा, यह व्याख्यान, प्रवचन, सम्मेलनों, कंपनी की बैठकों, शैक्षिक, सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियों के लिए एक अति-आधुनिक, पेशेवर स्तर के प्रकाश और ध्वनि प्रणाली, ओवरहेड एलसीडी, रिकॉर्डिंग सिस्टम, विशाल मंच और सौर रोशनी आदि से भी सुसज्जित है।

छात्रावास

एफडीडीआई लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए अलग-अलग विशाल ,स्वच्छ और सुरक्षित छात्रावास सुविधा प्रदान करता है। कमरे उचित रूप से हवादार और पंखे ,ट्यूब लाइट और आवश्यक फर्नीचर से सुसज्जित हैं।

प्रत्येक छात्र को एक बैड, एक कुर्सी ,एक मेज और अलमारी (लॉकर) प्रदान की जाती है। इसमें मनोरंजन कक्ष ,रंगीन टीवी सेट ,संगीत प्रणाली, स्वच्छ पेयजल ,जनरेटर पावर बैक अप ,डाइनिंग हॉल और छात्रों की शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए इनडोर गेम जैसी सुविधाएं हैं।

परिसर में मेस और कैफेटेरिया

छात्रों की पसंद के अनुरूप ,एफडीडीआई परिसर में इन- कैंपस मेस सुविधा उपलब्ध है जो उचित दरों पर छात्रों के लिए स्वस्थ और स्वच्छ भोजन प्रदान करती है। छात्रों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं।

मेस के अलावा, एफडीडीआई में एक कैफेटेरिया है जहां डे स्कॉलर और अन्य लोग जो कक्षाओं के बीच जलपान करना चाहते हैं ,वे कई प्रकार के पेय और स्नैक्स का आनंद ले सकते हैं।

एम्फ़िथिएटर

खुली हवा में बैठने की सुविधा वाला एक अभिनव सेट- अप ,एम्फीथिएटर छात्रों को अन्य चीजों के बीच अपनी कलात्मक और रचनात्मक प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस स्थल का उपयोग मनोरंजन ,प्रदर्शन और विभिन्न प्रकार के इंटरैक्टिव कार्यक्रमों के लिए किया जाता है।

इस प्रक्रिया में ,उन्हें अपनी सार्वजनिक बोलने की क्षमताओं में सुधार करने ,संचार कौशल बढ़ाने और अपने समग्र व्यक्तित्व को विकसित करने का अवसर मिलता है।

खेल परिसर

परिसर में छात्रों के हित के लिए टेनिस ,बास्केटबॉल और बैडमिंटन कोर्ट के साथ खेल परिसर है।

चिकित्सा सहायता सुविधाएं

एफडीडीआई अपने छात्रों की भलाई के मुद्दे को बहुत गंभीरता से लेता है और सभी की अत्यधिक देखभाल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर छात्रों को स्वास्थ्य देखभाल सुविधा प्रदान करता है।

उद्योग सहयोगी

एडिडास, आदित्य बिड़ला, अप्रैल सोर्सिंग बाइंग हाउस, अब्राहम एंड ठाकोर, एक्शन, अपैरल ग्रुप- दुबई, एवीटी, बाटा इंडिया लिमिटेड, कार्लटन लंदन, क्लार्क्स, दा-मिलानो, फरीदा ग्रुप, फ्यूचर ग्रुप, गौरव गुप्ता, जेनेसिस, लग्जरी, ग्लोबस, एच एंड एम, हाई-डिजाइन, इंडिटेक्स, आइकॉनिक, इम्पल्स, इम्पैक्टिवा, खादिम्स, लैंडमार्क, लिबर्टी, लाइफस्टाइल, ली एंड फंग, एम एंड बी, मदुरा गारमेंट्स, मार्क्स एंड स्पेंसर्स, मैक्स लाइफस्टाइल, मिर्जा इंटरनेशनल, प्यूमा, पीडिलाइट, राजेश प्रताप रायसंस, रीबॉक, रिलैक्सो, रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड, रिलायंस रिटेल लिमिटेड, सब्यसाची, समर्थ लाइफस्टाइल, सरोज इंटील, स्केचर्स, एसएसआईपीएल, स्नैपडील, स्ट्रट्स, सुपरहाउस, टेंजेरीन डिजाइन, टाटा इंटरनेशनल, वुडलैंड, विल्हेम, जारा आदि।

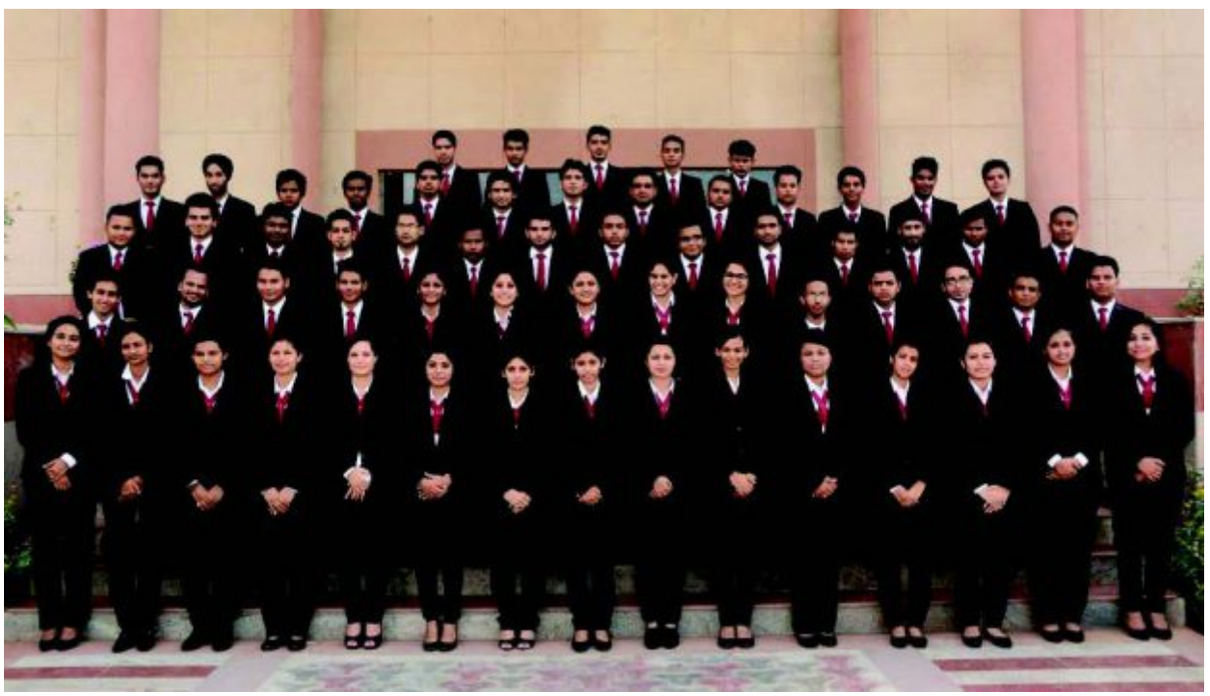

प्रदर्शन की मुख्य विशेषताएं

➤ राजस्व एवं व्यय:

वित्तीय वर्ष 2023 -24 में वित्तीय प्रदर्शन के संबंध में, 132.49 करोड़ रुपये के कुल व्यय के मुकाबले राजस्व 128.22 करोड़ रुपये था। छात्र शुल्क से कुल 46,91,54,026.00 रुपये की आय है।

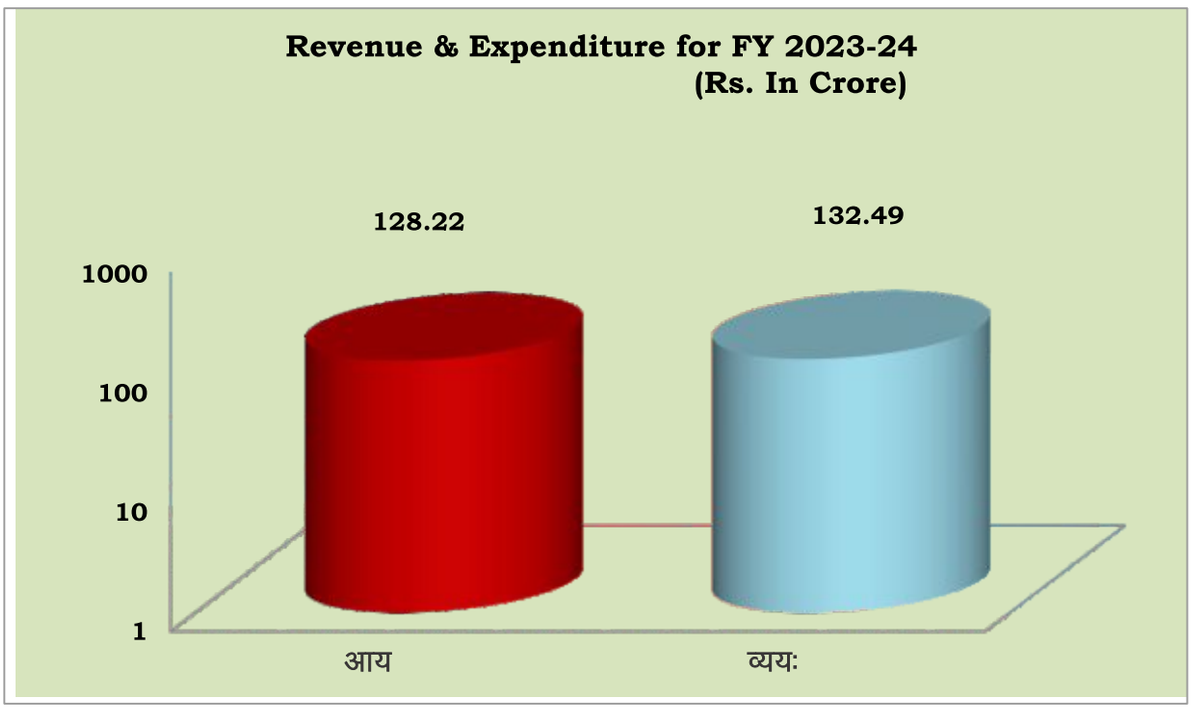

संस्थान के समक्ष एक प्रमुख चुनौती यह है कि एफडीडीआई एक स्व-वित्तपोषित संस्थान होने के नाते केवल पूंजीगत व्यय के लिए अनुदान प्राप्त करता है। कोई राजस्व अनुदान प्रदान नहीं किया जाता है जिसके परिणामस्वरूप परिचालन संबंधी समस्याएं होती हैं। एफडीडीआई और सतत शिक्षा कार्यक्रमों द्वारा सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन शुल्क हमारे वार्षिक व्यय को पूरा करने के लिए एक छोटे से हिस्से का योगदान करते हैं।

➤ प्रवेश 2023-24:

2024 सत्र के लिए प्रवेश बढ़ाने के लिए, एफडीडीआई ने दक्षता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए सभी परिसर में प्रक्रियाओं की निगरानी करने के लिए नोएडा में एक केंद्रीकृत प्रवेश टीम लागू की। स्कूल सेमिनार, करियर मेलों, कोचिंग टाई-अप, मुफ्त परामर्श कार्यशालाओं और यूपी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2024 एवं भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2024 में भागीदारी के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई गई।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (गूगल विज्ञापन, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, लिंक्डइन, एक्स) का लाभ उठाते हुए एक मजबूत मल्टी-चैनल मार्केटिंग रणनीति तैनात की गई थी। कॉलेज देखो एवंकॉलेज दुनिया जैसे शैक्षिक पोर्टलों के साथ

साझेदारी से विस्तृत सूची तैयार की गई, जबकि सीयूईटी, यूसीईईडी और एआईएमए के साथ पंजीकरण ने यूजी तथा पीजी उम्मीदवारों को लक्षित किया। एसएमएस, व्हाट्सएप और ईमेल अभियानों के माध्यम से वैयक्तिकृत संचार से संबंधों को बढ़ाया गया।

केनरा बैंक की विद्या तुरंत योजना के माध्यम से वित्तीय सहायता को प्राथमिकता दी गई। कार्यशालाओं, उच्च गुणवत्ता वाले परिसर वीडियो एवं प्रभावशाली सहयोग ने एफडीडीआई के अद्वितीय मूल्य प्रस्ताव को और अधिक उजागर किया , जिससे मजबूत ब्रांड उपस्थिति और उभरती पीढ़ी को बढ़ावा मिला।

इन प्रयासों के परिणामस्वरूप 2023 सत्र की तुलना में प्रवेश में 22% की वृद्धि हुई, जो छात्र आधार के विस्तार में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

➢ ई-गवर्नेंस में परिवर्तित गतिविधियाँ:

ई-गवर्नेंस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, एफडीडीआई ने सभी एफडीडीआई परिसरों में एक अकादमिक ईआरपी एप्लिकेशन, कैंपस मैनेजमेंट सॉल्यूशन (सीएमएस) लागू किया है। इस पहल का उद्देश्य एक कागज रहित कार्यालय वातावरण बनाना, उन्नत निर्णय लेने एवं वर्कफ़्लो प्रबंधन के लिए डेटा को आसानी से सुलभ बनाना है।

➢ वर्ष 2023 में उत्तीर्ण छात्रों का दीक्षांत समारोह:

एफडीडीआई के विभिन्न परिसरों से सत्र 2023 में उत्तीर्ण हुए 755 छात्रों के लिएउपाधि प्रदान करने हेतु दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया था।

क्र.सं.	एफडीडीआई परिसर	कुल छात्रों की संख्या	दीक्षांत समारोह की तिथि
1	नोएडा	205	16.12.2023
2	कोलकाता	123	04.12.2023
3	रोहतक	80	25.11.2022
4	अंकलेश्वन	15	01.11.2023
5	फुरसतगंज	70	20.12.2023
6	हैदराबाद	181	10.10.2022
7	चेन्नई	81	10.10.2022
कुल छात्र		**755**	

उपरोक्त 755 छात्रों का डेटा नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) पोर्टल पर सफलतापूर्वक ऑनलाइन अपलोड कर दिया गया है।

➢ छात्रों का प्लेसमेंट:

एफडीडीआई प्लेसमेंट में 164 से अधिक नियोक्ताओं ने भाग लिया, जिनमें परंपरागत एवं पहली बार भर्ती करने वाले शामिल थे, जो नौकरी के अवसरों एवं विविध नौकरी प्रोफाइलों की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करते थे। चुनौतीपूर्ण आर्थिक माहौल के बावजूद प्लेसमेंट अभियान ने एक प्रभावशाली 84% प्लेसमेंट दर प्राप्त करने में एक शानदार सफलता प्राप्त की थी।

मुख्य नियोक्ता	प्रमुख प्रोफाइल की पेशकश
• अंतर्राष्ट्रीय फुटवियर ब्रांड: प्यूमा इंडिया, स्केचर्स साउथ एशिया और रीबॉक (एबीएफआरएल के सहयोग से)। • फैशन एण्ड परिधान ब्रांड: ज़ारा (इंडिटेक्स), मैंगो और लैंडमार्क ग्रुप। • भारतीय फुटवियर ब्रांड: रेडटेप, मिर्जा इंटरनेशनल, वीकेसी, डी'लॉर्ड्स फुटवियर, और फरीदा ग्रुप, सुपरहाउस लिमिटेड, लियन शूज़, लिबर्टी शूज़ • भारतीय समूह: रिलायंस ब्रांड्स, टाटा ट्रेंट लिमिटेड और आदित्य बिड़ला रिटेल एंड फैशन लिमिटेड। • उभरते फुटवियर ब्रांड: बक्का बुक्की (पहली बार नियोक्ता) एण्ड द सोल्ड स्टोर। • राष्ट्रीय ब्रांड: शॉपर्स स्टॉप, लेंसकार्ट, रेयर रैबिट, अरविंद • फैशन, हायडिजाइन ,दा मिलानो, और अतुल लिमिटेड • फैशन और परिधान डिजाइनर: हाउस ऑफ रायसन, पिजल्ली क्रिएशंस, सौंध, और दिव्या कोचर, 43188 श्वेता कपूर द्वारा। • पूर्व छात्र उद्यमी: एटलेटा स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, मोचिको शूज़ प्राइवेट लिमिटेड, और रवानी एक्सपोर्ट्स।	• ख़रीदना और मर्चेंडाइजिंग • तकनीकी बिक्री कार्यकारी • प्रशिक्षु डिजाइनर • उत्पादन कार्यकारी • सोर्सिंग कार्यकारी • ई-कॉमर्स कार्यकारी • गुणवत्ता आश्वासन कार्यकारी • सोशल मीडिया कार्यकारी • विजुअल मर्चेंडाइजर • प्रशिक्षु विभाग प्रबंधक • रिटेल सहायक • उत्पाद विकास कार्यकारी • ग्राफिक डिजाइनर कार्यकारी

➢ कार्यशालाएं, सेमिनार, वेबिनार और औद्योगिक दौरे:

उद्योग की अपेक्षाओं को पूरा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र आवश्यक अवधारणाओं की अपनी समझ को गहरा करते हुए वर्तमान रुझानों के बारे में अवगत रहें, एफडीडीआई ने पूरे वर्ष सक्रिय रूप से कार्यशालाओं, सेमिनारों एवं वेबिनार की एक श्रृंखला आयोजित की है। इन आयोजनों ने छात्रों के लिए डिजाइन नवाचार, टिकाऊ प्रथाओं, वित्तीय साक्षरता, बाजार की गतिशीलता तथा उद्यमशीलता रणनीतियों सहित उद्योग के विभिन्न पहलुओं में मूल्यवान जानकारी प्राप्त करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया है।

प्रत्येक सत्र को दोहरे उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया था: सैद्धांतिक ज्ञान को बढ़ानातथा प्रयोगात्मक अनुभव प्रदान करना। उद्योग के दिग्गजों, उद्यमियों और विषय वस्तु विशेषज्ञों को इन गतिविधियों का नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को वास्तविक दुनिया की विशेषज्ञता तक सीधी जानकारी हो सके।

ये पहल अपने चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए भविष्य के लिए तैयार पेशेवरों का पोषण करते हुए शिक्षा एवं उद्योग के बीच अंतर को पाटने की एफडीडीआई की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

➢ चमड़ा क्षेत्र के एकीकृत विकास (आईडीएलएस) योजना का कार्यान्वयन:

एफडीडीआई और सीएलआरआई उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की दो शाखाएं हैं, जो चमड़ा क्षेत्र के एकीकृत विकास (आईडीएलएस) योजना के लिए उत्पाद क्षेत्र के लिए परियोजना कार्यान्वयन इकाई (पीआईयू) के रूप में काम कर रही हैं।

वर्ष 2023-24 के दौरान कुल 371 आईडीएलएस आवेदन प्राप्त हुए। पीआईयू ने 325 आवेदनों पर कार्रवाई की और 168.95 करोड़ के कुल आईडीएलएस अनुदान के साथ 235 आवेदन अनुमोदित किए गए।

➢ समझौता ज्ञापन/समझौता अनुबंध पर हस्ताक्षर:

उद्योग एवं शिक्षा जगत के साथ एफडीडीआई का सहयोग काफी मजबूत हुआ है। शिक्षा, अनुसंधान आउटरीच कार्यक्रमों, छात्र विनिमय कार्यक्रम, संकाय विनिमय तथा कई अन्य क्षेत्रों में संस्थागत सहयोग के लिए मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी), मुजफ्फरपुर और निफ्ट, पटना, बिहार के साथ संस्थानों के अभिसरण के तहत समझौता ज्ञापन एवं एमओए पर हस्ताक्षर किए गए हैं; अनुसंधान एवं नवाचार के माध्यम से हेल्थकेयर फुटवियर को फिर से परिभाषित करने के लिए एम्स, हैदराबाद के साथ मिलकर स्वास्थ्य पेशेवरों एवं रोगियों दोनों को लाभ होगा।

इसी तरह, शारदा विश्वविद्यालय के साथ आईपीआर प्रशिक्षण एवं औद्योगिक डिजाइन फाइलिंग सुविधा सेवाओं के लिए एलसीजीसी रिसोल्यूट ग्रुप ऑफ कंपनीज के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने हेतु संस्थान में एक मजबूत आईपी संस्कृति बनाने तथा नए नवाचारों और डिजाइनों की सराहना करने और आईपी के समय पर पंजीकरण की तलाश करने के लिए समझौता किया है।

➢ अंतर्राष्ट्रीय परामर्श:

भारत सरकार की स्टडी इन इंडिया योजना के तहत, एफडीडीआई और एजुकेशन कंसल्टेंट ऑफ इंडिया लिमिटेड, (एडसिल) ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों तक एफडीडीआई की पहुंच बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन को 2साल के लिए 31 मार्च 2024 तक बढ़ा दिया है। इस योजना के तहत एफडीडीआई ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को विभिन्न कार्यक्रमों में 125 सीटों की पेशकश की है।

एफडीडीआई ने स्टडी इन इंडिया स्कीम (https://www.studyinindia.gov.in/institute_details?instituet_ID=SII-I0269&active_tab_index=0) के तहत अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को लक्षित करते हुए वेबसाइट विकसित की है।

एफडीडीआई ने विदेशी छात्रों से संबंधित गतिविधियों के तालमेल एवं दायरे के विस्तार के लिए विदेश मंत्रालय के एजुकेशन इंडिया मंच में भी शामिल किया था।

एफडीडीआई पहले ही भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की अटल बिहारी वाजपेई सामान्य छात्रवृत्ति योजना का सदस्य बन चुका है।

एफडीडीआई ने एफडीडीआई-एलएफएमईएबी संस्थागत सहयोग कार्यक्रम के तहत 10 छात्रों के लिए बांग्लादेश में लेदर गुड्स एंड फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश (एलजीएफएमएबी) के डिजाइन पेशेवरों के लिए फुटवियर डिजाइन और पैटर्न इंजीनियरिंग में अल्पकालिक कार्यक्रम आयोजित किया।

एफडीडीआई, कोलकाता में चमड़े के सामान के डिजाइन के लिए एक और कार्यक्रम की योजना बनाई गई है।

एफडीडीआई ने छात्र विनिमय कार्यक्रम, संकाय विनिमय एवं फुटवियर प्रौद्योगिकी एण्ड डिजाइन के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान के लिए टॉमस बाटा विश्वविद्यालय के साथ सहयोग किया था। इसके अलावा एफडीडीआई टॉमस बाटा विश्वविद्यालय के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय पीएचडी कार्यक्रम शुरू करने की भी योजना बना रहा है।

➢ समझौता ज्ञापन समझौता अनुबंध पर/हस्ताक्षर:

उद्योग एवं शिक्षा जगत के साथ एफडीडीआई का सहयोग काफी मजबूत हुआ है। शिक्षा ,अनुसंधान आउटरीच कार्यक्रमों ,छात्र विनिमय कार्यक्रम ,संकाय विनिमय तथा कई अन्य क्षेत्रों में संस्थागत सहयोग के लिए मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) ,मुजफ्फरपुर और निफ्ट ,पटना ,बिहार के साथ संस्थानों के अभिसरण के तहत समझौता ज्ञापन एवं एमओए पर हस्ताक्षर किए गए हैं ;अनुसंधान एवं नवाचार के माध्यम से हेल्थकेयर फुटवियर को फिर से परिभाषित करने के लिए एम्स ,हैदराबाद के साथ मिलकर स्वास्थ्य पेशेवरों एवं रोगियों दोनों को लाभ होगा।

इसी तरह ,शारदा विश्वविद्यालय के साथ आईपीआर प्रशिक्षण एवं औद्योगिक डिजाइन फाइलिंग सुविधा सेवाओं के लिए एलसीजीसी रिसोल्यूट ग्रुप ऑफ कंपनीज के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ,अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने हेतु संस्थान में एक मजबूत आईपी संस्कृति बनाने तथा नए नवाचारों और डिजाइनों की सराहना करने और आईपी के समय पर पंजीकरण की तलाश करने के लिए समझौता किया है।

➢ एफडीडीआई के अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) का उन्नयन:

एफडीडीआई ने नोएडा और चेन्नई में स्थित अपने अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्रों (आईटीसी) के विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। इन केंद्रों का पुनर्गठन किया गया है और अत्याधुनिक उन्नत परीक्षण मशीनों से लैस किया गया है, जो अत्याधुनिक परीक्षण एवं निरीक्षण सेवाएं प्रदान करने के लिए एफडीडीआई की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस आधुनिकीकरण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उद्योग को विश्वसनीय, सटीक और समय पर परिणाम प्राप्त हों, जिससे विश्व स्तरीय गुणवत्ता आश्वासन के साथ विनिर्माण एवं उत्पादन प्रक्रियाओं का समर्थन किया जा सके।

इन केंद्रों की क्षमताओं का अधिक विस्तार, अनुसंधान और परीक्षण में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए रास्ते तलाशने के लिए, एफडीडीआई ने केर्स्टिन शुल्टे, निदेशक - पीएफआई (प्रुफ-अंड फोर्सचुंगसिनस्टिट्यूट), जर्मनी, फुटवियर एवं संबंधित उद्योगों में परीक्षण एवं अनुसंधान के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त संस्थान के साथ सार्थक चर्चा की। इन चर्चाओं में विशेषज्ञता साझा करने, कार्यप्रणाली में सुधार करने तथा संयुक्त रूप से वैश्विक मानकों को पूरा करने वाले अभिनव परीक्षण समाधान विकसित करने के लिए संभावित साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया।

➢ हिंदी विभाग:

राजभाषा हिंदी की प्रगति के लिए इसके महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देते हुए, एफडीडीआई, नोएडा को राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट कार्य के लिएराजभाषा शील्ड योजना' के तहतप्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार 23 अगस्त, 2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) कार्यालय, नोएडा की 45वीं बैठक के दौरान दिया गया, जो तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय, ओआईडीबी भवन, सेक्टर-73, नोएडा के सहयोग से आयोजित की गई थी।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समित, नोएडा के तत्वावधानमें , 09 अगस्त 2023 को डायरेक्टरेट जनरल ऑफ लाइटहाउस एंड दीपपॉट, सेक्टर-24, नोएडा द्वारा 'आशु भाषा' (एक्स्टेम्पोर स्पीच) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान की ओर से श्री सौरभ श्रीवास्तव, कनिष्ठ संकाय, एफडीडीआई ने भाग लिया और 'आशु भाषा' प्रतियोगिता में प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार एफडीडीआई ने अपने सभी परिसरों में 14 सितंबर 2023 से 28 सितंबर 2023 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में, 31 जनवरी, 2024 को अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में अपना आधिकारिक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, 'कंथस्थ 2.0 – अनुवाद सारथी' पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई।

मील के पत्थर

एफडीडीआई, हैदराबाद और टीएसएलआईसीसी के बीच संस्थागत सहयोग

एफडीडीआई, हैदराबाद और तेलंगाना राज्य चमड़ा उद्योग संवर्धन निगम लिमिटेड (टीएसएलआईसीसी)- तेलंगाना में चमड़ा एवं संबंधित उद्योगों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित एक सरकारी उपक्रम ने 19मार्च 2024 को संस्थागत सहयोग में प्रवेश किया है।

समझौते के आदान-प्रदान का एक दृश्य

यह संस्थागत सहयोग जो कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एक सहयोगी ढांचे के रूप में कार्य करता है, का उद्देश्य परामर्श, डिजाइन, अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे विभिन्न प्रयासों को सुविधाजनक बनाना है। संस्थागत सहयोग के भीतर, एफडीडीआई हैदराबाद को दोनों पक्षों द्वारा पहचानी गई विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार अनुसंधान तथा परामर्श परियोजनाओं का संचालन करने का काम सौंपा गया है। इन परियोजनाओं को फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग और संबंधित क्षेत्रों के भीतर पहलुओं की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करने के लिए तैयार किया गया है, जिसमें नवाचार, डिजाइन, तकनीकी प्रगति और बाजार विश्लेषण शामिल हैं।

एफडीडीआई हैदराबाद की ओर से, डॉ. तेज लोहित रेड्डी, आईएएस, कार्यकारी निदेशक ने समझौते पर हस्ताक्षर किए, जबकि टीएसएलआईसीसी के उपाध्यक्ष श्री श्रीनिवास नाइक ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम में एफडीडीआई के विभिन्न स्कूलों के अन्य एचओडी के साथ-साथ टीएसएलपीसी के महाप्रबंधक और उप निदेशक ने भाग लिया।

एफडीडीआई, भारत और एलएफएमईएबी, बांग्लादेश के बीच संस्थागत सहयोग

एफडीडीआई, भारत और लेदर गुड्स एंड फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश (एलएफएमईएबी) ने 18 मार्च 2024 को संस्थागत सहयोग में प्रवेश किया है।

इस संस्थागत सहयोग का प्राथमिक उद्देश्य बांग्लादेश के फुटवियर ,चमड़े के सामान क्षेत्र में प्रशिक्षण और अन्य संबंधित सेवाओं के वितरण के लिए क्षमता तथा योग्यता तैयार करने, विकसित करने और निर्माण करने के माध्यम से एलएफएमईएबी की सहायता करना है।

बाएं से: मेजर मोहम्मद रफीकुल इस्लाम (सेवानिवृत्त), महासचिव, एलएफएमईएबी और कर्नल पंकज कुमार सिन्हा, सचिव/एमडी, एफडीडीआई समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए

समझौते का आदान-प्रदान

बांग्लादेश सरकार ने चमड़ा उद्योग की विकास क्षमता और निर्यात विविधीकरण और रोजगार सृजन में इसके योगदान के लिएसर्वोच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रो " में से एक के रूप में पहचान की है।

एफडीडीआई की ओर से, कर्नल पंकज कुमार सिन्हा, सचिव/प्रबंध निदेशक (एमडी) ने समझौते पर हस्ताक्षर किए, जबकि एलएफएमईएबी की ओर से, मेजर मोहम्मद रफीकुल इस्लाम (सेवानिवृत्त), महासचिव ने एक बैठक में समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो सम्मेलन हॉल, प्रशासनिक भवन, नोएडा में आयोजित की गई थी।

प्रशिक्षण एफडीडीआई, भारत द्वारा संस्थागत क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और बांग्लादेश चमड़े के फुटवियर तथा उत्पाद उद्योगों की दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए नवाचार के लिए प्रदान किया जाएगा।

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन, एफडीडीआई के संकाय को 'सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय शोधकर्ता पुरस्कार 2024 ' प्राप्त हुआ

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर के संकाय श्री प्रशांत कुमार सक्सेना को एशिया रिसर्च अवार्ड्स 2024 द्वारा प्रतिष्ठित 'सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय शोधकर्ता पुरस्कार 2024' से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मानित सम्मान श्री प्रशांत को 16 मार्च 2024 को त्रिची, तमिलनाडु में आयोजित विश्व स्तर पर प्रशंसित कार्यक्रम इंटरनेशनल कांग्रेस फॉर रिसर्च एक्सीलेंस (आईसीआरई 2024) के दौरान प्रदान किया गया, इस समारोह के दौरान तुर्की, जापान, ग्रीस, मैक्सिको, नॉर्वे, अंगोला, श्रीलंका, बांग्लादेश सहित विभिन्न देशों की प्रतिष्ठित हस्तियां और मुख्य अतिथि उपस्थित थे।

एशिया इंटरनेशनल रिसर्च अवार्ड्स, अमेरिकन चैंबर ऑफ रिसर्च और इंटरनेशनल जर्नल फॉर साइंस, टेक्नोलॉजी एंड एकेडमिक रिसर्च, यूनाइटेड मेडिकल काउंसिल और वर्ल्ड रिसर्च काउंसिल सहित प्रसिद्ध संस्थानों द्वारा मान्यता प्राप्त है,

साथ ही टाइम्स ऑफ रिसर्च और क्रॉनिकल टाइम्स जैसे प्रमुख प्रकाशन, फुटवियर प्रौद्योगिकियों के अभिनव क्षेत्र में उत्कृष्टता का जश्न मनाते हैं।

श्री प्रशांत कुमार सक्सेना, एफडीडीआई को मुख्य अतिथियों द्वारा स्वर्ण पदक, प्रमाण पत्र, ट्रॉफी से पुरस्कृत किया गया

श्री प्रशांत कुमार सक्सेना को प्राप्त प्रमाणपत्र

श्री प्रशांत ने फुटवियर डिजाइन एवं उत्पादन में उल्लेखनीय उपलब्धियों ने उन्हें 17 अंतर्राष्ट्रीय पत्रों तथा 02 डिजाइन पेटेंट के साथ इस तरह के अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने वाले पहले भारतीयों में रखा है क्योंकि श्रेणी के लिए चयन अभिनव क्षेत्रों में किए गए शोध कार्यों के गुणवत्ता मैट्रिक्स के वेटेज पर आधारित था।

श्री प्रशांत ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और एफडीडीआई में किए गए अभूतपूर्व शोध कार्य पर प्रकाश डाला। उनकी प्रस्तुति 'द फ्यूचर ऑफ फुटवियर: एक्सप्लोरिंग द ट्रांसफॉर्मेटिव पोटेंशियल' नामक अग्रणी अध्ययन पर केंद्रित थी।

यह शोध फुटवियर उद्योग पर3 डी प्रिंटिंग तकनीक के क्रांतिकारी प्रभाव में गहराई से उतरता है। उनका काम 3 डी प्रिंटिंग द्वारा पेश की जाने वाली अनुकूलन क्षमताओं की शोध करता है, जिससे व्यक्तिगत प्राथमिकताओं एवं विशिष्टताओं के अनुरूप व्यक्तिगत जूते का निर्माण सक्षम होता है। इस तरह के अनुकूलन न केवल आराम और प्रदर्शन को बढ़ाता है, बल्कि व्यक्तिगत अभिव्यक्ति और शैली के साथ-साथ पैर की असामान्यताओं में आवश्यक विशेष आवश्यकता और चिकित्सा सहायता के लिए भी बढ़ावा देता है।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के छात्रों ने आईआईआईटी हैदराबाद के इंटरकनेक्ट आर एंड डी शोकेस का दौरा किया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के छात्रों ने 16 मार्च, 2024 को, आईआईआईटी, हैदराबाद द्वारा आयोजित आर एंड डी शोकेस का दौरा किया।

इस वर्ष का प्रदर्शन "इंटरकनेक्ट" थीम के इर्द-गिर्द घूमता है, जो एल्गोरिदम, नैतिकता एवं समाज के बीच जटिल संबंधों की खोज करता है। आईआईआईटीएस के 28 अनुसंधान केंद्रों से तैयार किए गए 300 से अधिक अनुसंधान पोस्टर,

डेमो तथा मॉडल की विशेषता के साथ, इस कार्यक्रम में अत्याधुनिक अनुसंधान पर विविध दृष्टिकोण, संगम और प्रतिबिंब शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, शोकेस सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीआईई) के माध्यम से नवीन अनुसंधान स्टार्टअप के चयन पर प्रकाश डालता है।

आईआईआईटी हैदराबाद में छात्र

आईआईआईटी हैदराबाद के इंटरकनेक्ट आरएंडडी शोकेस को देखते हुए छात्र

इस दौरे ने उपस्थित लोगों को संकाय एवं छात्रों के साथ सीधे जुड़ने, लाइव प्रदर्शनों, प्रोटोटाइप और प्रस्तुतियों के माध्यम से उनके अनुसंधान प्रयासों में जानकारी प्राप्त करने के लिए एक विशिष्ट मंच प्रदान किया।

एफडीडीआई ने आईआईएम-सीआईपी द्वारा आयोजित व्यावहारिक सत्र और पैनल चर्चा में भाग लिया

एफडीडीआई ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के तत्वावधान में भारतीय प्रबंधन संस्थान-कोलकत्ता इनोवेशन पार्क (आईआईएम-सीआईपी) द्वारा आयोजित 'स्टार्टअप को बढ़ाने के लिए रणनीति एवं दृष्टिकोण' विषय पर एक व्यावहारिक सत्र और पैनल चर्चा में भाग लिया।

बिहार, उद्योग विभाग, बिहार सरकार इस महत्वपूर्ण नेटवर्किंग कार्यक्रम के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र भागीदार के रूप में आईआईएम-सीआईपी के साथ जुड़ा हुआ है।

पैनल चर्चा जारी

गणमान्य व्यक्ति अपने विचार साझा करते हुए

सत्र के दौरान, पैनलिस्टों ने रणनीति कार्यान्वयन, एक ऐसी मानसिकता विकसित करने की आवश्यकता पर जानकारी साझा की जो तेजी से विकास के लिए मंच तैयार करती है, शुरुआती वर्षों में स्टार्टअप को क्या बनाता या तोड़ता है, आवश्यक सहायता और विचारों को साझा करना, प्रगति की निगरानी करना आदि।

15 मार्च 2024 को मौर्य लोक, पटना में आयोजित इस व्यावहारिक सत्र में कर्नल अभय कुमार (सेवानिवृत्त), सलाहकार, एफडीडीआई - व्यवसाय विकास एवं संवर्धन और श्री संजीव मिश्रा, केंद्र प्रभारी - एफडीडीआई, पटना परिसर ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के दौरान एफडीडीआई, छिंदवाड़ा के कर्मचारियों को सम्मानित किया गया

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर की एक कर्मचारी श्रीमती पूजा राजपूत को 14 मार्च 2024 को आधार फाउंडेशन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के दौरान सम्मानित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के दौरान, आधार फाउंडेशन, छिंदवाड़ा ने समाज के उत्थान के लिए छिंदवाड़ा में विभिन्न क्षेत्रों/सेक्टर में काम करने वाली विभिन्न प्रतिष्ठित महिलाओं को आमंत्रित किया।

श्रीमती पूजा राजपूत को समाज के वंचित वर्ग में करियर के प्रति शैक्षिक जागरूकता एवं सामाजिक मार्गदर्शन में उनके योगदान के लिए छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. लीला भलावी द्वारा सम्मानित किया गया।

बाएं से: एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर की श्रीमतीपूजा राजपूत को छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. लीला भलावी, सम्मानित करते हुए

श्रीमतीपूजा राजपूत को दिया गया प्रमाण पत्र

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में 'विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम' का आयोजन किया गया

राष्ट्रीय एससी-एसटी हब, लुधियाना के सहयोग से 12 मार्च, 2024 को एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बनूर) परिसर में एक 'विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम' (एसवीडीपी) का आयोजन किया गया।

स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (पीएससीएस एंड टी) ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया तथा एमएसएमई के तकनीकी उन्नयन में मदद के लिए आश्वासन दिया।

एसवीडीपी के आयोजन का उद्देश्य पंजाब राज्य के फुटवियर निर्माताओं की एमएसएमई इकाइयों के संभावित एससी/एसटी आपूर्तिकर्ताओं के लिए संबंधित आपूर्ति श्रृंखलाओं का हिस्सा बनने के लिए नामांकन करने और फुटवियर निर्माताओं की एमएसएमई इकाइयों की कौशल क्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए एक मंच बनाना था।

सुश्री नवदीप कौर, परियोजना प्रबंधक, पीएससीएस एंड टी एसवीडीपी के बारे में बताते हुए

फुटवियर निर्माताओं द्वारा प्रदर्शन का एक दृश्य

सुश्री नवदीप कौर, प्रोजेक्ट मैनेजर, पंजाब स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने अपने सहयोगी सुश्री अंशुल के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में नेशनल एससी एसटी हब, लुधियाना के शाखा प्रबंधक विशाल भटनागर, रिलैक्सो लिमिटेड के पुनीत और मैग्नम फुटवियर के मालिक शैलेश वार्ष्णेय ने भाग लिया।

कुछ फुटवियर व्यापारियों, कंपनियों तथा खुदरा विक्रेताओं ने भी अपने उत्पादों के विपणन में मदद करने के लिए फुटवियर निर्माताओं से जुड़ने के उद्देश्य से कार्यक्रम में भाग लिया।

लुधियाना के लगभग पचास छोटे पैमाने के फुटवियर निर्माताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया।

एफडीडीआई, जोधपुर के छात्रों के लिए गुड़ा बिश्नोई और कांकाणी गांव समूहों का शैक्षिक भ्रमण

शैक्षिक भ्रमण के तहत, एफडीडीआई, जोधपुर परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के छात्रों को 9 मार्च 2024 को गुडा बिश्नोई और कांकनी गांव समूहों में ले जाया गया जो अपनी स्थायी जीवन शैली, पारंपरिक बुनाई और प्राकृतिक रंगाई एवं छपाई तकनीकों के लिए प्रसिद्ध हैं।

इसका उद्देश्य 'लीक से हटकर' सोच दृष्टिकोण को विकसित करना और छात्रों की रचनात्मक क्षमता को बढ़ाना था।

गुड़ा बिश्नोई गांव में, छात्रों ने एक प्रसिद्ध कारीगर श्री मोहम्मद हसाम से दुनिया की सबसे मजबूत एवं प्रसिद्ध पंजा दारी बुनाई तकनीक के बारे में सीखा। पंजा दारी का उपयोग अब जीवन शैली के सामान जैसे बैग, असबाब और अन्य आंतरिक उत्पादों को बनाने में भी किया जा रहा है।

पंजा दारी की बुनाई तकनीक सीखते तथा घर की सजावट का उत्पाद देखते छात्र

इसके अलावा, छात्रों ने एक मास्टर कारीगर श्री हैदर अली से विश्व प्रसिद्ध बगरू डाइंग के बारे में सीखा। बगरू डाइंग 100% प्राकृतिक प्रतिरोध रंग एवं छपाई तकनीक है जिसका उपयोग विभिन्न प्रकार के घरेलू लिनन और परिधान सामग्री बनाने में किया जाता है।

एफडीडीआई ने दिल्ली इंटरनेशनल लेदर एक्सपो (डिलेक्स) के 05वें संस्करण में भाग लिया

एफडीडीआई ने दिल्ली इंटरनेशनल लेदर एक्सपो (डिलेक्स) के 05वें संस्करण -रिवर्स बायर सेलर मीट में भाग लिया, जो 04 से 05 मार्च 2024 तक इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसीसी), द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

उद्घाटन समारोह में भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के वरिष्ठ अधिकारी, चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के पदाधिकारी, उद्योगपति, विभिन्न दूतावासों के गणमान्य व्यक्ति, विभिन्न देशों के खरीदार, प्रेस और मीडिया उपस्थित थे।

एफडीडीआई के स्टॉल पर गणमान्य व्यक्ति

डिलेक्स के दौरान, एफडीडीआई के छात्रों ने अपने स्टॉल पर कृतियों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की, जिसमें महिलाओं और पुरुषों के फुटवियर, फॉर्मल एवं कैजुएल फुटवियर एवं स्पोर्टस फुटवियर, फैशन के सामान, चमड़े के सामान -ट्रैवलवेयर, बेल्ट, पोर्टफोलियो, हैंडबैग और वॉलेट शामिल थे।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में 'स्पोर्ट फुटवियर डिजाइनिंग' पर कार्यशाला आयोजित की गई

डिजाइनिंग कौशल को निखारने एवं स्पोर्ट्स फुटवियर डिजाइन की दुनिया में गहराई से उतरने का अवसर प्रदान करने के लिए, स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के छात्रों के लिए 04 मार्च, 2024 को एफडीडीआई, रोहतक परिसर में एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

श्री मिलिंद गौतम, महाप्रबंधक - विकास और डिजाइनिंग, एब्रोस तिरुपति, मानेसर, गुड़गांव और श्री तमाल बागची, विकास प्रमुख, वोमैक्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, उद्योग नगर, नई दिल्ली उद्योग के विशेषज्ञ थे जिन्होंने कार्यशाला का संचालन किया और स्पोर्ट्स फुटवियर डिजाइनिंग के सौंदर्य और कार्यात्मक पहलुओं के बारे में गहन ज्ञान प्रदान किया।

'स्पोर्ट फुटवियर डिजाइनिंग' पर कार्यशाला में भाग लेते छात्र

कार्यशाला के दौरान, उन्होंने नवीनतम स्पोर्ट फुटवियर डिजाइनिंग तकनीकों, मास्किंग और मानक विकास और पैटर्न इंजीनियरिंग के बारे में जानकारी दी।

कार्यशालाओं ने छात्रों को फुटवियर डिजाइन तकनीकों, सामग्रियों और निर्माण विधियों में अपने कौशल को विकसित करने या बढ़ाने के लिए व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया। छात्रों ने फुटवियर उद्योग के भीतर नवीनतम रुझानों, प्रौद्योगिकियों और सर्वोत्तम प्रथाओं में मूल्यवान जानकारी ग्रहण की।

हीरो होंडा कंपनी द्वारा आयोजित फैशन शो में एफडीडीआई, रोहतक के छात्रों ने भाग लिया

01 मार्च 2024 को, श्री अमित सैन एचओडी फैशन डिजाइन तथा श्री अनिल कुमार, संकाय-एफडी, ने 12 छात्रों की टीम के साथ भाग लिया और हीरो होंडा कंपनी के स्वामित्व वाले- बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम में आयोजित एक फैशन शो कार्यक्रम में अपना संग्रह प्रस्तुत किया।

फैशन शो के दौरान एफडीडीआई रोहतक के छात्र अपने संकाय के साथ

छात्रों ने 'श्रृंगार' थीम पर अपना संग्रह प्रस्तुत किया जो सुंदरता एवं परंपरा के उत्सव पर आधारित था, और रनवे एक प्रेम कहानी की तरह सामने आता है, जहां हर परिधान आकर्षण और अनुग्रह की कहानियों को फुसफुसाता है।

श्रृंगार की कालातीत अवधारणा से प्रेरित, संग्रह अलंकरण की कला को श्रद्धांजलि देता है, जहां हर विवरण स्त्रीत्व के चित्र में एक ब्रशस्ट्रोक है।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में आयोजित 'एफडीडीआई-सीएलई-ईसीजीसी-सीआईएफआई-आईएफसीओएमए' सम्मेलन का संगम

उद्योगों के दूरदर्शी लोगों की एक अद्वितीय सभा 29 फरवरी 2024 को एफडीडीआई-सीएलई-ईसीजीसी-सीआईएफआई-आईएफसीओएमए सम्मेलन के संगम के दौरान सामने आई, जिसने एफडीडीआई, नोएडा परिसर में नवाचार तथा सहयोग को प्रज्वलित किया।

ईसीजीसी तथा सीएलई के अधिकारी अपने विचार साझा कर करते हुए

इस कार्यक्रम में डीपीआईआईटी सीएलई, ईसीजीसी, सीआईएफआई, आईएफसीओएमए,उद्योग प्रतिनिधियों, कर्मचारियों और एफडीडीआई के अधिकारियों एवं छात्रों ने भाग लिया।

इस अवसर पर, सत्र आयोजित किए गए जो घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लेदर, नॉन-लेदर एवं फुटवियर डिजाइन, उत्पादन और विपणन से संबंधित विचारों के आदान-प्रदान पर विचार-विमर्श किया।

सम्मेलन का विचार विद्वानों, उद्योगपतियों को अपने अनुभवों, नए विचारों और दृष्टिकोणों को साझा करने के लिए एक आम मंच पर लाना और दर्शकों को चमड़े, गैर-चमड़े तथा फुटवियर के क्षेत्र में अधिक विकास और अनुसंधान की आवश्यकता को उजागर कराना था।

श्रोताओं का एक दृश्य

इस सम्मेलन ने साथियों के साथ नेटवर्क बनाने के अवसर के साथ, उद्योग जगत के अग्रणियों एवं विशेषज्ञों को निर्यात क्षमता के तालमेल और चमड़े, गैर-चमड़े तथा फुटवियर व्यवसायों के लिए ईसीजीसी समाधानों की खोज करने पर विचार-मंथन करने के लिए एक साथ लाया, जबकि इस क्षेत्र में एक संस्था के रूप में एफडीडीआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए

नोएडा, हैदराबाद और छिंदवाड़ा परिसरों के एमबीए'23 बैच के छात्रों के लिए 'युवा उद्यमियों के लिए वित्तीय योजना' एवं 'ई-कॉमर्स में यूआई' पर जानकारी प्रदान करने वाले ज्ञान से भरपूर सत्र आयोजित किए गए थे।

यह सत्र एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) द्वारा आयोजित किए गए थे, जिसके दौरान संस्थान तथा उद्योग के विशेषज्ञों ने अपनी विशेषज्ञता साझा की।

क्र.सं.	विषय	विशेषज्ञ विवरण	दिनांक
1	युवा उद्यमियों के लिए वित्तीय योजना	श्री राम मोहन एन, सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक (एआरएम), इंडियन बैंक	29 फरवरी, 2024
2	ई-कॉमर्स में यूआई	सुश्री तनुश्री नाथ, यूएसए की विश्व की अग्रणी स्टार्ट-अप बिल्ड में उत्पाद डिजाइनर	27 फरवरी, 2024

'युवा उद्यमियों के लिए वित्तीय योजना' पर सत्र के दौरान, श्री राम मोहन एन, (सेवानिवृत्त) मुख्य प्रबंधक, एसेट रिकवरी मैनेजमेंट (एआरएम), इंडियन बैंक ने उद्यमियों के लिए वित्तीय नियोजन की आवश्यकता और फर्म के लघु एवं दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए धन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वित्तीय पूर्वानुमान के महत्व के बारे में जानकारी दी।

श्री राम मोहन एन, सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक – एआरएम, इंडियन बैंक सत्र लेते हुए

सुश्री तनुश्री नाथ सत्र लेती हुई

'यूआई इन ई-कॉमर्स' पर सत्र के दौरान, सुश्री तनुश्री नाथ ने एक प्रभावी उपयोगकर्ता अनुभव (यूएक्स) के लिए एक कुशल यूजर इंटरफेस (यूआई) होने के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सभी प्रकार की मार्केटिंग में यूआई/यूएक्स के महत्व के और यह कैसे वेब और मोबाइल एप्लिकेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है के बारे में भी बताया।

एफडीडीआई ,रोहतक और छिंदवाड़ा के छात्रों ने 'भारत टेक्स-2024' का दौरा किया

एफडीडीआई, रोहतक और एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन के छात्रों ने 27 फरवरी 2024 को 'भारत टेक्स-2024' का दौरा किया जो नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

भारत टेक्स, भारत का सबसे बड़ा कपड़ा, घरेलू, हस्तशिल्प और फैशन मेला है जो 11 कपड़ा निर्यात संवर्धन परिषदों के एक संघ द्वारा आयोजित किया जा रहा है और कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित है।

एफडीडीआई, रोहतक के छात्र 'भारत टेक्स-2024' के दौरान अपने शिक्षकों के साथ

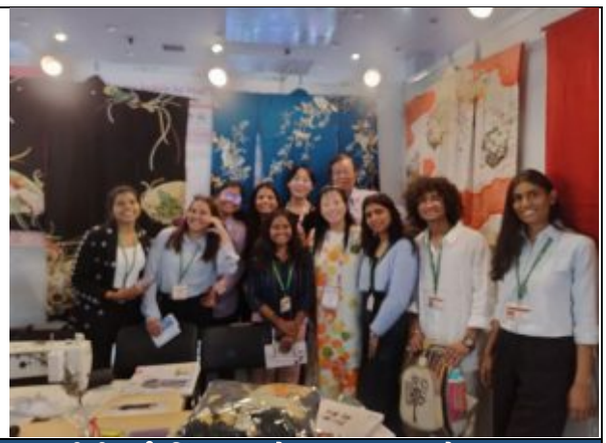

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा के छात्र 'भारत टेक्स-2024' के दौरान अपने शिक्षकों के साथ

एफडीडीआई, रोहतक परिसर के छात्र जो अपने संकाय श्री अमित सैन एचओडी फैशन डिजाइन और श्री अनिल कुमार के साथ तथा एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर के छात्र डॉ प्रदीप कुमार मंडल, एचओडी-एफडी, सुश्री श्रद्धा झालोया, संकाय-एफडी के साथ थे भारतीय वस्त्र उद्योग के क्षेत्र में जुड़ी पूर्ण मूल्य श्रृंखला के लिए अपने प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए मेले का पता लगाया और विभिन्न उद्योगों, इंपल्स बाइंग हाउस एवं मॉडलमा निर्यात आदि जैसे विभिन्न उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

यात्रा के दौरान, छात्रों ने मालिकों, महाप्रबंधकों, डिजाइनरों और उत्पादन टीम के साथ बातचीत की तथा उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया। छात्रों को पेशेवरों के साथ नेटवर्क बनाने, संबंधों को बढ़ावा देने का अवसर मिला जो संभावित रूप से छात्रों के लिए सहयोग, इंटर्नशिप और भविष्य के अवसरों को जन्म दे सकता था।

एमएसएमई के सहयोग से एफडीडीआई कोलकाता में 'उद्यमिता जागरूकता' कार्यक्रम पर कार्यशाला आयोजित की गई

छात्रों को व्यवसाय शुरू करने में अपने उद्यमी विकास कौशल को समृद्ध करने के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से, 22 फरवरी 2024 को मेरे एमएसएमई डीएफओ, कोलकाता के सहयोग से एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 'उद्यमिता जागरूकता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

कार्यक्रम की शुरुआत उद्घाटन सत्र के साथ हुई, जिसमें मुख्य अतिथि श्री सीतानाथ मुखर्जी, सहायक निदेशक एमएसएमई डीएफओ ने भाग लिया।

श्री सीतानाथ मुखर्जी, सहायक निदेशक, एमएसएमई–डीएफओ छात्रों को जानकारी देते हुए

तितलिया फैशन से सुश्री आशा सरकार भाषण देती हुई

श्री सीतानाथ मुखर्जी ने एमएसएमई के माध्यम से पूरे देश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम स्तर के उद्योगों के संवर्धन एवं विकास के लिए भारत सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने एक नए उद्यमी के लिए विभिन्न योजनाओं, भौगोलिक स्थानों, ऋण, संपार्श्विक, व्यापार लाइसेंस, टीडीएस आदि के बारे में बताया।

सुश्री आशा सरकार, तितलिया फैशन प्राइवेट लिमिटेड़ कोलकाता की मालिक ने एक उद्यमी के रूप में अपनी प्रेरक यात्रा के व्यावसायिक अनुभवों को साझा किया, जिन्होंने एमएसएमई, कोलकाता के माध्यम से अपनी वस्त्र निर्माण इकाई शुरू की। उन्होंने एमएसएमई योजनाओं की सुविधाओं और कार्यों के बारे में भी जानकारी दी तथा छात्र ने जागरूकता कार्यक्रम से अपने ज्ञान को समृद्ध किया।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों के लिए 'फैब्रिक डाइंग एंड प्रिंटिंग' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

एफडीडीआई - हैदराबाद परिसर में बी.डेस फैशन डिज़ाइन (एफडी) के छात्रों के2022 समूह ने कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सुगम "फैब्रिक कलात्मकता एवं संवर्धन तकनीक" विषय के अंतर्गत 'फैब्रिक डाइंग एंड प्रिंटिंग' पर केंद्रित 15-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।

प्रशिक्षण के दौरान, छात्रों ने कपड़े रंगाई तकनीकों जैसे टाई और डाई, बाटिक रंगाई, साथ ही ब्लॉक प्रिंटिंग और खादी पेस्ट प्रिंटिंग सहित छपाई विधियों में व्यावहारिक, प्रयोगात्मक अनुभव प्राप्त किया।

एफडी बैच के छात्र

अपनी रचनात्मकता के साथ छात्र

05 से 24 फरवरी 2024 तक आयोजित सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम ने छात्रों को हर कपड़े को समझने तथा उसकी समृद्धि को बढ़ाने के लिए सही सामग्री, पैटर्न और सतह की सजावट चुनने में मदद की।

बीआईएस ओरिएंटेशन प्रोग्राम और एसडब्ल्यूसी एफडीडीआई ,हैदराबाद परिसर में आयोजित किया गया

उद्योग के अग्रणियों की अगली पीढ़ी का पोषण करने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, हैदराबाद ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद शाखा कार्यालय (एचवाईबीओ) के सहयोग से 22 फरवरी, 2024 को एक रोमांचक मानक लेखन प्रतियोगिता (एसडब्ल्यूसी) के साथ एक गतिशील ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम विचारों, विशेषज्ञता तथा उत्साह का एक मिश्रण साबित हुआ क्योंकि छात्रों ने उत्साह के साथ मानकों और नवाचार के दायरे में प्रवेश किया।

श्री एएनएसपी शास्त्री और सुश्री जयश्री कटारिया बीआईएस ओरिएंटेशन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे। श्री एएनएसपी शास्त्री बीआईएस के एक सेवानिवृत्त वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न मानक निर्माण एवं प्रमाणन समितियों के सदस्य के रूप में कार्य किया है और विश्व स्तर पर भारतीय मानकों का प्रतिनिधित्व किया है।

श्री एएनएसपी शास्त्री, मुख्य वक्ता प्रतिभागियों को बीआईएस मानकों के बारे में जानकारी देते हुए

एसडब्ल्यूसी का प्रमाण पत्र वितरण समारोह

सुश्री जयश्री कटारिया अक्टूबर 2023 से बीआईएस हैदराबाद शाखा कार्यालय में मानक संवर्धन सलाहकार के रूप में काम कर रही हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के एसआरजीआई झांसी से एमबीए किया।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान, श्री एएनएसपी शास्त्री ने गुणवत्ता, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने में बीआईएस मानकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। छात्रों को नए मानकों को विस्तार से लिखने का तरीका दिखाया।

एफडीडीआई ,चेन्नई के छात्र टेक्सफैश' 24 में चमके

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन के बी.डेस के छात्रों ने 20 फरवरी 2024 को, इंटरकॉलेजिएट टेक्सफैश '24 में अपनी रचनात्मकता और नवीनता का प्रदर्शन किया और प्रतिष्ठित विजेता पुरस्कार जीता।

टेक्सफैश'24 की मेजबानी बन्नारीअम्मन इंस्टीट्य ूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सत्यमंगलम, इरोड, तमिलनाडु के फैशन टेक्नोलॉजी और टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा की गई ,थी जिसके दौरान पेपर प्रेजेंटेशन, प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन, टेक्निकल क्विज, फैब्रिक पेंटिंग, फैशन इलस्ट्रेशन, ड्रेपिंग, फैशन शो और ट्रेंड हंट आयोजित किए गए थे।

सुश्री चंद्रिका और उनकी टीम जिसमें सुश्री मफ्रीना, सुश्री मनसा, श्री रितिक, सुश्री अमृतकला, सुश्री थेरेसा, श्री गंगाधरन, सुश्री तनिष्का सोलंकी, सुश्री दर्शिता और सुश्री इवांजालिन शामिल थीं, ने अपना संग्रह प्रस्तुत किया तथा फैशन शो में उत्कृष्टता की एक अमिट छाप छोड़ते हुए विजयी हुई।

संग्रह क्रिसलिस (कोकून) चरण से एक तितली (पतंगे) तक कायापलट से प्रेरित था। यह परिवर्तन की यात्रा का प्रतीक है, जहां व्यक्ति एक सुंदर और विकसित प्राणी के रूप में उभरने के लिए गहन परिवर्तन से गुजरता है। कपड़ों में भविष्य के रंग और बनावट थे, जो 2025 के वसंत और गर्मियों के मौसम के रुझानों को दर्शाते हैं।

सुश्री चंद्रिका और उनकी टीम

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के छात्र अपना संग्रह प्रस्तुत करते हुए

डेकाथलॉन के सहयोग से एफडीडीआई हैदराबाद परिसर द्वारा आयोजित 'मूव पीपल थ्रू वंडर्स ऑफ स्पोर्ट्स' पर संगोष्ठी

20 फरवरी 2024 को, डेकाथलॉन के सहयोग से एफडीडीआई, हैदराबाद कैंपस में स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) द्वारा 'मूव पीपल थ्रू वंडर्स ऑफ़ स्पोर्ट्स' विषय पर एक इंटरैक्टिव सेमिनार का आयोजन किया गया था।

सुश्री जी. भावना, रिक्रूटमेंट रेफरेंट मैनेजर (डेकाथलॉन, हैदराबाद) एवं सुश्री श्रीवल्ली, स्पोर्ट लीड सेमिनार के प्रमुख वक्ता थे, जिन्होंने दशकों से डेकाथलॉन के मूल मूल्यों, शानदार इतिहास और परिवर्तनकारी यात्रा में अपनी अंतर्दृष्टि के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने खेल के सामान उद्योग में डेकाथलॉन की महत्वपूर्ण उपस्थिति और प्रभाव और दुनिया भर में खेल क्षेत्र में उनके सराहनीय योगदान पर प्रकाश डाला।

श्री श्रीवल्ली, डेकाथलॉन में स्पोर्ट्स लीड प्रस्तुति देते हुए

प्रतिभागियों का दृश्य

उपस्थित लोगों को डेकाथलॉन में फुटवियर एवं रिटेल क्षेत्रों के महत्व, कीमतों पर गुणवत्ता जैसी रणनीतियों के साथ-साथ संगठन के भीतर रोमांचक नौकरी के अवसरों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने जोर दिया कि नियमित खेल खेलने से व्यक्ति में बल एवं तनाव कम होता है।

सेमिनार का समापन डेकाथलॉन कर्मचारियों के प्रत्यक्ष विवरण वाले वृत्तचित्र वीडियो की स्क्रीनिंग के साथ हुआ, जो कंपनी के भीतर उनके पुरस्कृत अनुभवों की एक झलक पेश करता है। इसने उपस्थित लोगों को स्पष्टीकरण मांगने और डेकाथलॉन के लोकाचार एवं संचालन के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने का अवसर भी प्रदान किया।

एफडीडीआई, अंकलेश्वर के छात्रों ने प्लेटिनम टेनरी का दौरा किया

एफडीडीआई अंकलेश्वर परिसर के बी.डीईएस फाउंडेशन बैच के छात्रों ने 17 फरवरी 2024 को प्लेटिनम टेनरी, अंकलेश्वर का दौरा किया, जिसने चमड़े के उत्पादन की जटिल प्रक्रिया में अद्वितीय जानकारी प्रदान की।

प्लैटिनम टेनरी, जो क्रोम, वनस्पति और सेमी-क्रोम टैन्ड उत्तम गुणवत्ता वाले चमड़े में अपनी विशेषज्ञता के लिए जानी जाती है, छात्रों के लिए टैनिंग प्रक्रिया की बारीकियों को समझने के लिए एक आदर्श स्थान था।

यात्रा के दौरान, छात्रों को टेनरी के तकनीकी विशेषज्ञ द्वारा चमड़े के प्रसंस्करण और उत्पादन में शामिल विभिन्न चरणों की प्रयोगात्मक समझ प्रदान की गई।

प्लेटिनम टेनरी में एफडीडीआई के छात्र

टेनरी के तकनीकी विशेषज्ञ द्वारा छात्रों को जानकारी देते हुए

अपने संकाय श्री राजेश पाराशर के साथ आए छात्रों ने पूरी प्रक्रिया देखी और चमड़े के उत्पादन में आवश्यक भिगोने, बालों को हटाने, मांस निकालने, विभाजित करने, रंगाई और परिष्करण जैसी प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।

निफ्ट, बेंगलुरु में चौथी कोर प्रोफेशनल मीट के दौरान एफडीडीआई का प्रतिनिधित्व

16 फरवरी 2024 को एनआईएफटी, बेंगलुरु में आयोजित चौथी कोर प्रोफेशनल मीट ने कन्वर्जेंस ग्रुप के शीर्ष पांच संस्थानों अर्थात् एफडीडीआई, एनआईडी, आईआईएफटी, आईआईपी और एनआईएफटी के पूर्व छात्रों को एक साथ लाया।

यह कार्यक्रम माननीय वाणिज्य एवं उद्योग, कपड़ा, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री, श्री पीयूष गोयल द्वारा शुरू की गई एक दूरदर्शी पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, जिसका उद्देश्य एक मजबूत उद्योग-शैक्षणिक इंटरफ़ेस को बढ़ावा देना था।

एफडीडीआई के, श्री प्रशांत कुमार सक्सेना, ने एफडीडीआई मूल मूल्यों को प्रस्तुत करते हुए

सुश्री तनु कश्यप, आईएएस, डीजी- एनआईएफटी एफडीडीआई अधिकारियों और पूर्व छात्रों के साथ

इस अवसर की मुख्य अतिथि सुश्री तनु कश्यप, आईएएस, महानिदेशक (डीजी), कपड़ा मंत्रालय, निफ्ट थीं। शीर्ष अग्रणी पंच (5 संस्थानों) का प्रतिनिधित्व करने वाले अन्य गणमान्य व्यक्तियों में प्रोफेसर डॉ नीति चटनानी- आईआईएफटी, प्रो डॉ निलय, उप निदेशक, आईआईपी, श्री प्रशांत कुमार सक्सेना, प्रमुख – एफडीपी, एफडीडीआई, प्रो विभा कुमार – एनआईएफटी और प्रोफेसर जोनाली बाजपेयी – प्रमुख उद्योग और पूर्व छात्र मामले, एनआईएफटी शामिल थे।

उद्योग, मेहमान, आईआईएफटी/एफडीडीआई/एनआईडी/आईआईपी/एनआईएफटी के पूर्व छात्र चौथी कोर प्रोफेशनल मीट में भाग लेते हुए

एफडीडीआई का प्रतिनिधित्व करने वाले श्री प्रशांत ने एफडीडीआई के मूल मूल्यों एवं शक्तियों का एक व्यावहारिक अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने उत्तर से दक्षिण भारत तक फैले एफडीडीआई की अखिल भारतीय उपस्थिति पर जोर दिया, और उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) तथा अनुसंधान केंद्रों के लिए संस्थान के विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रबंध निदेशक एफडीडीआई के दूरदर्शी दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया, जिसमें नियमित कार्यक्रमों और आईएनआई, टॉक शो और संस्थापक दिवस जैसी बैठकों के माध्यम से पूर्व छात्रों को सीधे जोड़ने में स्थायी संबंधो को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया गया।

चर्चा के दौरान अन्य चार संस्थानों, एनआईडी, आईआईएफटी, एनआईएफटी और आईआईपी के व्यापक अवलोकन भी उनके संबंधित प्रतिनिधियों द्वारा प्रदान किए गए। प्रत्येक संस्थान की सामूहिक ताकत एवं अद्वितीय विशेषताओं का प्रदर्शन किया गया, जिससे अभिसरण समूह के भीतर विविध प्रतिभाओं और क्षमताओं की एक समग्र तस्वीर बनाई गई।

एफडीडीआई, नोएडा और रोहतक के छात्रों ने '37वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला' का दौरा किया

एफडीडीआई, नोएडा और रोहतक परिसर के छात्रों ने 37वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला (एसआईसीएफ) का दौरा किया, जो 2 से 18 फरवरी, 2024 तक फरीदाबाद, हरियाणा के सूरजकुंड में आयोजित किया गया था।

स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन, नोएडा और रोहतक परिसर के छात्रों ने 16 फरवरी, 2024 को एसआईसीएफ का दौरा किया, जिसने छात्रों को स्वदेशी कलात्मकता में प्रेरणा एवं जानकारी प्रदान की।

जटिल कढ़ाई से लेकर उत्कृष्ट हाथ से बुने हुए कपड़े, छपाई के लिए उपयोग किए जाने वाले लकड़ी के ब्लॉक, एसआईसीएफ के प्रत्येक स्टाल ने विभिन्न क्षेत्रों की अद्वितीय शिल्प कौशल और कलात्मक विरासत का प्रदर्शन किया।

एसआईसीएफ में एफडीडीआई के छात्र

एफडीडीआई के छात्र स्टॉल/मेले का दौरा करते हुए

छात्रों को कुशल कारीगरों एवं शिल्पकारों के साथ बातचीत करने का अनूठा अवसर मिला, प्रत्येक रचना के पीछे सावधानीपूर्वक तकनीकों और समय-सम्मानित परंपराओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्होंने ब्लॉक प्रिंटिंग, टाई-डाइंग और जटिल हाथ कढ़ाई में तल्लीन किया, प्रत्येक टुकड़े को तैयार करने में जाने वाली श्रम-गहन प्रक्रियाओं के लिए गहरी प्रशंसा प्राप्त की।

ये अनुभव निस्संदेह उनकी आगामी डिजाइन परियोजनाओं और संग्रहों के लिए प्रेरणा के स्रोत के रूप में काम करेंगे।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय को 'लेदर - वुड बर्ड टॉय' के लिए डिज़ाइन पेटेंट प्रदान किया गया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के डिजाइन संकाय श्री रामबाबू मुप्पीडी ने भारतीय पेटेंट कार्यालय, बौद्धिक संपदा भवन, कोलकाता, भारत को अपना अभिनव डिजाइन शीर्षक 'लेदर – वुड बर्ड टॉय' प्रस्तुत किया।

श्री रामबाबू मुप्पीडी, फैकल्टी, एलजीएडी, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर

डिजाइन कार्यः लेदर – वुड बर्ड टॉय'

डिजाइन का पंजीकरण का प्रमाण पत्र

लेदर-वुड बर्ड टॉय का डिज़ाइन लकड़ी के हस्तशिल्प पर उनके हस्तशिल्प अध्ययन पर आधारित है, जहां पाया गया कि सफेद लकड़ी का खिलौना शिल्प आंध्र प्रदेश के गोदावरी तटीय क्षेत्र में लकड़ी के सामान के लिए बहुत प्रसिद्ध है। चमड़े, लकड़ी, कपड़े और कागज़ों के साथ नवाचार करते हुए, उन्होंने अलग तरह से सोचा और स्केच, सीएडी और मैनुअल में अपना डिज़ाइन बनाया। विभिन्न सामग्रियों का अभिनव प्रयोग करते हुए उन्होंने खिलौने, कागज, लुगदी, पीओपी, डार्माकोल, लकड़ी, प्लास्टर ऑफ पेरिस, सूखी घास, नारियल, ऐक्रेलिक, कपड़ा, जूट आदि के बारे में विचार किया गया।

एफडीडीआई स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) के संकाय श्री रामबाबू के इस अभिनव डिजाइन को डिजाइन संख्या:401826- 001, कक्षा: 21-01 पंजीकरण तिथि 11.12.2023 के साथ शीर्षक के डिजाइन संरक्षण के लिए लागू किया गया है।

बाटा इंडिया लिमिटेड में एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों के लिए औद्योगिक दौरा

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के 2021 और 2022 बैच के 20 छात्रों का 8 फरवरी 2024 को बाटा इंडिया लिमिटेड में एक समूह के लिए एक औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया गया था।

छात्रों के समूह में श्री कैलाश चंद्र, संकाय, और श्री मुकेश राम, शिल्पकार, एफडीडीआई ने कोलकाता के बाटा नगर में स्थित संयंत्र का दौरा किया, जहां विभिन्न प्रकार के फुटवियर बनाए जाते हैं।

बाटा इंडिया लिमिटेड, कोलकाता में छात्र

छात्रों को विनिर्माण प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए

श्री भास्कर-मानव संसाधन कर्मियों ने संगठन के संपूर्ण कामकाज के बारे में जानकारी दी।

छात्रों को पीवीसी और ईवीए रबर कंपाउंडिंग, पीवीसी इंजेक्शन, पीयू पोरिंग, डीवीपी, प्रिंटिंग की विभिन्न विनिर्माण प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें फुटवियर के निर्माण में उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रकार की सामग्रियों और उनकी निर्माण प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई।

एफडीडीआई ने भारत मंडपम में 'यूथ फॉर क्वालिटी भारत फेस्ट' में भाग लिया

एफडीडीआई, ने 07 फरवरी 2024 को प्रगति, मैदान, नई दिल्ली में प्रतिष्ठित भारत मंडपम में 'यूथ फॉर क्वालिटी भारत फेस्ट' में भाग लिया।

भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी के अमृत काल से कर्तव्य काल में संक्रमण के दृष्टिकोण के अनुरूप, भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) ने गुणवत्ता भारत @ 100 मिशन की संकल्पना की है।

'यूथ फॉर क्वालिटी भारत फेस्ट' के दौरान एफडीडीआई के छात्र

यह मिशन भारत के विकास की कहानी पर ध्यान केंद्रित करता है, जो भारत के युवाओं को सशक्त बनाकर, उन्हें राष्ट्र की विकास कहानी में शामिल करके और गुणवत्ता-जागरूक जीवन को प्रोत्साहित करके वर्ष 2047 तक जीवन के सभी पहलुओं में गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करके विकसित बनने की आकांक्षा रखता है।

स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों के 3000 युवाओं की भागीदारी को आकर्षित करते हुए, यह कार्यक्रम राष्ट्रीय गुणवत्ता पखवाड़ा के समापन का प्रतीक है।

'यूथ फॉर क्वालिटी भारत फेस्टिवल 2024 को संबोधित करते हुए, माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, श्री पीयूष गोयल ने कहा कि जीवन के सभी पहलुओं में गुणवत्ता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रतिपादित 'जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट' सतत विकास के लिए आवश्यक है क्योंकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए गुणवत्तापूर्ण चेतना महत्वपूर्ण है।

एफडीडीआई के कर्मचारियों एवं छात्रों ने उत्सव में भाग लिया, जिसमें प्रेरणादायक वार्ताओं, लाइव प्रदर्शनों और यूथ फॉर क्वालिटी भारत मिशन वीडियो के लॉन्च की एक श्रृंखला शामिल थी, जो जीवन के सभी पहलुओं में गुणवत्ता के महत्व पर प्रकाश डालती है और कैसे युवा लोग भारत को एक बेहतर स्थान बनाने में भूमिका निभा सकते हैं।

एफडीडीआई ,जोधपुर परिसर द्वारा एनटीएच वैज्ञानिकों के लिए विशेष प्रशिक्षण

एफडीडीआई जोधपुर परिसर द्वारा एफडीडीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के सहयोग से भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग के राष्ट्रीय परीक्षण गृह (एनटीएच) के वैज्ञानिकों के लिए एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम 31 जनवरी से 2 फरवरी 2024 तक आयोजित किया गया था।

एनटीएच के वैज्ञानिकों एवं तकनीकी कर्मचारियों की 15 सदस्यीय टीम ने 'बेसिक फुटवियर टेस्टिंग' (भौतिक) पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसके दौरान एफडीडीआई के विशेषज्ञों ने फुटवियर के विभिन्न कंपोनेन्टों पर किए जाने वाले परीक्षणों के बारे में बताया।

'बुनियादी फुटवियर परीक्षण' (भौतिक) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक दृश्य

एफडीडीआई के अधिकारी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

प्रतिभागियों को एफडीडीआई के विशेषज्ञों द्वारा फुटवियर परीक्षण के बारे में बुनियादी जानकारी दी गई, ताकि वे आईएस-15298 मानकों के अनुसार फुटवियर के गुणवत्ता मूल्यांकन में अपनी दक्षता विकसित कर सकें।

वैज्ञानिक को प्रशिक्षण विधियों से अवगत कराया गया एवं सैम्पल प्रदर्शित किए गए। प्रशिक्षण में परीक्षण की आवश्यकता एवं परीक्षण करने की विधि के साथ-साथ सेट्टी शू पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान, वैज्ञानिक को फुट स्कैनिंग और चाल पहलू के बारे में भी समझाया गया।

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर के लिए तीसरा पुरस्कार

एफडीडीआई जोधपुर ने राजस्थान के सबसे बड़े पश्चिमी हस्तशिल्प उद्योग मेले में तीसरा स्थान हासिल किया जो लघु उद्योग भारती एवं जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) द्वारा 24 जनवरी से 04 फरवरी 2024 तक जोधपुर में आयोजित किया गया था।

मेले का उद्घाटन राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने किया ,जिन्होंने एफडीडीआई के स्टॉल का दौरा किया तथा छात्र के काम की सराहना की।

अटल पंडाल में इसके स्टॉल पर, छात्रों द्वारा बनाए गए विभिन्न फुटवियर एवं फैशन डिजाइन से संबंधित रचनात्मक वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया, जिसे आगंतुकों द्वारा बहुत सराहा गया।

एफडीडीआई के स्टॉल का एक दृश्य

एफडीडीआई जोधपुर परिसर को प्रमाण पत्र प्रदान किया

मेले के 12 दिनों के दौरान, लगभग 10,000 आगंतुकों ने एफडीडीआई स्टॉल का दौरा किया और प्रवेश और भविष्य के विस्तार के बारे में एफडीडीआई टीम के साथ बातचीत की।

सभी स्टालों का मूल्यांकन दृश्य प्रदर्शन एवं रचनात्मकता के आधार पर किया गया था, जिसके दौरान एफडीडीआई ने सरकारी क्षेत्र की श्रेणी में तीसरा स्थान हासिल किया।

एफडीडीआई नोएडा परिसर में 'कंठस्थ 2.0 - अनुवाद सारथी' पर हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई

संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में अपना आधिकारिक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, 31 जनवरी, 2024 को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'कंथस्थ 2.0 – अनुवाद सारथी' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

श्री ललित भूषण, सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी), गाजियाबाद मुख्य वक्ता थे जो राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रशिक्षण के लिए अधिकृत हैं।

वक्ता ने सभी प्रतिभागियों को कंथस्थ 2.0 – अनुवाद सारथी उपकरण से परिचित कराया और इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अनुवाद सरकारी कार्यों में एक समस्या है, जिसे हल करने के लिए राजभाषा विभाग और सी-डैक, पुणे ने कंठास्थ 2.0 – अनुवाद सारथी टूल विकसित किया है। यह स्मृति आधारित, उपयोगी और बिल्कुल मुफ्त है।

श्री ललित भूषण, 'कंठस्थ 2.0-अनुवाद सारथी' पर विस्तार से बताते हुए

प्रतिभागियों का एक दृश्य

इस टूल के जरिए अनुवाद के काम को आसान बनाया जा सकता है और कर्मचारी अपनी फाइल अपलोड करके अनुवाद कर सकते हैं।

नॉर्थम्प्टन विश्वविद्यालय, यूके के प्रतिनिधिमंडल ने एफडीडीआई, नोएडा परिसर का दौरा किया

सुश्री विकी डीन, कला संकाय (एलएफएफएस), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एस एंड टी), नॉर्थम्प्टन विश्वविद्यालय (यूओएन), यूनाइटेड किंगडम (यूके) से फैशन, चमड़ा और फाउंडेशन के प्रमुख ने श्री पुनीत मल्होत्रा, क्षेत्रीय निदेशक (आरडी), यूओएन, यूके के साथ 31 जनवरी 2024 को एफडीडीआई, नोएडा का दौरा किया।

बाएं से: सुश्री विकी डीन, एलएफएफएस, एस एंड टी, यूओएन, यूके, श्री पंकज कुमार सिन्हा, सचिव/एमडी, एफडीडीआई औरश्री पुनीत मल्होत्रा, आरडी, यूओएन, यूके

बैठक का दृश्य

इस यात्रा का उद्देश्य एफडीडीआई के साथ घनिष्ठ संबंध विकसित करना तथा संभावित सहयोग का पता लगाना है।

अपनी यात्रा के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने एफडीडीआई के सचिव/प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री पंकज कुमार सिन्हा से मुलाकात की और रुचि के संभावित सामान्य क्षेत्रों की खोज करने तथा दोनों संस्थानों के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंध बनाने पर विस्तृत चर्चा की।

एक बैठक के दौरान, संकाय विनिमय, छात्र विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों के बारे में चर्चा भी आयोजित की गई थी। सुश्री विक्की ने एफडीडीआई के छात्रों के समक्ष प्रस्तुति भी दी और विश्वविद्यालय और इसकी विभिन्न प्रवेश प्रक्रियाओं के बारे में बताया।

एफडीडीआई, चेन्नई द्वारा केएच एक्सपोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (फुटवियर डिवीजन) में उत्पादकता सुधार परामर्श प्रदान

एफडीडीआई, चेन्नई द्वारा वेल्लोर के सथुपेरी गांव में केएच एक्सपोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, (फुटवियर डिवीजन) की नई फुटवियर निर्माण इकाई में उत्पादकता सुधार परामर्श प्रदान किया गया।

केएच एक्सपोर्ट्स, रानीपेट एवं वेल्लोर जिले के चमड़े के बेल्ट का एक आंतरिक हिस्सा है, जिसे वर्ष 1947 में स्थापित किया गया था, और यह देश में चमड़े के फुटवियर ,चमड़े के सामान और फैशन दस्ताने बनाने में बेहद सफल व्यावसायिक उद्यम में से एक है।

सुधार परामर्श प्रदान करने वाले विशेषज्ञ

ऑपरेटरों का बैच

एफडीडीआई के विशेषज्ञों, श्री एसडी आनंद राज, वरिष्ठ प्रशिक्षक, श्री डी रमेश – सहायक संकाय, श्री दिनेश कुमार – वरिष्ठ संकाय और सेंटर इंचार्ज, श्री प्रिंस जोसेफ– वरिष्ठ संकाय एवं एचओडी -फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), और श्री विश्व कुमार– वरिष्ठ संकाय ने 15 दिनों के लिए एक प्रभावशाली परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया।

इस परामर्श कार्यक्रम के परिणामस्वरूप ऑपरेटरों के प्रभावी समय का अनुकूलन, कट कंपोनेन्टों के उत्पादन में 20% की वृद्धि एवं पुनर्विक्रय और रिजेक्सन में पर्याप्त कमी आई।

एफडीडीआई ,नोएडा के छात्रों के लिए आगरा में औद्योगिक यात्रा और सोर्सिंग अभियान

फुटवियर में विनिर्माण एवं खरीद प्रक्रियाओं के विभिन्न तरीकों को उजागर करने के उद्देश्य से एक व्यावहारिक सोर्सिंग अभियान के साथ एक सावधानीपूर्वक नियोजित औद्योगिक यात्रा 29 एवं 30 जनवरी 2024 को आयोजित की गई थी।

इस यात्रा के दौरान, स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के तीसरे वर्ष के छात्र, जो एफडीडीआई के संकाय के साथ थे, ने आगरा के अग्रणी निर्माता, खुदरा विक्रेता एवं निर्यातक डावर फुटवियर पी लिमिटेड का दौरा किया।

डावर फुटवियर प्राइवेट लिमिटेड, आगरा में छात्र

औद्योगिक दौरे का उद्देश्य व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करना, उद्योग संपर्क को बढ़ावा देना और वास्तविक दुनिया की सेटिंग में सोर्सिंग की गतिशीलता को उजागर करना था।

छात्रों के पास विभिन्न प्रक्रियाओं एवं परिचालन चुनौतियों का वास्तविक समय प्रदर्शन तथा समझ थी। वे फर्श प्रबंधकों, शिल्पकारों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ लगे, उनके ज्ञान एवं अनुभवों को अवशोषित करते हैं। संवाद और अवलोकन के माध्यम से, उन्होंने उत्पादन, वितरण और बाजार के रुझान की बारीकियों को डिकोड किया।

एफडीडीआई में आरटीआई अधिनियम, 2005 पर ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित

आरटीआई अधिनियम, 2005 के विभिन्न पहलुओं पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र 24जनवरी 2024 को आयोजित किया गया था, जिसमें एफडीडीआई परिसरों में लगभग 40 कर्मचारियों ने भाग लिया था, जिनमें सीपीआईओ, स्कूल के प्रमुख, विभागाध्यक्ष एवं प्रशासन, खरीद, प्लेसमेंट, वित्त, आईटी आदि सहित प्रबंधन के विभिन्न कार्यों में काम करने वाले अन्य प्रमुख कर्मी शामिल थे।

आईएसटीएम के पूर्व संकाय सदस्य श्री जितेंद्र भट्टी के नेतृत्व में तीन घंटे का सत्र बेहद जानकारीपूर्ण और व्यापक था।

श्री भट्टी ने सावधानीपूर्वक आरटीआई अधिनियम के सभी 31 वर्गों को कवर किया, सीपीआईओ/एपीआईओ की भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों को स्पष्ट किया, आरटीआई अधिनियम के तहत दी गई छूट पर चर्चा की और धारा 04 के तहत स्वतः प्रकटीकरण के महत्व पर जोर दिया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में प्रतिभागी

ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में भाग लेते अन्य परिसर

उन्होने आरटीआई-एमआईएस के बारे में भी बताया, जो आरटीआई अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन एवं निगरानी में सहायक है और प्रक्रियाओं में अनुपालन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

श्री भट्टी ने अपील प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से नेविगेट करने में मूल्यवान जानकारी प्रदान करने के अलावा, प्रथम अपीलीय प्राधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका के साथ-साथ अपील पर की जाने वाली प्रक्रियाओं और कार्यों के बारे में बताया।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में आयोजित उद्योग इंटरैक्टिव सत्र 'सोलेफुल क्राफ्ट्समैनशिप: हैंडमेड फुटवियर उत्कृष्टता पर एक संवाद'

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के छात्रों को 17 जनवरी, 2024 को एक उद्योग संवादात्मक सत्र, 'सोलेफुल क्राफ्ट्समैनशिप: ए डायलॉग ऑन हैंडमेड फुटवियर एक्सीलेंस' के माध्यम से एक शक्तिशाली एवं आकर्षक सीखने का अनुभव प्रदान किया गया।

सत्र के दौरान, ओब्लम शूज़ के संस्थापक श्री तरुण ओब्लम ने असाधारण हस्तनिर्मित फुटवियर तैयार करने की पेचीदगियों और हस्तनिर्मित फुटवियर की दुनिया की जानकारी साझा की।

श्री तरुण ओब्लम, ओब्लम बेस्पोक फुटवियर एवं सहायक उपकरण

एफडीपी के छात्रों के साथ इंटरैक्टिव सत्र का एक दृश्य

श्री तरुण ओब्लम की उद्यमशीलता की भावना भी चमक उठी क्योंकि उन्होंने अर्बन मोची को लॉन्च करने एवं लॉन्च करने में अपनी भूमिका पर चर्चा की, जो एक अनूठी पहल है जो लेदर की देखभाल एवं मरम्मत के लिए वन-स्टॉप समाधान के रूप में कार्य करती है, विशेष रूप से उच्च अंत वस्तुओं के लिए। गुणवत्ता और शिल्प कौशल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके अपने स्तर से परे फैली हुई है, जो लेदर एवं हस्तनिर्मित सामानों के व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान करती है।

श्री तरुण ओब्लम ने खुद को एक उच्च-ऊर्जा, रचनात्मक व्यक्ति के रूप में वर्णित करते हुए, अपने कुछ सबसे दिलचस्प विचारों को साझा किया जो उनका मानना है कि सफल व्यवसायों में विकसित हो सकते हैं। नवाचार के लिए उनका जुनून और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता पूरे सत्र में स्पष्ट थी, जिससे उपस्थित लोग प्रेरित और प्रोत्साहित हुए।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'संस्थापक दिवस' मनाया गया

एफडीडीआई ने अपने नोएडा परिसर में 14 जनवरी 2024 को, बड़े उत्साह एवं उल्लास के साथ 'संस्थापक दिवस' मनाया।

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उद्घाटन सत्र में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए

श्री पंकज कुमार सिन्हा, सचिव/एमडी-एफडीडीआई 'स्वागत भाषण' देते हुए

इस अवसर पर, श्री पंकज कुमार सिन्हा, सचिव/प्रबंध निदेशक (एमडी)-एफडीडीआई, डॉ. नरसिम्हुगारी तेज लोहित रेड्डी, आईएएस, कार्यकारी निदेशक (ईडी), एफडीडीआई हैदराबाद परिसर, श्री अनिल कुमार, एएफएचक्यूसीएस, कार्यकारी निदेशक (ईडी), एफडीडीआई, जोधपुर परिसर के कर्मचारी और एफडीडीआई के छात्र उपस्थित थे।

यह दिन एफडीडीआई की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि यह वर्ष 1986 में आज ही के दिन था जब श्री प्रेमनाथ सेठ को एफडीडीआई के पहले अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था।

(बाएं से) श्री अजय कुमार, आईआरएस (सेवानिवृत्त), पूर्व-सचिव, श्री आलोक सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व एमडी, कर्नल पंकज कुमार सिन्हा, सचिव/एमडी, श्री अरविंद रे, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व एमडी, श्री राजीव लखारा, आईआरएस (सेवानिवृत्त), पूर्व एमडी।

डीपीआईआईटी के उप सचिव राजीव कुमार जैन को सम्मानित करते हुए

पूर्व प्रबंध निदेशकों, पूर्व सचिव, पूर्व छात्रों और उद्योग के दिग्गजों को श्री पंकज कुमार सिन्हा एमडी-एफडीडीआई द्वारा संस्थान में उनकी दूरदर्शिता, अटूट प्रतिबद्धता और अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

एफडीडीआई के पूर्व प्रबंध निदेशक श्री अरविंद रे, आईएएस (सेवानिवृत्त), श्री आलोक सिन्हा, आईएएस (सेवानिवृत्त), श्री राजीव लखारा, आईआरएस (सेवानिवृत्त), एफडीडीआई के पूर्व सचिव श्री अजय कुमार, आईआरएस (सेवानिवृत्त), उप सचिव-डीपीआईआईटी, श्री राजीव कुमार जैन ने इस अवसर पर भाग लिया।

एफडीडीआई के उद्घाटन वैचारिक विज्ञापन के अनावरण का एक दृश्य

फुटवियर उद्योग को आकार देने में एफडीडीआई की भूमिका' वाली पत्रिका 'टेक्सटाइल बिजनेस डाइजेस्ट' का विमोचन करते हुए गणमान्य व्यक्ति

श्री मोतीलाल सेठी, सदस्य- एफडीडीआई गवर्निंग काउंसिल (जीसी) और अध्यक्ष, इंडियन लेदर गुड्स एसोसिएशन (आईएलजीए), श्री संजय गुप्ता, सदस्य- एफडीडीआई जीसी और अध्यक्ष, इंडियन फुटवियर कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएफसीओएमए), श्री धर्मेंद्र सिंह - बिजनेस हेड, गोपसन लेदर एंड फुटवियर प्राइवेट लिमिटेड, श्री सुमन नायक - मुख्य महाप्रबंधक, निप्पॉन ऑडियोट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, मोहम्मद यूनुस – प्रोपराइटर, ईस्ट वेस्ट टैनर्स, श्री योगेश मानकर, निदेशक 24 कलरकिक्स प्राइवेट लिमिटेड, श्री आरुष मेहता, बिजनेस हेड- केमिको

प्रोसेसिंग, श्री ऋषि चौधरी, संस्थापक-ऋतंभ, श्री संदीप प्रियदर्शी, सीनियर एसोसिएट -ईवाई, एशु गुप्ता, बीडीएम -एल्मो एक्सपोर्ट, राजवीर सिंह सीनियर मर्चेंडाइजर फ्लॉलेस बाइंग, श्री बिप्लब भट्टाचार्जी, सीनियर डिजाइनर -एसआर लेदर, श्री सिमरन राज, ई कॉम मैनेजर-नप्पाडोरी और अन्य पूर्व छात्र एवं उद्योग के दिग्गज भी उपस्थित थे।

'मेराकी' में गणमान्य लोगों को अपनी अवधारणा समझाते छात्र

इसके अलावा, एफडीडीआई के उद्घाटन वैचारिक विज्ञापन का अनावरण एफडीडीआई के सचिव/एमडी-एफडीडीआई और एफडीडीआई के पूर्व प्रबंध निदेशक श्री अरविंद रे, आईएएस (सेवानिवृत्त), श्री आलोक सिन्हा आईएएस (सेवानिवृत्त) द्वारा आकर्षक टैगलाइन "एम्पावरिंग ड्रीम्स, एम्पावरिंग पैशन" की विशेषता के साथ किया गया।

उत्सव का विषय 'जीवन का बीज: सृजन -प्रेरणा-विकास' था जो 'मेराकी' के साथ शुरू हुआ; एक मनोरम फैशन शो, जिसके बाद मधुर संगीत ने उत्सव में एक गतिशील स्पर्श जोड़ा, जिससे प्रतिभागियों में उत्साह पैदा हुआ।

छात्र द्वारा गीत का प्रदर्शन

जिस तरह 'जीवन का बीज' सृजन की परिणति और लगातार बढ़ती संभावनाओं दोनों को दर्शाता है, एफडीडीआई की स्थापना विविध पृष्ठभूमि के व्यक्तियों के विविध योगदानों की परिणति थी।

'मेराकी' के माध्यम से, फाउंडेशन बैच 2023- 2027 सेमेस्टर 1 डिजाइन प्रोजेक्ट 1 से एफडीडीआई के छात्रों ने हस्तनिर्मित शिल्प एवं जीवन शैली उत्पादों जैसे वस्त्र, फुटवियर, सामान, सजावट और बहुत कुछ के माध्यम से महत्वपूर्ण ऐतिहासिक युगों की अपनी खोजों एवं अन्वेषणों को प्रस्तुत किया, जो सफलतापूर्वक एफडीडीआई के विविध विभागों को एक साथ लाया।

छात्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन

लेदर गुड्स एवं सहायक उपकरण विभाग द्वारा फैशन शो का एक दृश्य

इस कार्यक्रम के दौरान, सांस्कृतिक प्रदर्शन और फैशन शो भी शामिल थे, जो पारंपरिक और समकालीन डिजाइनो के संलयन को उजागर करते थे, और भारत की समृद्ध संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित करते थे।

इसके अतिरिक्त, उत्सव में 'एफडीडीआई की शिक्षा: व्यावसायिक सफलता के लिए एक रोडमैप' विषय पर 'टॉक शो' शामिल था, इस दौरान, पैनलिस्ट ने एफडीडीआई द्वारा प्रदान की गई उद्यमशीलता शिक्षा में मूल्यवान जानकारी प्रदान की जो सफल उद्यमशीलता व्यवहार का कारण बनी जिसमें प्रमुख पूर्व छात्र / उद्योग विशेषज्ञ शामिल थे।

यह कार्यक्रम नाइन के नैनोटेक, एमबी रबर पी लिमिटेड, फुटवियर क्लिक (लांसर), डेरपा इंडस्ट्रीज, ईस्ट वेस्ट टैनर्स, सुपरहाउस लिमिटेड, एक्सओ फुटवियर, अल्पाइन अपैरल्स प्राइवेट लिमिटेड एएफपीएल ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड, टुडे फुटवियर प्राइवेट लिमिटेड सुपर हाउस लिमिटेड, सिब्रामा न्यूएज, केएच एक्सपोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सावी ग्लोबल फैशन, रहमान इंडस्ट्री लिमिटेड, हरमन सेल्स प्राइवेट लिमिटेड, कॉर्पोरेट इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड, एल्योर एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, पी एंड ओ इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, स्टार इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, एलिक्सिर, सिंह ग्राफिक्स, यूनिक, मिडिया सर्विस, निनेक्स नेनोटेक पी लिमिटेड, संध्या ऑफिस ऑटोमेशन, हिमालयन ट्रेडर्स, लैक्मे एकेडमी, रेनॉल्ड स्टेपकेयर, पंजाब एंड सिंध बैंक के द्वारा प्रयोजित किया गया था।

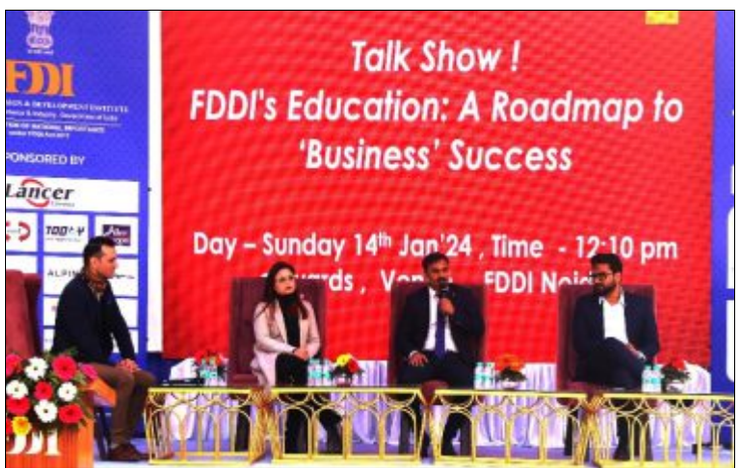

'टॉक शो' प्रगति पर

एफडीडीआई और केएसआईडीसी ने कालीकट में 'इन्वेस्टर कॉन्क्लेव 2024' का आयोजन किया

एफडीडीआई ने केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (केएसआईडीसी) के साथ मिलकर 13 जनवरी 2024 को कालीकट के रविज कदवु के चालियार हॉल में अपनी पहुंच का विस्तार करते हुए, 'इन्वेस्टर कॉन्क्लेव 2024' का आयोजन किया।

'इन्वेस्टर कॉन्क्लेव 2024', कालीकट में प्रतिभागी

'इन्वेस्टर कॉन्क्लेव 2024' के दौरान उद्योग जगत के प्रमुख दिग्गज, केरल के विकास और विकास पर चर्चा करने, विचार-विमर्श करने और बढ़ावा देने के लिए एकजुट हुए।

इस अवसर पर, श्री पी राजीव – माननीय उद्योग, कानून एवं जूट मंत्री, केरल सरकार, श्री एस हरिकिशोर, आईएएस, प्रबंध निदेशक (एमडी), केएसआईडीसी और निदेशक, डीआईसी, श्री सुमन बिल्ला ,आईएएस, प्रमुख सचिव, उद्योग और एनओआरकेए, केरल सरकार, श्री पंकज कुमार सिन्हा,सचिव/प्रबंध निदेशक (एमडी) एफडीडीआई और डॉ नरसिम्हुगरी तेज लोहित रेड्डी, आईएएस, कार्यकारी निदेशक (ईडी), एफडीडीआई हैदराबाद परिसर, श्री वी.के.सी. रज्जाक, अध्यक्ष, अखिल भारतीय एमएसएमई फुटवियर काउंसिल और निदेशक,केएसआईडीसी और श्री रंजीत बाबू, महाप्रबंधक, डीआईसी – कालीकट सहित गणान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम ने कई प्रासंगिक विषयों को संबोधित किया, जिसमें स्टार्ट-अप और स्केल-अप को बढ़ावा देना, सतत विकास के लिए मार्ग तैयार करना और पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने में सरकार की भूमिका को समझना शामिल है।

एफडीडीआई ज़ोधपुर परिसर में ' साइबर सुरक्षा जागरूकता पर संगोष्ठी आयोजित किया गया

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में 12 जनवरी 2024 को 'साइबर सुरक्षा जागरूकता' पर संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें सभी अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों और इससे उत्पन्न होने वाले संभावित खतरों को समझना था।

डॉ. अर्जुन चौधरी, सहायक प्रोफेसर, सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय (एसपीपीयू), जोधपुर, साइबर सुरक्षा के विशेषज्ञ, ने ऑनलाइन सुरक्षा सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में

डॉ. अर्जुन चौधरी, सहायक प्रोफेसर, एसपीपीयू, जोधपुर साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए

जानकारी दी, जो घर एवं कार्यस्थल पर साइबर सुरक्षा बढ़ाने के लिए सक्रिय कदम उठा रहे हैं। सुरक्षा में उभरते रुझानों पर विस्तृत चर्चा और मार्गदर्शन तथा साइबर खतरों से बचने के लिए कुछ व्यावहारिक सुझाव भी उनके द्वारा प्रदान किए गए।

एफडीडीआई ने भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 'आत्मनिर्भर भारत उत्सव' के उद्घाटन सत्र में भाग लिया

एफडीडीआई ने 'आत्मनिर्भर भारत उत्सव' के उद्घाटन सत्र में भाग लिया, जो भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 3 से 10 जनवरी 2024 तक भारत की समृद्ध विरासत एवं विविध सांस्कृतिक परंपराओं को प्रदर्शित करते हुए आयोजित किया गया था।

इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि, केंद्रीय विदेश मंत्री, डॉ सुब्रह्मण्यम जयशंकर, और सम्मानित अतिथि, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री (एचसीआईएम, सीए, एफ एंड पीडी&टी), भारत सरकार, श्री पीयूष गोयल ने किया, जिसके दौरान श्री राजेश कुमार सिंह, आईएएस, सचिव, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी); सुश्री रचना सिंह, आईएएस, सचिव, कपड़ा मंत्रालय; और प्रदीप सिंह खरोला, सीएमडी-आईटीपीओ भी उपस्थित थे।

'आत्मनिर्भर भारत उत्सव, भारत में आत्मनिर्भरता की दिशा में किए गए प्रयासों को प्रदर्शित करने और मनाने के लिए एक गतिशील मंच था, जिसके दौरान उद्घाटन समारोह में विजेताओं को तीन श्रेणियों – जिला, राज्य और विदेश में भारतीय मिशन में राष्ट्रीय एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पुरस्कार 2023 प्रदान किए गए।

उद्घाटन के दौरान, एचसीआईएम, सीए, एफ एंडपीडी&टी ने भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 140 करोड़ भारतीयों के लिए बेहतर भविष्य के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

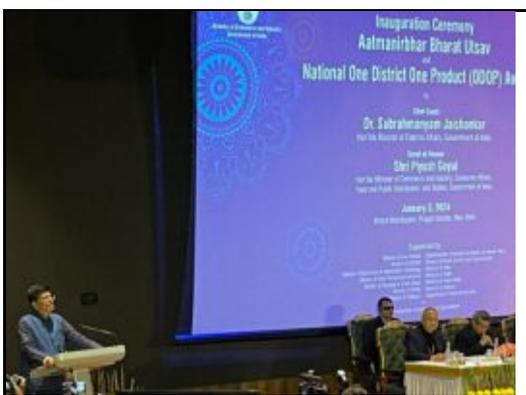

'आत्मनिर्भर भारत उत्सव' के उद्घाटन सत्र के दौरान एचसीआईएम, सीए, एफ एंड पीडी एंड टी सत्र को संबोधित करते हुए

उद्घाटन समारोह में शामिल एफडीडीआई के अधिकारीगण

डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा आयोजित आत्मनिर्भर भारत उत्सव 2024 आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा का उत्सव है, जो सांस्कृतिक विरासत, प्रतिभा और नवाचार को प्रदर्शित करता है जिसने एफडीडीआई को इस महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक समारोह में भाग लेने का अवसर प्रदान किया।

आंध्र प्रदेश कांग्रेस के इतिहास में राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एफडीडीआई, हैदराबाद के संकाय द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किया गया

श्री रामबाबू मुप्पिडी, संकाय -एलजीएडी, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर ने 6-7 जनवरी 2024 को आयोजित आंध्र प्रदेश हिस्ट्री ऑफ कांग्रेस (एपीएचसी), आंध्र विश्वविद्यालय, ओबुलैया कॉलेज, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'आंध्र प्रदेश में लकड़ी के हस्तशिल्प: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य (कोंडापल्ली खिलौने के विशेष संदर्भ में)' विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

श्री रामबाबू मुप्पीडी, संकाय, एलजीएडी, एफडीडीआई-हैदराबाद शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए

शोध पत्र की प्रस्तुति का प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए श्री रामबाबू मुप्पिडी

शोध पत्र कोंडापल्ली लकड़ी के खिलौने के सामान की वर्तमान स्थिति तथा उत्पाद डिजाइन प्रक्रियाओं, तकनीकों को कैसे संरक्षित किया जाए, और भविष्य की पीढ़ियों के कारीगरों को इस उत्पाद में कैसे लगाया जा सके को संबोधित करता है

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा के छात्र को 'वर्ल्ड डिजाइन फोरम' में 'सर्वश्रेष्ठ आगामी डिजाइनर' से सम्मानित किया गया

एफडीडीआई छिंदवाड़ा में स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) की अंतिम वर्ष की छात्रा सुश्री टीना खैदैत ने इंडो-वेस्टर्न श्रेणी में 'सर्वश्रेष्ठ आगामी डिजाइनर' का पुरस्कार हासिल किया।

'प्रकृति/नेचर' से प्रेरित उनके इंडो-वेस्टर्न डिज़ाइन ने रूप एवं कार्य का एक आदर्श मिश्रण प्रदर्शित किया, जिससे उन्हें उभरती प्रतिभा श्रेणी में शीर्ष 25 डिजाइनरों में प्रशंसा मिली। सुश्री टीना का डिज़ाइन संग्रह हथकरघा बुनकरों की शिल्प कौशल का जश्न मनाने पर केंद्रित है, जो समकालीन सौंदर्यशास्त्र के साथ परंपरा को मूल रूप से विलय करता है।

यह सम्मान दिल्ली में 'वर्ल्ड डिज़ाइन फ़ोरम' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में प्रस्तुत किया गया था ,जो 29 -30 दिसंबर 2023 को आयोजित किया गया था, जहाँ भारत भर के 500 डिज़ाइन उम्मीदवारों में से अंतिम सूची में चुनी गई थी।

एफडीडीआई छिंदवाड़ा की अंतिम वर्ष की छात्रा सुश्री टीना खैदैत को पुरस्कार से सम्मानित किया गया

सुश्री टीना खैदैत 'वर्ल्ड डिज़ाइन फोरम' के दौरान अपने इंडो-वेस्टर्न डिज़ाइन प्रस्तुत करती हुईं

टीना खंडाइत को मिला श्रेष्ठ डिजाइनिंग का पुरस्कार

मीडिया कवरेज

निर्णायक सदस्यों में रीना ढाका, अंकुश अनामी और बॉलीवुड अभिनेत्री शतीप्रिया जैसी प्रसिद्ध हस्तियां शामिल थीं, जिन्होंने उनके उत्कृष्ट कौशल और अद्वितीय दृष्टिकोण का मूल्यांकन किया।

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में 'राजभाषा हिंदी' पर संगोष्ठी एवं कार्यशाला आयोजित

दैनिक कार्यों में हिंदी के प्रगतिशील उपयोग को बढ़ाने के लिए, 29 दिसंबर 2023 को एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में 'राजभाषा हिंदी' पर एक दिवसीय संगोष्ठी एवं कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर विशेष अतिथि जोधपुर कार्यालय की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिव अमित कुमार चौधरी थे। उन्होंने अपने संबोधन में हिंदी भाषा के महत्व पर मार्गदर्शन दिया और कहा कि हिंदी के अधिकतम उपयोग से गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करना है।

श्री अमित कुमार चौधरी, सचिव, नराकास, जोधपुर कार्यालय ने हिंदी भाषा के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए

एफडीडीआई ,हैदराबाद के संकाय द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान शोध पत्र प्रस्तुत किया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) के संकाय श्री रामबाबू मुप्पिडी ने कांग्रेस के भारतीय इतिहास के तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, काकथिया विश्वविद्यालय, वारंगल, तेलंगाना के दौरान 'तेलंगाना में चूड़ी कारीगर हैदराबाद के विशेष संदर्भ के साथ' विषय पर एक संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया।

यह सम्मेलन पुडुचेरी विश्व इतिहास कांग्रेस (पीडब्ल्यूएचसी) द्वारा 28 से 30 दिसंबर 2023 तक आयोजित किया गया था।

डॉ. जी. जे. सुधाकर, उपाध्यक्ष, पीडब्लूएचसी श्री रामबाबू मुप्पिडी, संकाय, एलजीएडी, एफडीडीआई-हैदराबाद को प्रमाण पत्र प्रस्तुत करते हुए

INDIAN HISTORY CONGRESS
Kakatiya University, Warangal, Telangana
82nd Session, 28th-30th December, 2023

Certificate of Presentation of Paper

शोध पत्र की प्रस्तुति का प्रमाण पत्र

उन्होंने पीएचडी गाइड डॉ मुसुगु श्रीनिवास राव, डीन और एसोसिएट प्रोफेसर, पीएस तेलुगु विश्वविद्यालय के साथ एक संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया।

यह पेपर चूड़ी कारीगरों की वर्तमान स्थिति एवं उनकी शिल्प कौशल तथा भविष्य की पीढ़ी के कारीगरों को उनकी जीवनशैली और प्रदर्शन में सुधार करने, डिजाइनों को डिजिटल बनाने और संरक्षित करने में कैसे शामिल किया जा सके को संबोधित करता है।

एफडीडीआई जोधपुर परिसर में मास्टर कारीगर के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में फुटवियर एवं चमड़े के सामान उत्पाद और डिजाइन के मास्टर कारीगरों के कौशल को उन्नत करने के लिए, 20-21 दिसंबर 2023 को दो दिवसीय 'कारीगर प्रशिक्षकोका प्रशिक्षण' कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20 से अधिक कारीगरों ने भाग लिया जो चमड़े के शिल्प, विशेष रूप से फुटवियर एवं मोजारी उत्पादन से जुड़े हैं। महिलाओं की भागीदारी भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि 12 प्रतिभागी महिला उद्यमी थीं जो न केवल कपड़ा कढ़ाई में शामिल थीं, बल्कि चमड़े के शिल्प तथा अन्य लघु उद्योगों में भी शामिल थीं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रगति पर

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य मास्टर प्रशिक्षकों को आधुनिक तकनीक, कौशल एवं उद्यमशीलता ज्ञान प्रदान करना था ताकि वे समकालीन गतिविधियों के अनुकूल हो सकें।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्पाद डिजाइन एवं विकास के क्षेत्र में एफडीडीआई के विशेषज्ञों ने उत्पाद विविधीकरण, डिजाइन विकास, ब्रांडिंग, पैकेजिंग, सामग्री खरीद तथा डिजिटल मार्केटिंग आदि जैसे विभिन्न विषयों को लक्षित करते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रथम डिज़ाइन सम्मेलन के दौरान एनआईडी, भोपाल में एफडीडीआई ,नोएडा के संकाय द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किया गया

डॉ. आस्था गर्ग (वरिष्ठ संकाय) और डॉ. ज्योति भसीन चौधरी (कनिष्ठ सलाहकार), स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम), नोएडा ने अंतर्दृष्टि, समावेशन और नवाचार (आईएसटी) पर 15 और 16 दिसंबर 2023 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (NID), भोपाल में आयोजित पहले डिजाइन सम्मेलन में "सस्टेनेबल फैशन: टिकाऊ परिधान उत्पादों की ओर खरीद के इरादे पर पारिस्थितिक संरक्षण में पर्यावरण संबंधी चिंताओं एवं उपभोक्ता की कथित आत्म-छवि के प्रभाव की खोज" शीर्षक से अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

एलजीएडी के अनूप सिंह राणा एचओएस ने 'सस्टेनेबल लेदर' पर 'मुख्य भाषण' देते हुए

डॉ. आस्था गर्ग (वरिष्ठ संकाय) और डॉ. ज्योति भसीन चौधरी (कनिष्ठ सलाहकार), आरएफएम, नोएडा शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए

सम्मेलन के दौरान, श्री अनूप सिंह राणा एचओएस, चमड़े के सामान और सहायक उपकरण डिजाइन (एलजीएडी) को 'मुख्य वक्ता' के रूप में आमंत्रित किया गया था। 'सस्टेनेबल लेदर' विषय पर अपने संबोधन में, उन्होंने कहा कि "निरंतर उत्पादित चमड़ा जो प्रचलित है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की लगातार बढ़ती भूमिका ब्रांडों, निर्माताओं को पर्यावरण पर उनके प्रभाव को समझने, परीक्षण, प्रमाणन और परामर्श के माध्यम से उत्पादन को कम करने में मदद करती है ताकि तेजी से टिकाऊ चमड़े के उत्पादन में सहायता मिल सके।

श्री राजेश कुमार सिंह, आईएएस, सचिव, डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'मुख्य अतिथि' के रूप में दीक्षांत समारोह' की शोभा बढ़ाई

एफडीडीआई, नोएडा परिसर ने 16 दिसंबर 2023 को सत्र 2022 एवं 2023 के उत्तीर्ण छात्रों के लिए अपना दीक्षांत समारोह आयोजित किया।

इस कार्यक्रम में श्री राजेश कुमार सिंह, आईएएस, सचिव, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने 'मुख्य अतिथि' के रूप में भाग लिया, जबकि इस कार्यक्रम के अन्य विशिष्ट अतिथि श्री मोतीलाल सेठी ,प्रबंध निदेशक, मेसर्स सरोज इंटरनेशनल, इंडियन लेदर गारमेंट्स एसोसिएशन (आईएलजीए) के अध्यक्ष और श्री संजय गुप्ता, निदेशक, मेसर्स संदीप रबर, अध्यक्ष -इंडियन फुटवियर कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएफसीओएमए) ने दीक्षांत समारोह की शोभा बढाई।

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन

श्री पंकज कुमार सिन्हा, सचिव/एमडी, एफडीडीआई, सचिव, डीपीआईआईटी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए

एफडीडीआई की ओर से, एफडीडीआई के सचिव/प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री पंकज कुमार सिन्हा ने 'मुख्य अतिथि' एवं मीडिया कर्मियों सहित अन्य सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया, इस अवसर पर कर्मचारी और छात्र भी उपस्थित थे।

सचिव, डीपीआईआईटी 'मुख्य भाषण' देते हुए

सचिव, डीपीआईआईटी से पदक प्राप्त करने वाले स्नातक छात्र

अपने संबंधित व्यावसायिक कार्यक्रम के सफल समापन को उत्तीर्ण करते हुए, सत्र 2022 तथा 2023 से संबंधित कुल 496 छात्रों को उनकी उपाधि से सम्मानित किया गया। जिनमें से 310 ने संस्थान परिसर में आयोजित ऐतिहासिक समारोह में भाग लिया।

डीपीआईआईटी के सचिव ने अपने 'मुख्य संबोधन' में कहा कि," आप ऐसे समय में अपनी उपाधि प्राप्त कर रहे हैं जब भारत परिवर्तन के शिखर पर खड़ा है। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है।

सचिव डीपीआईआईटी से उपाधि प्राप्त करने वाले स्नातक छात्र

गणमान्य व्यक्तियों के साथ स्नातक बैच

डीपीआईआईटी के सचिव ने छात्रों को परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक बनने के लिए प्रोत्साहित किया, जो देश की वृद्धि एवं विकास में योगदान दे रहे हैं।

सचिव, डीपीआईआईटी को जूते की अवधारणा के बारे में जानकारी देते छात्र

सचिव, डीपीआईआईटी एलजीएडी द्वारा प्रदर्शन देखते हुए

अकादमिक कौशल तथा नवाचार के शानदार प्रदर्शन में, एफडीडीआई स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी), स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी), और स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) के छात्रों ने प्रस्तुतियों के रूप में अपने कार्यों का प्रदर्शन किया। उन्होंने स्टॉल लगाए थे जहां फुटवियर, चमड़े की कला शिल्प, डिजाइन, स्केच आदि का प्रदर्शन किया गया था।

सचिव, डीपीआईआईटी द्वारा एफडी के प्रदर्शन को देखते हुए

सचिव, डीपीआईआईटी मीडिया को जानकारी देते हुए

आईआईटी, दिल्ली में आयोजित आईसीटीएन 2023 के दौरान एफडीडीआई, नोएडा के संकाय द्वारा प्रस्तुत शोध पत्र

एफडीडीआई, नोएडा के मुख्य संकाय डॉ. कृषि सरीन ने आईआईटी, दिल्ली द्वारा 12 से 14 दिसंबर 2023 तक आयोजित तकनीकी कपड़ा एवं नॉनवुवेंस (आईसीटीएन 2023) "सस्टेनेबल टेक्नोलॉजीज एंड एंटरप्रेन्योरशिप: पायनियरिंग द फ्यूचर ऑफ टेक्निकल टेक्सटाइल्स" पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आईसीटीएन 2023 का उद्देश्य दुनिया भर के प्रमुख उद्यमियों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों को वर्तमान की तकनीकी प्रगति एवं विनिमय विचारों को साझा करने और प्रस्तुत करने के लिए आयोजित किया गया।

आईसीटीएन 2023 के दौरान, डॉ. कृषि सरीन, मुख्य संकाय, स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) ने 'ऐक्रेलिक कलर्स: ए सस्टेनेबल अल्टरनेटिव फॉर डायरेक्ट डाईज' शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसे प्रतिभागियों द्वारा खूब सराहा गया तथा अवधारणा की नवीनता को उपस्थित प्रतिनिधियों द्वारा प्रशंसा की गयी।

डॉ कृषि सरीन, मुख्य संकाय, एफडी

डॉ कृषि सरीन को दिया गया 'भागीदारी का प्रमाण पत्र'

शोध पत्र का उद्देश्य यह स्थापित करना था कि ऐक्रेलिक रंगों में रंगों को निर्देशित करने का एक संभावित विकल्प है, जिससे यह सूती कपड़े के रंग के लिए पर्यावरण के अनुकूल एवं टिकाऊदृष्टिकोण बन जाता है क्यो ंकि यह घर पर भी बहुत आसानी से किया जा सकता है।

एफडीडीआई ने 'डिजाइन एजुकेशन एंड एनईपी 2020' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया

एफडीडीआई, ने 'डिजाइन एजुकेशन एंड एनईपी 2020' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, जिसका उद्घाटन श्री राजेश कुमार सिंह, आईएएस, सचिव, डीपीआईआईटी ने 01 दिसंबर 2023 को वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में किया, जिसके दौरान सुश्री आरती भटनागर, अपर सचिव तथा वित्तीय सलाहकार, डीपीआईआईटी, वाणिज्य मंत्रालय भी उपस्थित थीं।

इस अवसर पर, डीपीआईआईटी के माननीय सचिव ने एनआईडी हरियाणा द्वारा तैयार की गई "डिज़ाइन शिक्षा – नाउ एण्ड अहेड" रिपोर्ट जारी की, जो देश में डिज़ाइन शिक्षा के लिए एक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाती है जो डिजाइनरों को वैश्विक स्तर पर डिजाइन करने के कौशल एवं दृष्टिकोण की जानकारी प्रदान करेगी। अधिक समावेशी, टिकाऊ, न्यायसंगत तथा जिम्मेदार भविष्य के उत्पादों, प्रणालियों, संगठनों और समाजों का स्तर जो उस समय के तकनीकी आविष्कारों में अंतर्निहित हैं।

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन

राष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ. वनिता आहूजा, निदेशक, एनआईडी, हरियाणा के साथ एफडीडीआई के संकाय

आकर्षक सत्रों और पैनल चर्चाओं ने चर्चा के विषय की बारीकियों को समझाने के लिए देश भर के विशेषज्ञों, शिक्षकों तथा हितधारकों को एक साथ लाया।

एनएमजेड ग्रुप एवं शांगवी लास्ट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में एफडीडीआई, चेन्नई के छात्रों के लिए औद्योगिक एक्सपोजर

स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के संकायों के साथ 28 नवंबर 2023 को, औद्योगिक प्रदर्शन के अन्तर्गत, बी.डेस (एफडीपी) के 7वें सेमेस्टर तथा एम.डेस. (एफडीपी) प्रथम सेमेस्टर के 55 छात्रों ने अंबुर में स्थित एनएमजेड समूह तथा शांगवी लास्ट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का दौरा किया।

एनएमजेड समूह अमेरिका और यूरोपीय बाजार के लिए गाय, भैंस के चमड़े से अलग-अलग तैयार चमड़े का उत्पादन करता है। छात्रों ने टेनरी एवं फुटवियर कारखाने दोनों का दौरा किया, जहां कंपनी के अधिकारियों ने न केवल अपने संबंधित विभागों के कार्यों के बारे में बताया, बल्कि तैयार उत्पाद से संबंधित संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में उक्त विभागों के योगदान के बारे में भी बताया।

शांगवी लास्ट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में फैक्ट्री विशेषज्ञों ने छात्रों को जानकारी देते हुए

श्री तमीम अहमद, महाप्रबंधक, एनएमजेड समूह छात्रों को जानकारी देते हुए

छात्रों ने शांगवी लास्ट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का दौरा किया, जिसके दौरान उन्हें कारखाने के विशेषज्ञों द्वारा निर्देशित किया गया, जिन्होंने फुटवियर बनाने में 'लास्ट' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और उन्हें कच्चे माल से लेकर अंतिम उत्पाद तक 'अंतिम' निर्माण की पूरी विनिर्माण प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।

'सस्टेनेबल डिज़ाइन प्रैक्टिसेज' पर आईसीओएन 2023 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एफडीडीआई के संकाय द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए गए

एफडीडीआई के लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज़ डिज़ाइन (एलजीएडी), स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन (एफडी) और स्कूल ऑफ़ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के संकायों ने 'सस्टेनेबल डिज़ाइन प्रैक्टिसेज' पर आईसीओएन 2023 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान शोध पत्र प्रस्तुत किए, जो 25 से 27 नवंबर, 2023 तक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी), कांगड़ा में आयोजित किया गया था।

आइकन 2023 'सस्टेनेबल डिज़ाइन प्रैक्टिसेज' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का एक दृश्य

श्री अनूप सिंह राणा, वरिष्ठ संकाय एवं स्कूल के प्रमुख एलजीएडी द्वारा प्रस्तुति

निफ्ट, एनआईडी, आईआईटी डिजाइन, यूआईडी जैसे अन्य डिजाइन संस्थानों ने सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसने विभिन्न टिकाऊ डिजाइन प्रैक्टिसेज की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए शोध कार्य, पत्र और डिजाइन अनुप्रयोगों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान किया।

थीम्स और उप-थी ने डिजाइन, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन तथा संबद्ध क्षेत्रों में स्थिरता से संबंधित संवर्ग की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल किया।

एफडीडीआई में विभिन्न संवर्ग के संकाय एवं छात्रों ने कुल 7 पेपर और पोस्टर प्रस्तुत करके उल्लेखनीय प्रभाव डाला। स्क्रीनिंग कमेटी ने उनके योगदान की गुणवत्ता को स्वीकार किया और सम्मानित सम्मेलन की कार्यवाही में इन पत्रों के प्रकाशन को मंजूरी दी।

कपड़ा और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत एफडीडीआई, आईआईएफटी, आईआईपी, एनआईडी और एनआईएफटी के लिए तीसरी संयुक्त 'पूर्व छात्र बैठक' एफडीडीआई, कोलकाता में आयोजित हुई

पारस्परिक संबधो को मजबूत करने, अनुभव और उपलब्धियों को साझा करने, एकजुटता के शानदार क्षणों को फिर से पीनोने, सहयोग और नेटवर्किंग के अवसरों का पता लगाने के उद्देश्य से, पांच संस्थानों, एफडीडीआई, आईआईएफटी, आईआईपी, एनआईडी और एनआईएफटी के लिए तीसरी संयुक्त 'पूर्व छात्र बैठक' 24 नवंबर 2023 को एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में आयोजित की गई।

बैठक का एक दृश्य

यह कार्यक्रम माननीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री भारत सरकार, श्री पीयूष गोयल द्वारा उद्योग-अकादमिक इंटरफेस को बढ़ावा देने तथा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और कपड़ा मंत्रालय के तत्वावधान में काम करने वाले पांच प्रतिष्ठित संस्थानों के पूर्व छात्रों के साथ जुडाव के माध्यम से एक वैश्विक पेशेवर नेटवर्क बनाने के लिए शुरू की गई अभिसरण पहल का एक हिस्सा था।

इस कार्यक्रम में पांच संस्थानों के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें आईआईपी, कोलकाता के उप निदेशक प्रोफेसर बिधान दास, आईआईपी-कोलकाता के उप निदेशक प्रोफेसर डॉ निलय कुमार प्रमाणिक, आईआईएफटी, कोलकाता केंद्र के प्रमुख डॉ के रंगराजन, आईआईएफटी, दिल्ली में प्रोफेसर डॉ नीति चटनानी, एनआईएफटी, कोलकाता के निदेशक श्री बृजेश देवरे, उप निदेशक (कार्यालय प्रमुख) वीवर्स सर्विस सेंटर और श्री सुनील कुमार उल्लाट्टुथोडियिल, कार्यकारी निदेशक (ईडी), एफडीडीआई कोलकाता शामिल थे।

इस बैठक में गणमान्य व्यक्तियों के साथ पांच संस्थानों के लगभग 100 उपस्थित लोगों ने भाग लिया, जिसके दौरान प्रोफेसर जोनाली बाजपेयी, प्रोफेसर, एनआईएफटी -बैंगलोर, उद्योग और पूर्व छात्र मामलों के प्रमुख अखिल भारतीय द्वारा अभिसरण के विचार पर प्रस्तुति दी गई। '5 संस्थानों के बीच अभिसरण का महत्व' पर एक खुली चर्चा भी आयोजित की गई थी, जिसमें उनके अल्मा मेटर में उनके योगदान को बढ़ाने पर चर्चा की गई थी।

इस कार्यक्रम में पूर्व छात्रों के लिए सांस्कृतिक प्रदर्शन, संवादात्मक सत्र तथा नेटवर्किंग के अवसर शामिल थे। पूर्व छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भाग लिया।

एफडीडीआई कोलकाता परिसर का 5वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर ने 04 दिसंबर 2023 को अपने परिसर में अपना 5वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. सी. वी. आनंद बोस, पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल उपस्थित थे।

गणमान्य व्यक्तियों के साथ स्नातक छात्र

छात्रवृत्ति प्राप्त करते हुए छात्र

श्री सुनील कुमार यू -कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई-कोलकाता द्वारा उत्तीर्ण छात्रों को 'शपथ' दिलाई गई। समारोह के दौरान कुल 122 छात्रों को सम्मानित किया गया, जिनमें से 46 स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) 37 स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) और 39 छात्र स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) से थे।

2023 बैच की, कक्षा की समग्र टॉपर, सुश्री अनुष्का बनर्जी को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया, जबकि सुश्री अनुष्का बनर्जी, सुश्री अंचिता घोष और सुश्री रितु गुप्ता ने अपने असाधारण प्रदर्शन के लिए विभागीय टॉपर्स का खिताब अर्जित करते हुए रजत पदक प्राप्त किए।

चंद्रा केमिकल्स (पीसी चंद्रा ग्रुप की इकाई) की घोषणा के अनुसार, स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए 30,000 रुपये और रजत पदक विजेताओं के लिए 25,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। चंद्रा केमिकल्स के निदेशक श्री अमिताभ चंद्रा ने माननीय गवर्नर, सचिव/एमडी एफडीडीआई के साथ छात्रवृत्ति प्रदान की।

एफडीडीआई, पटना और एमआईटी, मुजफ्फरपुर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

02 दिसंबर 2023 को, एफडीडीआई, पटना ने शिक्षा, अनुसंधान आउटरीच कार्यक्रम, छात्र विनिमय कार्यक्रम, संकाय विनिमय और कई अन्य में संस्थागत सहयोग के लिए मुजफ्फरपुर प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी), मुजफ्फरपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इस सहयोग का प्राथमिक उद्देश्य एफडीडीआई पटना और एमआईटी मुजफ्फरपुर के संकाय सदस्यों और छात्रों को शामिल करते हुए शिक्षण और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देना है ताकि उच्चतम स्तर के शिक्षण और अनुसंधान को सुनिश्चित किया जा सके, संयुक्त शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यक्रमों के साथ-साथ सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं भी आयोजित की जा सकें।

समझौता हस्ताक्षर समारोह एफडीडीआई पटना परिसर में हुआ और इसमें दोनों संस्थानों के प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। एमओयू पर एफडीडीआई पटना के केंद्र प्रभारी संजीव कुमार मिश्रा और एमआईटी, मुजफ्फरपुर के प्रिंसिपल डॉ. मिथिलेश कुमार झा ने एफडीडीआई के सचिव/प्रबंध निदेशक (एमडी) पंकज कुमार सिन्हा और अन्य संकाय सदस्यों और अधिकारियों की सम्मानित उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान

समझौता ज्ञापन दोनों संस्थानों के सामान्य विषयों में छात्रों, विद्वानों और संकाय के आदान-प्रदान की सुविधा भी प्रदान करेगा। दोनों संस्थान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, बैठकों में भाग लेने और संयुक्त रूप से आयोजित करने, अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत करने और छात्रों और विद्वानों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सहमत हो गए हैं।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर के छात्रों के लिए 'क्राफ्ट क्लस्टर' का दौरा

हस्तशिल्प क्लस्टर का अनुभव प्रदान करने के लिए, एफडीडीआई, छिन्दवाड़ा परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के सेमेस्टर III और सेमेस्टर V से बी.डीईएस फैशन डिजाइन के पचपन छात्रों को 29 नवंबर 2023 को हस्तशिल्प कारीगरों (एएसएचए), छिंदवारा, मध्य प्रदेश की सहायता तथा जीवन रक्षा के लिए ले जाया गया।

आशा दस साल से अधिक समय से अभ्यास कर रही है, जो कला एवं कारीगर की कलाकृति के सार को बनाए रखने के लिए आदिवासी कला और क्षेत्रीय रूपांकनों से प्रेरित है, एमपी सरकार द्वारा नई दिल्ली, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा और कोलकाता में स्थापित खुदरा आउटलेट जैसे ग्राहकों के लिए काम कर रहा है। एम्पोरियम, ट्राइफेड-ट्राइबल को-ऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया, जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में अंतरराष्ट्रीय खुदरा स्टोरों में विभिन्न प्रकार के उत्पादों की बिक्री करता है।

श्री रोहित जी रुसिया के नेतृत्व में सह-संस्थापक -आशा और हस्तशिल्प के सह-संस्थापक भारत के मध्य क्षेत्र में छीपा ब्लॉक प्रिंटिंग क्राफ्ट के पुनरुद्धार के लिए काम कर रहे हैं।

भारतीय शिल्प के सह-संस्थापक और आशा कार्यकर्ता श्री रोहित रूसिया छात्रों को "छीपा काला-वुडन हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग" के इतिहास के बारे में जानकारी देते हुए।

मास्टर कारीगर, श्रीमती आरती और श्री रोहित रूसिया ने छीपा पारंपरिक कला की ब्लॉक प्रिंटिंग तकनीकों के बारे में छात्रों एवं शिक्षकों को जानकारी दी और प्रदर्शन किया। उन्होंने उन्हें ब्लॉक बनाने, डिजाइनिंग, रंग बनाने, फिक्सिंग, ट्रेसिंग, क्यूरिंग, इंप्रेशन तकनीकों से लेकर उत्पादों के परिष्करण तक शुरू होने वाली पूरी प्रक्रिया के बारे में समझाया।

एफडीडीआई, जोधपुर ने 2 दिवसीय क्राफ्ट कार्निवल का आयोजन किया गया

एफडीडीआई, जोधपुर ने संस्थान परिसर में 28-29 नवंबर 2023 को 'क्राफ्ट कार्निवल' का आयोजन किया।

कार्निवल के दौरान, राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 20-25 कारीगरों ने भाग लिया, जिनमें से कुछ राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हैं और अपनी कला में बहुत लोकप्रिय रहे हैं जैसे बोन एंड हॉर्न आर्ट के जाकिर हुसैन, स्वर्णमीनाकारी के ज्योतिस्वरूप, बीकानेर के उस्ता कला के सैफाली खान, जोधपुरी बंधेज।

दो दिवसीय शिल्प कार्निवल के दौरान, एफडीडीआई ने हथकरघा, हस्तशिल्प, चमड़ा और संबंधित व्यवसाय और उद्योग के कारीगरों को संस्थान और छात्रों के साथ हाथ मिलाने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे छात्रों को अपने उत्पादों की पेचीदगियों को समझने, उन्हें बढ़ावा देने और नए डिजाइन बनाने में मदद मिलेगी।

कला और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने वाले स्टॉल आने वाले छात्रों के लिए केंद्र बिंदु थे, जिसमें शहर भर के 08 विभिन्न स्कूलों और संस्थानों के 700 से अधिक छात्र शामिल थे, जिन्होंने कढ़ाई और विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प की पेचीदगियों को देखा। उन्हें विभिन्न हस्तशिल्प, हथकरघा और चमड़े की कलाकृतियों के उत्पादों से परिचित कराया गया।

स्टाल का एक दृश्य

दो दिवसीय क्राफ्ट कार्निवल के समापन समारोह का सारांश सेना के डिप्टी कमांडेंट गोला बारूद डिपो तथा श्री किरण वीएन, सहायक निदेशक – डीसी हैंडीक्राफ्ट के आतिथ्य में 'गेस्ट ऑफ ऑनर' के रूप में किया गया।

विभिन्न कला क्षेत्रों के कारीगरों जैसे चमड़े की कढ़ाई के मोहनलाल चौहान, एप्लिक वर्क के मनोहर लाल चौधरी, टेराकोटा कला केगोपाल प्रजापत , कपड़ा कलाकृति की तमन्ना भाटी, कालीन उद्योग के दीपक त्यागी आदि ने इस दो दिवसीय कार्निवल के अनुभव को साझा किया।

73वें संविधान दिवस पर एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में व्यावहारिक सत्र का आयोजन

एक व्यावहारिक सत्र का आयोजन करके, एफडीडीआई, जोधपुर परिसर ने 26 नवंबर 2023 को 73वां संविधान दिवस मनाया।

श्री अनिल कुमार, एएफएचक्यूसीएस, ईडी, एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित करते हुए

सत्र का एक दृश्य

सत्र के दौरान, श्री किशन सिंह यादव, केंद्र सरकार के वरिष्ठ स्थायी वकील (कैट) ने 'भारत -लोकतंत्र की जननी' विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने भारतीय संविधान के महत्व को समझाया और जमीनी स्तर पर इसकी उपयोगिता लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने अपने अधिकारों एवं सबसे बढ़कर अपने कर्तव्यों को ठीक से लागू करने की अपील की।

श्री राजेंद्र कटारिया, अधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर ने भी अपनी सम्मानित उपस्थिति के साथ इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

फुटवियर इनोवेशन केंद्र स्तर पर है: एफडीडीआई छिंदवाड़ा के ग्यारह शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - आईसीएसईटीआई 2023 में प्रस्तुत और प्रकाशित किए गए

एफडीडीआई को गौरवान्वित करते हुए, एफडीडीआई छिंदवाड़ा के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के संकाय तथा छात्र अनुसंधान समूह ने भाग लिया ,तथा विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसईटीआई)2023 में ग्यारह अभूतपूर्व शोध पत्र प्रस्तुत किए जो 25 से 26 नवंबर 2023 तक हाइब्रिड मोड के माध्यम से आयोजित किया गया था।

उन्होंने डिजाइन थिंकिंग, फुटवियर डिजाइन, सस्टेनेबल डेवलपमेंट, टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन के क्षेत्र में अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जो आईसीएसईटीआई 2023 में प्रकाशित होने वाले शोध पत्रों की एक विविध श्रृंखला पेश करते हैं। सम्मेलन वैश्विक शिक्षा के लिए एक प्रमुख मंच था, जिसने एफडीडीआई को फुटवियर उद्योग में अत्याधुनिक प्रगति पर संवाद में योगदान करने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान किया।

श्री प्रशांत कुमार सक्सेना, फैकल्टी फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन और बी.डिजाइन एफडीपी के अंतिम वर्ष के छात्र द्वारा सह-लेखक सुश्री सोम्या बोरकर द्वारा प्रस्तुत "ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) & वर्चुअल रियलिटी (वीआर) एप्लिकेशन इन फुटवियर रिटेल एंड डिज़ाइन" शीर्षक से शोध को आईसीएसईटीआई 2023 सम्मेलन का "सर्वश्रेष्ठ शोध प्रस्तुति पुरस्कार" मिला।

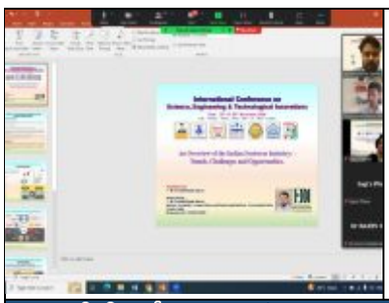

एफडीडीआई का अनुसंधान समूह आईसीएसईटीआई - 2023 (हाइब्रिड मोड) में अपने शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए

एफडीडीआई को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया

श्री प्रशांत कुमार सक्सेना, संकाय, एफडीपी ने भाग लिया तथा सात अंतिम वर्ष के छात्रों के साथ फुटवियर और फैशन बैचों के सह-लेखक के रूप में नौ शोध पत्र प्रस्तुत किए। एफडीपी के संकाय डॉ. पंकज दुबे ने तीसरे सेमेस्टर के फुटवियर बैचों के सह-लेखक के रूप में दो छात्रों के साथ दो और शोध पत्रों के साथ भाग लिया।

एफडीपी के संकाय का नाम

श्री प्रशांत कुमार सक्सेना, संकाय एफडीपी

डॉ. पंकज दुबे, संकाय, एफडीपी

श्री प्रशांत कुमार सक्सेना को भागीदारी और प्रस्तुतियों का प्रमाण पत्र

ग्यारह शोध पत्रों में विषयों के एक स्पेक्ट्रम को शामिल किया गया, जिसमें फुटवियर में टिकाऊ सामग्री से लेकर मधुमेह के फुटवियर डिजाइन आदि मेंनवाचार शामिल थे। संकाय एवं छात्र शोधकर्ताओं ने उद्योग के महत्वपूर्ण पहलुओं में तल्लीन किया, जानकारी प्रस्तुत की जो फुटवियर तथा उत्पाद डिजाइनिंग में नवीन प्रौद्योगिकियों के भविष्य को आकार देने में सहयोग करती है।

क्र.सं.	प्रस्तुत शोध पत्रों के शीर्षक	प्रथम लेखक का विवरण	सह-लेखक का विवरण
1	भारतीय फुटवियर उद्योग का अवलोकन: रुझान, चुनौतियां एवं अवसर	श्री प्रशांत कुमार सक्सेना संकाय, फुटवियर डिजाइन	
2	फुटवियर रिटेल और डिजाइन में संवर्धित वास्तविकता (एआर) और आभासी वास्तविकता (वीआर) अनुप्रयोग		सुश्री सौम्या बोरकर छात्र, बी. डिजाइन, एफडीपी
3	जनसंख्या के लिए फुटवियर डिजाइन: मधुमेह समाधान पर ध्यान केंद्रित		श्री सजल सांगोले छात्र, बी. डिजाइन, एफडीपी

4	सीमा से परे स्ट्राइडिंग: अगली पीढ़ी के कपड़ों एवं फुटवियर में स्मार्ट सामग्री का एक	श्री प्रशांत कुमार सक्सेना संकाय, फुटवियर डिजाइन	श्री सिमरंत बघेल छात्र, बी. डिजाइन, एफडीपी
5	फुटवियर रिटेल में डिजिटल परिवर्तन: ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म		श्री मोहित विश्वकर्मा छात्र, बी.डिजाइन, एफडीपी
6	ए.आई. फुटवियर उद्योग में: उत्पाद डिजाइन में उद्योग **4.0** का प्रभाव		सुश्री नंदिनी खाटारकर छात्र, बी. डिजाइन, एफडीपी
7	सस्टेनेबल फैशन, फुटवियर तथा चमड़े के सामान एवं कपड़ों में सामग्री नवाचार: एक क्रॉस-इंडस्ट्री		सुश्री टीना खंडात छात्र, बी. डिजाइन, एफडी
8	पर्यावरण चुनौतियों और नवाचार के लिए फुटवियर डिजाइन		श्री गर्वित ठाकुर छात्र, बी.डिजाइन, एफडीपी
9	फुटवियर के लिए सतत सामग्री: एक व्यापक समीक्षा और विश्लेषण	डॉ. पंकज दुबे संकाय, फुटवियर	सुश्री शिफा मंसूरी छात्र, बी.डिजाइन, एफडीपी
10	फुटवियर उद्योग से अपशिष्ट सामग्री का पुनर्चक्रण		सुश्री साक्षी पाठे छात्र, बी.डिजाइन, एफडीपी
11	नवाचारों पर डिजाइन सोच का प्रभाव: उत्पाद डिजाइन उद्योगों पर अंतर्दृष्टि दृश्य	श्री प्रशांत कुमार सक्सेना संकाय, फुटवियर डिजाइन	

एफडीडीआई छिंदवाड़ा के शोध समूह की सफलता संस्थान के भीतर पनपने वाली सहयोगी भावना को रेखांकित करती है। संकाय की विशेषज्ञता और छात्रों के नए दृष्टिकोण एक तालमेल बनाने के लिए परिवर्तित हुए जिसके परिणामस्वरूप प्रभावशाली अनुसंधान योगदान हुआ।

एफडीडीआई, हैदराबाद और लेप्रा सोसायटी के बीच परिवर्तनकारी समझौता

स्वास्थ्य सेवा और फैशन की दुनिया को जोड़ने वाले एक ऐतिहासिक समझौते में, एफडीडीआई, हैदराबाद और लेप्रा सोसाइटी ने 21 नवंबर, 2023 को एफडीडीआई हैदराबाद परिसर में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

लेप्रा सोसाइटी कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 1989 में स्थापित एक गैर-सरकारी संगठन है। इसकी रणनीतिक प्राथमिकताओं में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना, प्रत्यक्ष सेवाएं प्रदान करना, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना, व्यक्तियों को सशक्त बनाना और महिलाओं एवं बच्चों के लिए समानता को बढ़ावा देना शामिल है।

एफडीडीआई का प्रतिनिधित्व करते हुए, एफडीडीआई हैदराबाद के कार्यकारी निदेशक (ईडी) डॉ नरसिम्हुगरी तेज लोहित रेड्डी, आईएएस ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। लेप्रा सोसाइटी की ओर से, मुख्य कार्यकारी श्री प्रशांत नाइक ने तथा दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

डॉ नरसिम्हुगरी तेज लोहित रेड्डी, आईएएस, ईडी - एफडीडीआई हैदराबाद और श्री प्रशांत नाइक, मुख्य कार्यकारी, लेप्रा सोसाइटी

समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान

स्वास्थ्य पेशेवरों तथा विकलांग व्यक्तियों दोनों को लाभान्वित करने की प्रतिबद्धता, नवाचार एवं समावेशिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जो विकलांग सहायता में प्रभावशाली और परिवर्तनकारी पहल के लिए मंच तैयार करता है समझौता ज्ञापन का मुख्य आधार है।

समझौता हस्ताक्षर समारोह एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतीक था क्योंकि एफडीडीआई हैदराबाद और लेप्रा सोसाइटी विभिन्न क्षेत्रों से आते हैं -फुटवियर डिजाइन एवं सामाजिक कल्याण -एक साथ आए। यह सहयोग पारंपरिक सीमाओं को पार करते हुए चिकित्सा फुटवियर और विकलांगता समर्थन के परिदृश्य में क्रांति लाने की क्षमता रखता है।

एफडीडीआई, रोहतक ने अपना 5वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया

एफडीडीआई, रोहतक ने 25 नवंबर 2023 को अपना 5वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया।

श्री वेरिन्दर कुमार -वीपी-मैन्युफैक्चरिंग, मेसर्स रिलैक्सो फुटवियर लिमिटेड, दीक्षांत समारोह के दौरान 'मुख्य अतिथि' थे, जबकि श्री सचिन -उप निदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण, श्री भूषण सिंघल -मेसर्स रिलैक्सो फुटवियर्स लिमिटेड में सीनियर जनरल मैनेजर-वर्क्स और श्री कुलदीप कुमार – अध्यक्ष, बिड़ला इंटरनेशनल स्कूल 'गेस्ट ऑफ ऑनर' में शामिल थे।

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन

गणमान्य व्यक्तियों के साथ स्नातक छात्र

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन और स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन के कुल 61 छात्रों को उपाधि प्रदान की गई।

श्री वेरिन्दर कुमार, 'मुख्य अतिथि' और श्री सचिन, 'गेस्ट ऑफ ऑनर' ने अपने भाषण में सभी छात्रों को उनकी उपलब्धियों पर हार्दिक बधाई दी।

ग्लोफोरमैक्स, इटली के सहयोग से सीओई-एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 'फ्यूचर ऑफ लेदर इंडस्ट्री इन मैन्युफैक्चरिंग एक्सीलेंसी' पर संगोष्ठी आयोजित की गई

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग और ज्ञान के आदान प्रदान को बढ़ावा देने और अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा और विशेषज्ञता प्रदान करने की दृष्टि से, एफडीडीआई कोलकाता में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ने 14 नवंबर 2023 को 'फ्यूचर ऑफ लेदर इंडस्ट्री इन मैन्युफैक्चरिंग एक्सीलेंसी' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

यह चमड़े के उत्पादों में एक इटेलियन परामर्श फर्म ग्लोफोरमैक्स के सहयोग से, सीओई भवन में चमड़े के सामान उद्योग और एफडीडीआई कोलकाता के संकायों के लिए आयोजित किया गया था।

संगोष्ठी का उद्देश्य इस बात की जानकारी प्रदान करना था कि प्रौद्योगिकी किस तरह का व्यवधान लाई है और हम कैसे बदलाव ला सकते हैं।

क्र.सं.	विशेषज्ञ	जानकारी दी गई
1	श्री पाओलो, ग्लोफोरमैक्स, इटली के एक प्रसिद्ध सलाहकार	चमड़े को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए इटली में वर्तमान तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।
2	श्री मास्सिमो, ग्लोफोरमैक्स, इटली के एक प्रोडक्शन इंजीनियर, (डाई और नाईफ पर विशेषज्ञता)	बैग बनाने की नवीनतम तकनीक के उपयोग का प्रदर्शन किया गया, ताकि उत्पादन में लगने वाले समय को कम किया जा सके और उत्पादों को लागत प्रभावी बनाया जा सके।
3	श्री संजय सेन, ग्लोफोरमैक्स , के एक भागीदार जो भारत में ग्लोफोरमैक्स , भारत नामक एक कंपनी स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं	भारतीय कंपनी के उद्देश्यों के बारे में बताया गया। ए. अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों और भारतीय निर्माताओं के बीच एक सेतु के रूप में काम करना ; बी. प्रक्रिया प्रवाह नियंत्रण-प्रक्रिया समय अध्ययन के हमारे सुझावों के साथ समय और दक्षता का अनुकूलन करने के लिए भारतीय निर्माताओं की सहायता करना।

इस संगोष्ठी का उद्देश्य उत्कृष्टता विनिर्माण में भाग लेने वाले संगठनों की क्षमता का आकलन करना था, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कोलकाता का चमड़ा सामान उद्योग उन बड़े ब्रांडों से नए व्यवसाय को आकर्षित करने में सक्षम हो सकता है जो अपना आधार चीन से भारत में स्थानांतरित कर रहे हैं।

श्री पाओलो (ऑनलाइन) चमड़े के फिनिश में विनिर्माण उत्कृष्टता पर सभा को संबोधित करते हुए

जीएलफोरमैक्स के प्रतिनिधि श्री मासिमो और श्री संजॉय सेन प्रस्तुति देते हुए

संगोष्ठी में कोलकाता के प्रसिद्ध लेदर गुड्स एक्सपोर्ट हाउस के 20 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर के छात्रों ने निफ्ट, जोधपुर में आयोजित 'इंटर-कॉलेज वाद-विवाद प्रतियोगिता' में तीसरा स्थान हासिल किया

सतर्कता जागरूकता सप्ताह की भावना में, निफ्ट जोधपुर ने 9 नवंबर 2023 को निफ्ट, जोधपुर ऑडिटोरियम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रायोजित एवं साहित्यिक क्लब द्वारा समन्वित एक शानदार 'इंटर-कॉलेज वाद-विवाद प्रतियोगिता' का आयोजन किया।

एफडीडीआई जोधपुर के छात्र, बी.डेस-फैशन डिजाइन-2020 बैच की सुश्री कस्तूरी सक्सेना और सुश्री अदिति सिंह ने "क्या उन्नत तकनीकें शासन में क्रांति ला सकती हैं और भ्रष्टाचार को कम कर सकती हैं" विषय पर उत्साहपूर्वक विचार-विमर्श किया और अपने तथ्यों एवं तर्कों से निर्णायकों एवं दर्शकों को प्रभावित किया।

एफडीडीआई के छात्रों ने सम्मानित निर्णायकों द्वारा दिए गए अपने मूल्यांकन एवं रेटिंग के अनुसार अपने जुनून के साथ तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि निफ्ट विजेता टीम थी और आईआईटी ने दूसरे स्थान का दावा किया। उनके व्यावहारिक तर्कों का प्रदर्शन करते हुए, डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय ने प्रोत्साहन पुरस्कार हासिल किया।

इंटर कॉलेज वाद-विवाद प्रतियोगिता' का एक दृश्य

सुश्री कस्तूरी सक्सेना और सुश्री अदिति सिंह पुरस्कार प्राप्त करते हुए

विजेताओं को मुख्य अतिथि और निदेशक निफ्ट जोधपुर डॉ. जी.एच.एस.प्रसाद और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव रंजन सहाय द्वारा नकद पुरस्कार और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

फुरसतगंज परिसर में 'फुटवियर एडेसिव एंड केमिकल्स' पर तकनीकी सत्र का आयोजन

फुटवियर निर्माण में विभिन्न सामग्रियों से तैयार किए गए विभिन्न कंपोनेन्टों को बदलने तथा संयोजन करने की आवश्यक प्रक्रिया शामिल होती है, जहां अलग-अलग चिपकने वाले पदार्थ और रसायन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके बिना, जूते में अपने इच्छित आकार और संरचनात्मक समग्रता दोनों का अभाव होगा।

इसके अनुरूप, फुटवियर एडेसिव और रसायनों में नए विकास तथा प्रौद्योगिकियों पर जानकारी प्रदान करने के लिए, छात्रों के लिए 6 नवंबर, 2023 को एफडीडीआई फुरसतगंज परिसर में 'फुटवियर एडेसिएटेड एंड केमिकल्स' पर एक सूचनात्मक तकनीकी सत्र आयोजित किया गया था।

फुटवियर एडेसिव और रसायन' पर तकनीकी सत्र का एक दृश्य

यह हेंकेल एडहेसिव टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित किया गया था, जिसके दौरान श्री टीएस एलंगो और श्री बृजेश शर्मा, जो हेंकेल में तकनीकी प्रबंधक, भारत, ने फुटवियर उद्योग में एडेसिव और रसायनों के महत्व के बारे में बताया।

उन्होंने ऐसे रसायनों के बारे में बताया जो पर्यावरण के अनुकूल हैं जिनका अनुप्रयोग भी आसान है जो निर्माताओं की उत्पादकता को बढ़ाता है और लागत को भी कम करता है।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'जनरेटिव एआई चेंजिंग क्रिएटिव वर्कफ़्लो' और 'डिज़ाइन थिंकिंग' पर कार्यशाला आयोजित की गई

एफडीडीआई, नोएडा में स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज़ डिज़ाइन (एलजीएडी) ने डिजिटल कक्षा में दो व्यावहारिक कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसके दौरान अन्य परिसरों के छात्र और संकाय डिजिटल कक्षा सुविधाओं के माध्यम से जुड़े हुए थे।

क्र.सं.	विषय	वक्ता	दिनांक
1	जनरेटिव एआई चेंजिंग क्रिएटिव वर्कफ़्लो	सुश्री उर्वशी गुप्ता, निदेशक-डब्ल्यूजीएसएन	3 नवंबर, 2023
2	डिजाइन थिंकिंग	श्री विशाल श्रीवास्तव - रिसर्च स्कॉलर आईआईटी, दिल्ली	31 अक्टूबर, 2023

'जनरेटिव एआई चेंजिंग क्रिएटिव वर्कफ़्लो' पर कार्यशाला के दौरान, सुश्री उर्वशी गुप्ता, निदेशक-डब्ल्यूजीएसएन ने इस बात की जानकारी प्रदान की कि एआई एल्गोरिदम विभिन्न उद्योगों में रचनात्मकता की सहायता और वृद्धि कैसे कर सकता है। उर्वशी की विशेषज्ञता और व्यावहारिक जानकारी ने कला और प्रौद्योगिकी के संलयन पर मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान किया।

'जनरेटिव एआई चेंजिंग क्रिएटिव वर्कफ़्लो' पर कार्यशाला का एक दृश्य

'डिजाइन थिंकिंग' कार्यशाला

'डिजाइन थिंकिंग' पर कार्यशाला के दौरान, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली के एक रिसर्च स्कॉलर श्री विशाल श्रीवास्तव ने डिजाइन थिंकिंग, सहानुभूति, नवाचार और उपयोगकर्ता-केंद्रित डिजाइन पर जोर देते हुए, मूल सिद्धांतों के बारे में जानकारी दी।

एफडीडीआई के संकाय, हैदराबाद परिसर द्वारा लिखित पुस्तक प्रकाशित

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के एक संकाय सदस्य श्री लोगनाथन टी ने हाल ही में आईएसबीएन: 9788196581244 वाली 'रिसर्च मेथोडोलॉजी एंड स्टैटिस्टिकल एनालिसिस' नामक एक पुस्तक लिखी है।

उनके 12 शोध पत्र प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं, जिनमें बायोडिग्रेडेबिलिटी, टैनिंग सिस्टम, स्पोर्ट्स फुटवियर, पर्यावरण विज्ञान, चमड़े के बारे में मूल्यांकन अध्ययन आदि जैसे विषय शामिल हैं। उन्होंने एक वक्ता के रूप में पांच अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है और रोबोट सिस्टम में अपने शोध से पहले मलेशिया और चीन में औद्योगिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया है। उन्होंने इनसोल के आधार पर विभिन्न नई सोलिंग सामग्री तथा नई फुटवियर निर्माण तकनीकों का भी आविष्कार किया।

यह पुस्तक अनुसंधान प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के माध्यम से शोधकर्ताओं का मार्गदर्शन करती है, शोध प्रश्नों को तैयार करने से लेकर उपयुक्त पद्धतियों का चयन करने और डेटा एकत्र करने तक। यह अनुभवजन्य निष्कर्षों से सार्थक निष्कर्ष निकालने में सांख्यिकीय विश्लेषण की भूमिका पर प्रकाश डालता है, पाठकों को मात्रात्मक अनुसंधान विधियों में एक ठोस आधार प्रदान करती है।

श्री लोगनाथन.टी, संकाय, एफडीडीआई हैदराबाद

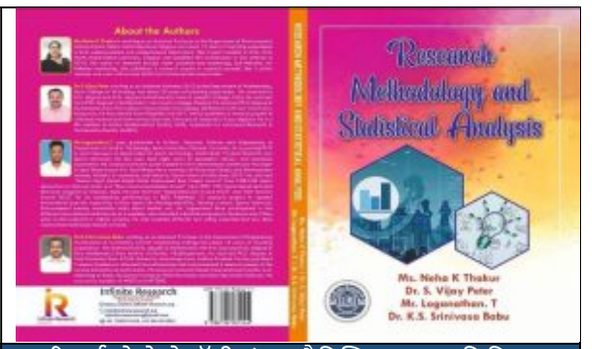

'रिसर्च मेथोडोलॉजी एंड स्टैटिस्टिकल एनालिसिस' नामक पुस्तक का आवरण पृष्ठ

हैदराबाद और बीआईएस एचवाईबीओ के सहयोग से 'छात्रों के लिए बीआईएस स्टैंडर्ड क्लब' का उद्घाटन किया गया

युवाओं के बीच मानकों के बारे में जागरूकता और प्रशंसा को बढ़ावा देने के लिए' छात्रों के लिए बीआईएस मानक क्लब', (स्वीकृत आईडी: एससी-8240) का उद्घाटन 27 अक्टूबर, 2023 को एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद शाखा कार्यालय (एचवाईबीओ) के सहयोग से किया गया था।

डॉ. नरसिम्हुगरी तेज लोहित रेड्डी, आईएएस, कार्यकारी निदेशक (ईडी), एफडीडीआई हैदराबाद और श्री केवी राव, वरिष्ठ निदेशक, बीआईएस एचवाईबीओ, इस उद्घाटन सत्र के मुख्य व्यक्ति थे।

एफडीडीआई हैदराबाद में नवगठित बीआईएस स्टैंडर्ड क्लब एक रोमांचक विकास है, जिसमें विभिन्न शैक्षणिक विभागों के बीस उत्साही छात्र शामिल हैं। स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), हैदराबाद के वरिष्ठ संकाय सदस्य भी क्लब का एक अभिन्न अंग हैं, जिसका उद्देश्य समाज के युवा सदस्यों को जीवन की गुणवत्ता में सुधार में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूक करना है।

डॉ. नरसिम्हुगरी तेज लोहित रेड्डी, आईएएस, ईडी, एफडीडीआई हैदराबाद और श्री केवी राव, बीआईएस एचवाईबीओ के वरिष्ठ निदेशक

ल्यूसिड लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद में बीआईएस एचवाईबीओ अधिकारियों के साथ छात्रों के लिए बीआईएस स्टैंडर्ड क्लब के सदस्य

इसके बाद, 07 नवंबर, 2023 को, 'बीआईएस स्टैंडर्ड क्लब फॉर स्टूडेंट्स' के सदस्यों के लिए हैदराबाद के एक प्रसिद्ध प्रतिष्ठान ल्यूसिड लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड में एक प्रदर्शन दौरे का आयोजन किया गया, जो गुणवत्ता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और राष्ट्रीय मानकों के पालन के लिए जाना जाता है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) पहल के एक भाग के रूप में, इस दौरे ने छात्रों के लिए एक पेशेवर सेटिंग में मानकों के वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों को देखने के लिए एक मूल्यवान अवसर के रूप में कार्य किया।

यात्रा के दौरान, छात्रों को ल्यूसिड प्रयोगशालाओं में अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं का अवलोकन करने का सौभाग्य मिला। उन्हें विभिन्न गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं के माध्यम से समझाया गया और उत्पादों की सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका देखी गई। लैब तकनीशियनों ने अपनी विशेषज्ञता और जानकारी साझा की, जो मानकों के पालन के महत्व और उद्योग में गुणवत्ता और सुरक्षा पर इसके सकारात्मक प्रभाव की व्यापक जानकारी प्रदान करते हैं।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में आयोजित 'खुदरा सॉफ्टवेयर में प्रबंधकीय दृष्टिकोण' पर वेबिनार

ग्राहकों और विक्रेताओं दोनों के लिए रिटेल सॉफ्टवेयर में प्रबंधकीय दृष्टिकोण का लाभ उठाने का तरीका जानने के लिए 07 नवंबर, 2023 को एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में स्कूल ऑफ रिटेल एंड फैशन मर्चेंडाइज (आरएफएम) द्वारा एक व्यावहारिक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसके दौरान भारती एयरटेल लिमिटेड के स्टोर मैनेजर श्री सूरज सिंह को विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

उन्होंने चालान बनाना, इन्वेंट्री प्रबंधन, ग्राहक संबंध प्रबंधन और विक्रेता प्रबंधन के लिए खुदरा क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न सॉफ्टवेयरों के बारे में बताया। उन्होंने एकीकृत पीओएस सॉफ्टवेयर, इसकी उपयोगिता, बिक्री रिपोर्ट तैयार करना और निष्कर्ष प्राप्त करने, सॉफ्टवेयर पर बिक्री खिड़की आदि जैसे विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्रदान की।

डिजिटल क्लासरूम के माध्यम से एफडीडीआई नोएडा, छिंदवाड़ा और हैदराबाद कैंपस के छात्र भी वेबिनार में शामिल हुए।

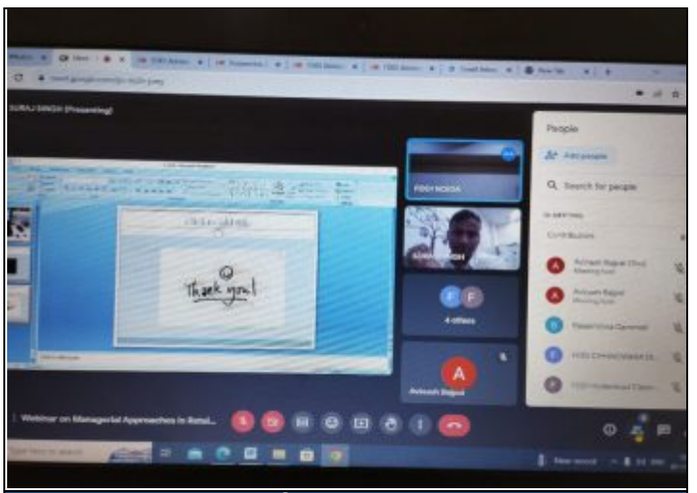

वेबिनार जारी

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में 'खादी और रचनात्मक उत्पादों' की प्रदर्शनी आयोजित

परंपरा और नवीनता के सार को उजागर करने वाली जीवंत और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध 'खादी और रचनात्मक उत्पादों' की एक प्रदर्शनी 07 नवंबर 2023 को चंडीगढ़ (बनूर) परिसर में आयोजित की गई थी। यह कार्यक्रम स्थानीय समुदाय के लोगों के लिए खुला था।

खादी और रचनात्मक उत्पाद' की प्रदर्शनी का एक दृश्य

प्रदर्शनी में आगंतुक

एफडीडीआई, बनूर परिसर के छात्रों द्वारा डिजाइन और विकसित रचनात्मक उत्पादों में कपड़े, सामान, घर की सजावट इत्यादि शामिल हैं, जो भारत के कपड़े खादी की समृद्ध विरासत एवं समकालीन अनुकूलन को प्रदर्शित करते हैं। एसडी कॉलेज और आईटीआई, बनूर के छात्रों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और उनके द्वारा विकसित उत्पादों का प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनी में आने वाले आगंतुक प्रदर्शन पर खादी उत्पादों की विविध श्रंख्ला से मोहित थे। उत्साह केवल ग्राहकों तक ही सीमित नहीं था; आसपास के विभागों के अधिकारियों ने भी गहरी रुचि के साथ स्टॉल का दौरा किया, जटिल शिल्प कौशल और रचनात्मक तथा खादी उत्पादों के पीछे सतत अभ्यास की जानकारी हासिल की।

एफडीडीआई, चेन्नई के छात्र ने चीन के ग्वांगझू में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फुटवियर डिजाइन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता

एफडीडीआई चेन्नई परिसर के बी. डेस फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन बैच के अंतिम वर्ष के छात्र श्री मोहम्मद रेयान ने चीन के गुआंगज़ौ में आयोजित फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग पर 31 वीं अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी के दौरान अंतर्राष्ट्रीय फुटवियर एसोसिएशन परिसंघ द्वारा आयोजित 12 वीं अंतर्राष्ट्रीय फुटवियर डिजाइन प्रतियोगिता में चिल्ड्रन शू श्रेणी में द्वितीय रनर अप पुरस्कार जीता।

'द सनराइज'

श्री मोहम्मद रेयान को योग्यता प्रमाण पत्र दिया गया

'द सनराइज' – एक जूता डिजाइन जिसे श्री मोहम्मद द्वारा पक्कर लेदर एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में इंटर्नशिप के दौरान डिजाइन एवं विकसित किया गया है, ने प्रदर्शनी के दौरान पुरस्कार जीता जो जूता और चमड़े के उद्योग के लिए सबसे महत्वपूर्ण और प्रमुख घटनाओं में से एक है।

रेसोल्यूटआईपी, हैदराबाद के सहयोग से एफडीडीआई, हैदराबाद में 'आईपीआर अनिवार्यता: अंडरस्टैंडिंग एंड सेफ गार्डिंग योर इनोवेशन एंड क्रिएटिव वर्क्स' पर संगोष्ठी आयोजित की गई

3 नवंबर, 2023 को एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'आईपीआर अनिवार्यता: अंडरस्टैंडिंग एंड सेफ गार्डिंग योर इनोवेशन एंड क्रिएटिव वर्क्स' पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

यह स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), हैदराबाद परिसर द्वारा रेसोल्यूटआईपी, हैदराबाद के सहयोग से बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के महत्वपूर्ण महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, जिसमें पेटेंट, ट्रेडमार्क, औद्योगिक डिजाइन, व्यापार रहस्य, भौगोलिक संकेत और कॉपीराइट जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया था।

श्री सुभाजीत साहा, कानूनी और आईपीआर के प्रमुख, रिसोल्यूट ग्रुप ऑफ कंपनीज मुख्य वक्ता थे। उन्होंने हैदराबाद में सीआईआई के निदेशक और प्रमुख के रूप में आईपीआई, नीति वकालत एवं सभी क्षेत्रों में क्षमता निर्माण पर काम किया है। उन्हें भारत में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु से जीआई पंजीकरण के लिए कई हस्तशिल्प और कपड़ा उत्पादों की सुरक्षा में एमएसएमई और कारीगरों के साथ काम करने का अनुभव भी है।

मुख्य वक्ता: श्री सुभाजीत साहा प्रस्तुति देते हुए

संगोष्ठी में भाग लेते छात्र और संकाय

श्री सुभाजीत ने एक व्यापक प्रस्तुति दी जिसमें विभिन्न उद्योगों में फैले समकालीन बौद्धिक संपदा मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। उनकी बातचीत में बौद्धिक संपदा के मूल सिद्धांतों, अमूर्त संपत्ति का महत्व, आईपीआर की आवश्यकता, बौद्धिक संपदा की विभिन्न श्रेणियां, औद्योगिक डिजाइन और एक ही उत्पाद से जुड़े कई आईपी की जटिल दुनिया शामिल थी। उन्होंने नाइके, ऐप्पल और ग्रीनसोल जैसी प्रसिद्ध कंपनियों के उदाहरणों का उपयोग करके आईपीआर की उपेक्षा के वास्तविक दुनिया के प्रभावों को चित्रित किया। इन केस अध्ययनों ने आंखें खोलने का काम किया और भविष्य के उद्यमियों और डिजाइनरों के लिए बौद्धिक संपदा संरक्षण के महत्व पर जोर दिया।

एफडीडीआई, अंकलेश्वर और एफडीडीआई, फुरसतगंज ने अपना दीक्षांत समारोह आयोजित किया

एफडीडीआई, अंकलेश्वर और एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर के उत्तीर्ण छात्रों ने अपने संबंधित परिसरों में आयोजित दीक्षांत समारोह के दौरान अपनी स्नातक और परास्नातक की उपाधि प्राप्त की। यह एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर का 5 वां दीक्षांत समारोह और एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर का तीसरा दीक्षांत समारोह था।

क्र.सं.	परिसर	मुख्य अतिथि	विशेष अतिथि	दीक्षांत समारोह की तिथि	छात्रों की संख्या
1	अंकलेश्वर	डॉ. किशोरसिंह एन. चावड़ा, माननीय कुलपति, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय (वीएनएसजीयू)	श्री राकेश राय, निदेशक पी.पी. सवानी ग्रुप	1 नवंबर, 2023	15
2	फुर्सतगंज	सुश्री सुनंदा सिंह, निदेशक- रेड टेप लिमिटेड	श्री निर्भय कपूर, प्रबंध - नाइनक नैनोटेक प्राइवेट लिमिटेड, कानपुर	20 अक्टूबर, 2023	70

दीक्षांत समारोह एफडीडीआई के दोनों परिसरों में मुख्य अतिथि द्वारा औपचारिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ एफडीडीआई के अधिकारियों और स्नातक बैच, पूरे छात्र तथा कर्मचारी एवं मीडियाकर्मियों की उपस्थिति में आरंभ हुआ।

एफडीडीआई अंकलेश्वर परिसर में मुख्य अतिथि, दीप प्रज्ज्वलित करते हुए

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर के उत्तीर्ण छात्र

एफडीडीआई, अंकलेश्वर परिसर में 'मुख्य भाषण' देते हुए, डॉ. किशोरसिंह एन. चावड़ा, माननीय कुलपति, वीएनएसजीयू ने छात्रों से डिजाइन क्षेत्र के लिए काम की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अनुसंधान एवं विकास कार्य करने का आग्रह किया।

मेधावी छात्र जो अपने संबंधित परिसरों में अपने संबंधित कार्यक्रम में प्रथम स्थान पर रहे, उन्हें स्वर्ण पदक और शिक्षाविदों में 'उत्कृष्टता प्रमाण पत्र' से सम्मानित किया गया।

सुश्री सुनंदा सिंह, निदेशक -रेड टेप लिमिटेड ने एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर में अपने 'मुख्य संबोधन' में कहा कि "भारत आने वाले वर्षों में अगला विनिर्माण केंद्र होगा और फुटवियर में इसका बड़ा हिस्सा होने जा रहा है। फुटवियर टेक्नोलॉजिस्ट को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए और यह तभी हो सकता है जब हमारे छात्र पर्याप्त कुशल हों।

दीक्षांत समारोह के दौरान उपाधि प्राप्त करते स्नातक छात्र

एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर से उत्तीर्ण छात्र

समारोह में फुटवियर, चमड़ा सामान, फैशन उद्योग और उभरते खुदरा क्षेत्र के दिग्गजों की उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ी।

एफडीडीआई, कोलकाता ने 'खादी महोत्सव' मनाया गया

26 अक्टूबर 2023 को खादी ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) कोलकाता के सहयोग से एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में एक दिवसीय 'खादी महोत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का विषय 'आत्मनिर्भर भारत ', 'स्वदेशी' और 'वोकल फॉर लोकल' से संबंधित रहा।

कार्यक्रम के दौरान 'खादी महोत्सव' पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसे केवीआईसी, कोलकाता के सहायक निदेशक श्री एपी चोबिन ने संबोधित किया। श्री सुनील कुमार, कार्यकारी निदेशक (ईडी), एफडीडीआई, कोलकाता और श्री अभिनव कुमार मिश्रा, कार्यकारी तकनीकी, केवीआईसी, कोलकाता भी उपस्थित थे।

संगोष्ठी का एक दृश्य

प्रदर्शनी-सह-बिक्री

अपने 'मुख्य भाषण' में श्री ए. पी. चोबिन ने कहा "खादी केवल एक कपड़ा नहीं है, यह राष्ट्र, फैशन एवं परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है। खादी स्वतंत्रता संग्राम का ताना-बाना है और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने बेरोजगार ग्रामीण आबादी को रोजगार प्रदान करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के साधन के रूप में खादी की अवधारणा विकसित की थी।

संगोष्ठी में एफडीडीआई, कोलकाता के सभी कार्मिकगण छात्रों के साथ-साथ पड़ोसी क्षेत्रों के लोगों ने भाग लिया। सहमति से प्रतिज्ञा, रैली और प्रदर्शनी-सह-बिक्री का भी आयोजन किया गया।

एफडीडीआई रोहतक परिसर में आनंददायक सेमिनार का आयोजन

फुटवियर और फैशन उद्योग तेजी से विकास और परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और छात्रों को अद्यतन जानकारी प्रदान करने के लिए, एफडीडीआई, रोहतक परिसर में दो व्यावहारिक सेमिनार आयोजित किए गए।

क्र.सं.	विषय	वक्ता	तिथि
1	फुटवियर एवं कपड़ा उद्योग में धागे के अनुप्रयोग	श्री बिमल पांडे– एजीएम, सेल्स एंड मार्केटिंग, थ्रेड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (उत्तर)	17 अक्टूबर, 2023
2	फुटवियर और कपड़ा उद्योगों के लिए नवोन्मेषी और टिकाऊ बॉन्डिंग समाधान	श्री बृजेश शर्मा- एप्लीकेशन इंजीनियर, हेनकेल एडहेसिव टेक्नोलॉजीज इंडिया प्रा.	18 अक्टूबर, 2023

श्री बिमल पांडे ने फुटवियर एवं परिधान उद्योग में धागे की बढ़ती भूमिका के बारे में जानकारी दी और प्रदर्शन के माध्यम से धागे के प्रकार, धागों की संख्या की गणना, धागे के बीच अंतर, धागे बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल के बारे में बताया, उन्होंने चमड़े, फुटवियर एवं विभिन्न कपड़ों जैसे विभिन्न उत्पादों के लिए धागे का चयन करते समय ध्यान रखने वाले मानदंडों के बारे में भी जानकारी साझा की।

संगोष्ठियों का आयोजन प्रतिभागियों को प्रतिस्पर्धात्मकता और दक्षता बढ़ाने के लिए उन्नत तकनीकों और समाधानों का उपयोग करने के तरीके सीखने के लिए मूल्यवान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया

श्री बृजेश शर्मा, एप्लीकेशन इंजीनियर ने बॉन्डिंग सॉल्यूशंस के पीछे के विज्ञान के बारे में बताया। उन्होंने वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (वीओसी) के बारे में जानकारी दी और आज की पर्यावरण के प्रति जागरूक दुनिया में फुटवियर के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने यह भी बताया कि कपड़ा क्षेत्र टिकाऊ समाधानों में मूल्यवान जानकारी प्रदान करता है, जो उद्योग में तेजी से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं।

फुटवियार और वस्त्र उद्योग में धागे के अनुप्रयोग पर संगोष्ठी में भाग लेने वाले प्रतिभागी

फुटवियर और टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के लिए इनोवेटिव एंड सस्टेनेबल बॉन्डिंग सॉल्यूशंस पर सेमिनार का एक दृश्य

सेमिनार ने प्रतिभागियों को उत्पादकता और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार के लिए ज्ञान प्राप्त करने में मदद की।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा के संकाय को 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' के लिए डिजाइन पेटेंट प्रदान किया गया

एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर में स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के संकाय श्री प्रशांत कुमार सक्सेना को 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: - फुटवियर, ऑटोमोबाइल आदि जैसे कुशल श्रमिकों के लिए लॉजिस्टिक प्रबंधन प्रणाली के लिए सक्षम सुविधाएं' शीर्षक के लिए पेटेंट अनुदान प्राप्त हुआ है।

श्री प्रशांत कुमार सक्सेना, संकाय, एफडीपी

शीर्षक एक ऐसी प्रणाली का सुझाव देता है जो भारी उद्योगों में सुविधाओं के प्रबंधन में सुधार के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति का उपयोग करती है। यह एक आगे की सोच वाली अवधारणा है जो औद्योगिक

सेटिंग्स में बढ़ी हुई दक्षता, सुरक्षा और लागत-प्रभावशीलता जैसे कई लाभ प्रदान कर सकती है। एआई का उपयोग सुविधाओं के सुचारू कामकाज और कुशल श्रमिकों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए पूर्वानुमान रखरखाव ,कार्यबल अनुकूलन और डेटा-संचालित निर्णय लेने में मदद कर सकता है। यह शीर्षक सिस्टम के उद्देश्य और लक्षित दर्शकों का एक स्पष्ट अवलोकन प्रदान करता है, जिससे यह मूल विचार को संप्रेषित करने का एक प्रभावी तरीका बन जाता है।

लॉजिस्टिक प्रबंधन के लिए ऑटोमोबाइल, फुटवियर आदिजैसे भारी उद्योगो ं की आवश्यकता को समझते हुए डिजाइन पेटेंट दायर किया गया था जिसे सफलतापूर्वक प्रदान किया गया है, डिजाइन संख्या 392134-001 दिनांक 18.10.2023 है जिसके लिए पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार द्वारा 'डिजाइन पेटेंट के पंजीकरण का प्रमाण पत्र' जारी किया गया।

अपर सचिव, डीपीआईआईटी, भारत सरकार ने एफडीडीआई, चेन्नई परिसर और अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र का दौरा किया

श्री राजीव सिंह ठाकुर, आईएएस, अपर सचिव (एएस), उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), भारत सरकार ने21 अक्टूबर, 2023 को एफडीडीआई , चेन्नई परिसर और अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र का दौरा किया।

एएस, डीपीआईआईटी का एफडीडीआई, चेन्नई में स्वागत करते हुए

एएस, डीपीआईआईटी आईटीसी, चेन्नई का दौरा करते हुए

इस अवसर पर, श्री पंकज कुमार सिन्हा, सचिव/एमडी , एफडीडीआई, केंद्र प्रभारी, एफडीडीआई चेन्नई और संस्थान के कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया।

एएस, डीपीआईआईटी ने भौतिक और रासायनिक प्रयोगशाला वाले एफडीडीआई के अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) का दौरा किया और इसके द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न परीक्षण-सह-गुणवत्ता नियंत्रण सेवाओं को देखा।

उन्होंने सुझाव दिया कि चूंकि भारत सरकार ने चमड़ा एवं फुटवियर क्षेत्र के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) जारी किया है, इसलिए आईटीसी के लिए इसका लाभ उठाने का अवसर है। उन्होंने आगे कहा कि अपनी नई उन्नत मशीनों के साथ, आईटीसी परीक्षण, निरीक्षण में सुधार और संचालन करने के लिए सुसज्जित है ताकि गुणवत्ता वाले फुटवियर के उत्पादन को बढ़ाने और वैश्विक बाजारों में भारतीय ब्रांडों की स्थापना में मदद मिल सके।

चेन्नई परिसर में अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने फुटवियर और फैशन डिजाइन विभाग की कार्यशालाओं, आधुनिक अत्याधुनिक मशीनरी से लैस फुटवियर डिजाइन के लिए सीओई ,भवन डिजाइन स्टूडियो, सीएडी-सीएएम लैब, डिजिटल क्लासरूम आदि का निरीक्षण किया और छात्रों द्वारा डिजाइन तथा विकसित फुटवियर और कपड़ों की भी समीक्षा की।

श्री मोहम्मद रेयान- एफडीडीआई चेन्नई परिसर के बी.डेस फुटवियर डिज़ाइन एवं प्रोडक्शन बैच के अंतिम वर्ष के छात्र को अपर सचिव, डीपीआईआईटी, सम्मानित करते हुए

एएस, डीपीआईआईटी फुटवियर उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ संवाद करते हुए

एएस, डीपीआईआईटी ने एफडीडीआई चेन्नई परिसर के बी.डेस फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन बैच के अंतिम वर्ष के छात्र श्री मोहम्मद रेयान को भी सम्मानित किया जिन्होंने गुआंगज़ौ, चीन में आयोजित फुटवियर एवं चमड़े के उद्योग पर 31 वीं अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी के दौरान कन्फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल फुटवियर एसोसिएशन द्वारा आयोजित 12 वीं अंतर्राष्ट्रीय फुटवियर डिजाइन प्रतियोगिता में बच्चों के फुटवियर श्रेणी में द्वितीय रनर अप पुरस्कार जीता।

डीपीआईआईटी ने फुटवियर उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत की, जिसने एफडीडीआई, चेन्नई परिसर और फुटवियर उद्योग के बीच मजबूत साझेदारी को बढ़ावा देने का मार्ग प्रशस्त किया।

एएस, डीपीआईआईटी क्लास रूम का दौरा करते समय छात्रों के साथ संवाद करते हुए

एएस, डीपीआईआईटी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए

डीपीआईआईटी के एएस राजीव सिंह ठाकुर को एक स्मृति चिन्ह भेंट किया, जिसे सीओई मशीनरी का उपयोग करके संकायों द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया था , जिसमें नुबक चमड़े में श्री राजीव सिंह ठाकुर की लेजर उत्कीर्ण छवि थी।

एफडीडीआई, चेन्नई के छात्र को नेवेव'23 डिज़ाइन फेस्ट में 'द मोस्ट इन्वेंटिव' अवार्ड मिला

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के बी. डेस. फैशन डिज़ाइन की छात्रा सुश्री अनास्वरा के ने 20 अक्टूबर 2023 को आरवी विश्वविद्यालय, बैंगलोर में आयोजित नेवेव'23 डिज़ाइन फ़ेस्ट में 'सस्टेनेबिलिटी थ्रू बायोमिमिक्री इन डिज़ाइन' के तहत प्रस्तुत अपने स्क्रूपाइन हैंडक्राफ्टेड प्रोजेक्ट के लिए 'द मोस्ट इन्वेंटिव' पुरस्कार प्राप्त किया।

उन्होंने स्क्रूपाइन पत्तियों का उपयोग करके हैंडक्राफ्ट उत्पाद, फुटवियर, परिधान, सहायक उपकरण विकसित किए, जिन्हें केरल में पारंपरिक कुटीर उद्योग के तहत मान्यता प्राप्त है।

सुश्री अनस्वरा के, एफडीडीआई चेन्नई परिसर की छात्रा

प्राप्त प्रमाण पत्र

अनुसंधान फैशन उद्योग में डिजाइन, तकनीक एवं स्थिरता जैसे तीन पहलुओं पर केंद्रित है, जहां शोधकर्ता स्क्रूपाइन शिल्प को अपनाकर नए विचारों के साथ आए थे, जो पारंपरिक कुटीर हस्तकला है जिसमें 800 से अधिक वर्षों का इतिहास है, डिजाइन में बायोमिमिक्री के माध्यम से स्थिरता विषय के अंतर्गत आता है।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'फुटवियर और वस्त्र उद्योगों के लिए अभिनव और सतत बंधन समाधान' पर संगोष्ठी आयोजित की गई

19 अक्टूबर 2023 को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'फुटवियर और वस्त्र उद्योग के लिए अभिनव तथा सतत बंधन समाधान विषय पर एक व्यावहारिक संगोष्ठी आयोजित की गई थी जिसका उद्देश्य एम. डेस एफडीपी और बी.डीईएस एफडीपी के छात्रों को फुटवियर एवं कपड़ा उद्योगों में चिपकने वाली प्रौद्योगिकियों में नवीनतम नवाचारों को प्रदर्शित करना था।

संगोष्ठी का एक दृश्य

उद्योग विशेषज्ञों श्री टी एस एलंगो, मैनेजर, एप्लीकेशन इंजीनियरिंग और श्री बृजेश शर्मा, हेंकेल स्पोर्ट्स एंड फैशन इंडिया के एप्लीकेशन इंजीनियर ने प्रतिभागियों को हरित उत्पादों और प्रक्रियाओं के लिए उद्योग में उपयोग किए जाने वाले टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल बंधन समाधानों और इन उद्योगों में अभिनव चिपकने के विकास एवं अनुप्रयोग में आने वाली चुनौतियों और अवसरों के बारे में जानकारी दी।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 'फोटोग्राफी' विषय पर कार्यशाला आयोजित

फैशन फोटोग्राफी, उत्पाद फोटोग्राफी और स्ट्रीट फोटोग्राफी में गहन प्रयोगात्मक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, कोलकाता परिसर के2020 बैच के छात्रों के लिए 16 से 20 अक्टूबर 2023 तक एक कार्यशाला आयोजित की गई।

श्री अखिल रंजन, मूल्यवान सुझाव देते हुए

कार्यशाला का दृश्य

पांच दिवसीय मॉड्यूल का संचालन श्री अखिल रंजन द्वारा किया गया था, जो 14 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ एक अनुभवी पेशेवर हैं, जो कई सेलिब्रिटी शूट और भारत के सबसे प्रतिष्ठित फैशन वीक में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

कार्यशाला ने ऑनलाइन रिटेल प्लेटफॉर्म के लिए अनुकूलित उत्पाद छवियों को कैप्चर करने की पेचीदगियों पर जोर दिया, जिससे छात्रों को कुशल ई-कॉमर्स फोटोग्राफी के लिए प्रयोगात्मक ज्ञान प्राप्त करना सुनिश्चित हुआ।

श्री अखिल रंजन ने कैमरा सेटिंग्स, प्रकाश तकनीक सहित फोटोग्राफी अवधारणाओं की बुनियादी बातों की जानकारी दी और प्रयोगात्मक सत्रों के दौरान इन कौशलों को सक्रिय रूप से लागू किया।

एफडीडीआई छिंदवाड़ा, चेन्नई और फुरसतगंज के संकायों के शोध पत्र विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए

एफडीडीआई छिंदवाड़ा, चेन्नई और फुर्सतगंज के स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के संकायों ने अक्टूबर 2023 की सदस्यता में आईजेआरसीएस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एकेडमिक रिसर्च (आईजेएसएआर), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड रिसर्च पब्लिकेशंस (आईजेएसआरपी), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएमआर) जैसे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित किए।

एफडीपी के संकाय श्री प्रशांत कुमार सक्सेना ने हाल ही में अक्टूबर 2023 सदस्यता में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में नवीनतम फुटवियर विकास पर चार शोध पत्र प्रकाशित करके महत्वपूर्ण प्रगति की है। उनमें से दो संयुक्त रूप से सह-लेखकों के साथ प्रकाशित किए गए थे, श्री प्रिंस जोसेफ (वरिष्ठ संकाय) और श्री मुकेश सैनी (वरिष्ठ संकाय), प्रत्येक विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों में तल्लीन थे।

ये शोध योगदान शिक्षा जगत तथा फुटवियर उद्योग में ज्ञान का खजाना लेकर आए हैं। आईजेआरसीएस, आईएसएसएन 2456-6683 में लेखक द्वारा प्रकाशित "फुटवियर का भविष्य: 3डी प्रिंटिंग की परिवर्तनकारी क्षमता की खोज" शीर्षक वाला शोध पत्र फुटवियर निर्माण प्रक्रिया में 3डी प्रिंटिंग तकनीक की गेम-चेंजिंग क्षमता की जांच करता है। उद्योग में 3 डी प्रिंटिंग के अनुप्रयोगों में यह अन्वेषण फुटवियर डिजाइन एवं उत्पादन के भविष्य के लिए रोमांचक नई संभावनाएं खोलता है। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एकेडमिक रिसर्च (आईजेएसएआर) इराक आईएसएसएन 2582-6425 में उनके द्वारा प्रकाशित "रिवोल्यूशनाइजिंग फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शनए कॉम्प्रिहेंसिव एक्सप्लोरेशन ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लिकेशन" नामक एक अन्य पेपर मेंफु टवियर उद्योग में एआई के अनुप्रयोगों पर एक व्यापक अन्वेषण किया गया है। इस बात पर प्रकाश्चालते हुए कि यह कै से डिजाइन और उत्पादन प्रक्रियाओं में क्रांति ला रहा है।

श्री प्रशांत कुमार सक्सेना, संकाय एफडीपी

शोध का विषय एवं विवरण
शीर्षक: फुटवियर का भविष्य: 3 डी प्रिंटिंग की परिवर्तनकारी क्षमता की खोज। **प्रकाशक:** इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च कल्चरल सोसाइटी (आईजेआरसीएस - 2023) आईएसएसएन: 2456-6683
शीर्षक: फुटवियर डिजाइन एवं उत्पादन में क्रांति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगों का एक व्यापक अन्वेषण। प्रकाशक: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एकेडमिक रिसर्च (आईजेएसएआर 2023) इराक आईएसएसएन: - 2582-6425
शीर्षक: पैर असामान्यताएं: प्रसार, प्रभाव और नवाचार समाधान को समझना। प्रकाशक: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड रिसर्च पब्लिकेशंस (आईजेएसआरपी - 2023) आईएसएसएन: 2250-3153
शीर्षक: स्कल्पटिंग द परफेक्ट शू: ए डीप डाइव इन एआई-संचालित फुटवियर डिजाइन और प्रोडक्शन। प्रकाशक: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएमआर 2023) आईएसएसएन: 2582-2160

तीसरा शोध पत्र "पैर की असामान्यताएं: प्रसार को समझना, प्रभाव तथा नवाचार समाधान" श्री प्रशांत कुमार सक्सेना और श्री प्रिंस जोसेफ, आईजेएसआरपी, आईएसएसएन 2250-3153 में वरिष्ठ संकाय द्वारा संयुक्त रूप से लिखा गया था, जिसमें विशेष रूप से विशिष्ट पैर की स्थिति वाले लोगों के लिए अधिक आरामदायक और सहायक फुटवियर तैयार करने के लिए बहुमुल्य जानकारी पर ध्यान केंद्रित किया गया था। चौथा शोध पत्र "स्कल्प्टिंग द परफेक्ट शू: ए

डीप डाइव इन एआई-ड्रिवेन फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन" संयुक्त रूप से श्री प्रशांत कुमार सक्सेना और श्री मुकेश सैनी, आईजेएमआर आईएसएसएन2582- 2160 में वरिष्ठ संकाय द्वारा लिखा गया था, जिसमें डिजाइन, निर्माण एवं विपणन में इसके अनुप्रयोगों पर ध्यान देने के साथ फुटवियर उद्योग में एआई की विकसित भूमिका की खोज की गई थी। यह काम एआई के क्षेत्र में भविष्य को प्रभावित करने के लिए निर्धारित है।

श्री एम.डी.प्रिंस, वरिष्ठ संकाय

प्रमाण पत्र

श्री मुकेश सैनी, वरिष्ठ संकाय

प्रमाण पत्र

ये शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड रिसर्च पब्लिकेशंस (आईजेएसआरपी) https://www.ijsrp.org/research-journal-1023.php, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एकेडमिक रिसर्च (आईजेएसएआर), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च कल्चर सोसाइटी (आईजेआरसीएस) https://ijrcs.org/volume-7-issue-10-published-in-oct-2023/, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (आईजेएमआर) पर उपलब्ध हैं https://www.ijfmr.com/publication-archive.php?volume=5&issue=5#papers-index

हैदराबाद परिसर द्वारा आयोजित 'कस्टम कम्फर्ट: द बेनिफिट्स ऑफ टेलर्ड ऑर्थोपेडिक फुटवियर' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार बिल बर्ड शूज़ लिमिटेड, इंग्लैंड के सहयोग से आयोजित हुई

आर्थोपेडिक फुटवियर डिजाइन में फायदे एवं नवाचारों का पता लगाने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर द्वारा बिल बर्ड शूज़ लिमिटेड, इंग्लैंड के सहयोग से 16 अक्टूबर, 2023 को 'कस्टम कम्फर्ट: द बेनिफिट्स ऑफ टेलर्ड ऑर्थोपेडिक फुटवियर' पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के सहयोग सेआ योजित किया गया था, जिसके दौरान तीन दशकों से अधिक के अनुभव के साथ फुटवियर उद्योग में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति श्री विलियम रॉबर्ट बर्ड 'मुख्य वक्ता' थे।

श्री विलियम रॉबर्ट बर्ड प्रस्तुति देते हुए

छात्र और संकाय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लेते हुए

मिस्टर बर्ड ने लीसेस्टर में डी मोंटफोर्ट विश्वविद्यालय में फुटवियर डिज़ाइन और इलस्ट्रेशन में बीए में व्याख्याता के रूप में कार्य किया, जो इच्छुक फुटवियर डिजाइनरों के दिमाग को समृद्ध करता है। शिक्षा के अलावा, श्री बर्ड ने कई कार्यक्रमों में एक पैनलिस्ट के रूप में सक्रिय रूप से भाग लिया है, जो फुटवियर डिजाइन और आर्थोपेडिक समाधानों पर संवाद को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है।

श्री विलियम रॉबर्ट बर्ड ने आर्थोपेडिक फुटवियर डिजाइन में विकसित रुझानों और प्रगति पर चर्चा करके सत्र शु रू किया, जिसमें विभिन्न पैरों की स्थिति वाले व्यक्तियों की अनूठी आवश्यकताओं को समझाया गया। उन्होंने उद्योग में सामना की जाने वाली चुनौतियों के बारे में मूल्यवान जानकारी साझा की और बताया कि कैसे अनुरूप समाधान पैर से संबंधित चिंताओं वाले व्यक्तियों के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में योगदान करते हैं, खेल की चोटको डिजाइन करते समय विचार किए जाने वाले कारक इत्यादि।

अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में छात्रों, संकाय सदस्यों और पेशेवरों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में 'प्रोडक्ट कॉस्टिंग एंड प्लानिंग' पर सेमिनार आयोजित किया गया

'प्रोडक्ट कॉस्टिंग एंड प्लानिंग' से संबंधित ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से12 अक्टूबर 2023 को एफडीडीआई, रोहतक में एक सेमिनार आयोजित किया गया।

फुटवियर क्षेत्र में 10 वर्षों का अनुभव रखने वाले हरियाणा के बहादुरगढ़ में स्थित जेक्यूआर फुटवियर की उत्पादन योजना और नियंत्रण इकाई के एचओडी श्री स्नेहासिस बोस 'मुख्य वक्ता' थे।

सेमिनार में श्री स्नेहासिस बोस 'प्रोडक्ट कॉस्टिंग एंड प्लानिंग' के बारे में बताते हुए

उन्होंने उत्पाद नियोजन के बारे में बताया और उनकी लागत की गणना कैसे करें, सामग्री लागत अनुमान विधि, आदेशों के संदर्भ के बिना सामग्री के लिए लागत की योजना कैसेबनाएं। उन्हो ंने उत्पाद की गुणवत्ता या ग्राहक संतुष्टि से समझौता किए बिना उत्पाद लागत शीट, बीओएम, पीपीवी, पीपीएच, सामग्री लागत, श्रम लागत, एमआरपी निर्धारण जैसी उद्योग अवधारणाओं के बारे में भी बताया।

तमिलनाडु के फुटवियर और संबद्ध कारखानों में एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों के लिए औद्योगिक दौरा

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के छात्रों के लिए एक औद्योगिक दौरे का आयोजन12 से 14 अक्टूबर, 2023 तक तमिलनाडु के फुटवियर एंड एलाइड फैक्ट्रियों में किया गया था।

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) बी. डेस एफडीपी 2022-26 बैच के छात्र, जो अपने संकाय के साथ नवीनतम प्रौद्योगिकी प्रवृत्ति एवं कारखाने की कार्य प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से कंपनियों का दौरा किया ताकि वे सीखी गई सैद्धांतिक अवधारणाओं को लागू करते समय शामिल पेचीदगियों को बेहतर ढंग से समझ सकें।

क्र.सं.	फैक्टरी का विवरण	दौरे की तिथि
1	संघवी शू एक्सेसरीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई	12 अक्टूबर, 2023
2	नूर & संस टैनर्स, चेन्नई	12 अक्टूबर, 2023
3	आरके शूज़, चेन्नई	12 अक्टूबर, 2023
4	संघवी शू एक्सेसरीज प्राइवेट लिमिटेड, वेल्लोर	13 अक्टूबर, 2023

12 अक्टूबर 2023 को सांघवी शू एक्सेसरीज प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई में छात्रों ने शू लास्ट डिजाइन तथा विकास की पेचीदगियों में रुचि दिखाई, जिसमें श्री अफसर सैयद, डिप्टी जनरल ने शू लास्ट डिजाइन एवं माप, शू-लास्ट डिजाइन सिद्धांतों, भविष्य के रुझानों, नवाचारों आदि पर जानकारी प्रदान की। छात्रों ने कंपनी की अत्याधुनिक सुविधाओं को देखा और फुटवियर उद्योग को आकार देने वाली नवीन प्रक्रियाओं की पहली बार झलक देखी।

उसी दिन दोपहर के भोजन के बाद, छात्रों ने नूर एंड संस टैनर्स फैक्ट्री गए, जहां वे चमड़े के प्रसंस्करण, पोस्ट-टैनिंग प्रक्रियाओं, चमड़े के निर्माण में भविष्य के बदलावों तथा चमड़े के निर्माण में गुणवत्ता नियंत्रण से परिचित हुए।

संघवी शू एक्सेसरीज प्राइवेट लिमिटेड के उप महाप्रबंधक अफसर सैयद ने शू-लास्ट डेवलपमेंट के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए

नूर एंड संस टैनर्स में चमड़े के निर्माण की पोस्ट-टैनिंग प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए

उसी दिन, छात्रों ने क्रोमपेट में आरके शूज़ का दौरा किया, जहां श्री रंजीत कुमार, प्रबंध निदेशक और श्री तमिल, महाप्रबंधक ने उन्हें फुटवियर उत्पादन केऊपरी हिस्से से परिचित कराया , जिससे इसमें शामिल शिल्प कौशल के बारे में उनकी जानकारी और बढ़ गयी।

13 अक्टूबर, 2023 को, छात्रों ने सांघवी शू एक्सेसरीज़ प्राइवेट लिमिटेड, वेल्लोर का दौरा किया, जहां उन्हें 1000 से अधिक जोड़ी शू-लास्ट बनाने की क्षमता वाली भारत की सबसे बड़ी शू-लास्ट निर्माण सुविधा देखने का अनूठा अवसर मिला।

सांघवी शू एक्सेसरीज प्राइवेट लिमिटेड के उपाध्यक्ष श्री नटराजन ने छात्रों को कंपनी के बारे में जानकारी दी और फुटवियर फर्मा बनाने के तकनीकी विवरणों को स्पष्ट किया।

एफडीडीआई, हैदराबाद और एम्स, हैदराबाद ने हेल्थकेयर फुटवियर को फिर से परिभाषित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

स्वास्थ्य सेवा एवं फैशन की दुनिया को जोड़ने वाली एक ऐतिहासिक साझेदारी में, एफडीडीआई, हैदराबाद और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), हैदराबाद ने 13 अक्टूबर 2023 को एम्स हैदराबाद परिसर में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

एफडीडीआई की ओर से, डॉ. नरसिम्हुगरी तेज लोहित रेड्डी, आईएएस, कार्यकारी निदेशक (ईडी), एफडीडीआई हैदराबाद ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जबकि एम्स, हैदराबाद की ओर से, प्रोफेसर डॉ विकास भाटिया, ईडी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, इस अवसर दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एमओयू के आदान-प्रदान का एक दृश्य

AIIMS-Bibinagar, FDDI ink deal for ergonomic shoes

मीडिया कवरेज

समझौता हस्ताक्षर समारोह वादे का क्षण था, क्योंकि दो विविध डोमेन, स्वास्थ्य सेवा एवं फैशन, स्वास्थ्य सेवा उद्योग को नयी आकृति प्रदान करने तथा उच्चतम चिकित्सा मानक के शिक्षण और अनुसंधान को सुनिश्चित करने की क्षमता

के साथ एक सहजीवी संबंध बनाने के लिए एक साथ आए। फुटवियर डिजाइन में एफडीडीआई की अद्वितीय विशेषज्ञता स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्टता के लिए एम्स हैदराबाद की प्रतिबद्धता का पूरक होगी, जो स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए विशेष, आरामदायक और एर्गोनोमिक फुटवियर के विकास को बढ़ावा देगी।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा के छात्रों का ट्राइडेंट लिमिटेड, बुधनी, मध्य प्रदेश में औद्योगिक दौरा

12 अक्टूबर 2023 को एफडीडीआई, छिन्दवाड़ा परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के सेमेस्टर 3 एवं सेमेस्टर-5 से बी.डेस फैशन डिजाइन के अड़तीस छात्रों को ट्राइडेंट लिमिटेड, बुधनी, मध्य प्रदेश में औद्योगिक दौरे पर ले जाया गया।

अध्यक्ष के रूप में श्री राजिंदर गुप्ता और उपाध्यक्ष के रूप में श्री अभिषेक गुप्ता की अध्यक्षता में , ट्राइडेंट लिमिटेड, ऑर्गेनिक कॉटन आधारित बाथ लिनन सेगमेंट में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है, जिसके पास अपने गुणवत्ता वाले उत्पाद के लिए मान्यता के कई अंतरराष्ट्रीय प्रमाण पत्र हैं जैसे ओईकेओ-टीईएक्स, आईएसओ, सुपीम, हिंग्गस सूचकांक, सेडेक्स बीसीआई आदि, और कई प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों और संगठनों जैसे वॉलमार्ट, मेट्रो, आईकेईए, मिंत्रा, होमस्टॉप, शॉपर्स स्टॉप, रिलायंस ब्रांड्स, आदि को उत्पाद पेश कर रहा है।

इस यात्रा का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न अनुपालन एवं प्रसंस्करण तकनीकों के बारे में जानने काअ वसर प्रदान करना था जो मानक प्रक्रियाओं तथा प्रचलनो के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय होम टेक्सटाइल सेगमेंट में व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं।

छात्रों को ट्राइडेंट लिमिटेड के उत्पादन संयंत्र में परिचालन का अनुभव प्राप्त करते हुए

तकनीकी कर्मचारी छात्रों को जानकारी देते हुए

छात्रों ने दक्षता में दो अलग-अलग उत्पादन इकाइयों का दौरा किया, एक 'होम टेक्सटाइल' के लिए समर्पित है और दूसरा 'बाथ लिनन सेगमेंट' के लिए जो दुनिया की सबसे बड़ी तौलिया निर्माण की इकाई है।

यात्रा के दौरान विभाग के विशेषज्ञों ने छात्रों के साथ बातचीत की और उन्हें फाइबर से यार्न तक शुरू होने वाली कपड़ा निर्माण की पूरी प्रक्रिया के बारे में समझाया, इसके बाद होम फर्निशिंग यूनिट में बुनाई प्रक्रिया और बाथ लिनन

(तौलिया) निर्माण इकाई में बुनाई प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं के बारे में बताया, जहां वे अंतरराष्ट्रीय अनुपालन और मानकों का पालन करते हैं।

छात्रों ने यूनिट में आंतरिक रूप से प्राप्त आदेश की आवश्यकता के अनुसार या अंतरराष्ट्रीय खरीदार से प्राप्त विनिर्देशों से सामग्री को मिश्रित करने की प्रक्रिया का भी अवलोकन किया।

एफडीडीआई, फुरसतगंज में 'डिजाइन एवं ड्राइंग तकनीक' पर कार्यशाला आयोजित की गई

एफडीडीआई, फुर्सतगंज परिसर में, 5-7 अक्टूबर, 2023 तक फाउंडेशन ईयर बैच -2023, एफडी बैच 2022 तथा 2020 के छात्रों के लिएं डिजाइन एण्ड ड्राइंग तकनीक' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

दिल्ली के कलाकार श्री मनदीप सिंह ने छात्र को ज्ञान प्रदान किया और ग्राहक और/या उत्पादन को इसके विकास, विवरण और प्रस्तुति के प्रस्ताव को रचनात्मक रूप से रेखांकित करने के लिए शामिल तकनीकों के बारे में बताया।

कार्यशाला का एक दृश्य

छात्रों का रचनात्मक परिणाम

श्री मनदीप सिंह को ललित कला अकादमी, नई दिल्ली द्वारा एक राष्ट्रीय पुरस्कार – आर्टिस्ट रेजीडेंसी विजेता है। वह मास्टर ऑफ फाइन आर्ट्स, कॉलेज ऑफ आर्ट, चंडीगढ़ से हैं और एक नियमित प्रयोगात्मक कलाकार हैं।

कार्यशाला में ड्राइंग कौशल और प्रकृति चित्रण के मॉड्यूल को शामिल किया गया, जिसके दौरान छात्रों ने नई रचना बनाने के लिए कागज, पेपर प्लेट और वॉटर कलर जैसे विभिन्न सामग्रियों और रंग माध्यमों को संभाला। कला कृतियों को विकसित करने के लिए छात्रों द्वारा पेपर प्लेट और बुनाई का काम किया गया।

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बनूर) परिसर में 'गुणवत्ता अनुसंधान का संचालन' पर वेबिनार आयोजित किया गया

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में 29 सितंबर, 2023 को 'गुणवत्ता अनुसंधान का संचालन' पर एक व्यावहारिक वेबिनार आयोजित किया गया, जिसके दौरान डॉ. महेश सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, केबरी देहर विश्वविद्यालय, इथियोपिया ने विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

उन्होंने गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान करने की तकनीकों के बारे में बताया, और अनुसंधान के क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी के अवसरों की व्यापक रूपरेखा भी दी।

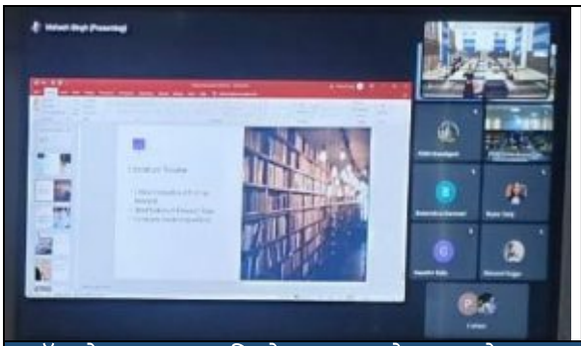

डॉ महेश एक प्रस्तुति के माध्यम से समझाते हुए

वेबिनार में भाग लेते छात्र और संकाय

डिजिटल क्लासरूम के माध्यम से एफडीडीआई नोएडा छिंदवाड़ा और हैदराबाद परिसर के छात्र भी वेबिनार में शामिल हुए।

एफडीडीआई, कोलकाता एवं पटना के छात्रों के लिए उद्यमिता और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के निर्वाण इंटरनेशनल प्रा. लिमिटेड, तथा एक्सीलेंट फुटवियर प्रा. लिमिटेड में औद्योगिक प्रदर्शन

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के सृचनात्मक सोच को पूरा करने और उन्हें अपने शोध के प्रयोगात्मक पक्ष के साथ बनाने के लिए एफडीडीआई, कोलकाता परिसर के 2022 बैच के छात्रों और एफडीडीआई पटना के छात्रों को उद्यमिता और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के परिसर को निर्वान इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड एवं एक्सीलेंट फुटवियर प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता में औद्योगिक दौरे के लिए ले जाया गया।

बिहार सरकार के उद्योग विभाग, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत एफडीडीआई पटना परिसर में 47 प्रतिभागियों के प्रशिक्षण के लिए उद्यमी एवं कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

निर्वाण इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड में यात्रा के दौरान निदेशक श्री अमित निर्वाण ने पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए पीवीसी, पीयू तथा चमड़े के सैंडल और विभिन्न प्रकार की सामग्रियों की विभिन्न विनिर्माण प्रक्रिया सहित संगठन की संपूर्ण कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी।

निर्वान इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता में छात्र

एक्सीलेंट फुटवियर प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता में छात्र

एक्सीलेंट फ़ुटवियर प्राइवेट लिमिटेड, में दौरे के दौरान श्री विशाल मगन-निदेशक ने पुरुषों एवं महिलाओं दोनों के लिए पीवीसी, पीयू तथा चमड़े में स्टॉक ऑन और हस्तनिर्मित फुटवियर और सैंडल दोनों की विभिन्न विनिर्माण प्रक्रिया, पैकेजिंग मानक और जूता निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न प्रकार की सामग्रियों सहित संगठन की संपूर्ण कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी।

एफडीडीआई परिसरों में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान आयोजित किया गया

एफडीडीआई के सभी परिसरों में'स्वच्छता ही सेवा' अभियान 15 सितंबर, 2023 से 2 अक्टूबर, 2023 तक आयोजित किया गया था, जिसके दौरान सभी कर्मचारियों और छात्रों की उपस्थिति में परिसरों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 'स्वच्छता शपथ' दिलाई गई थी।

एफडीडीआई नोएडा परिसर में स्वच्छता अभियान तथा सफाई मित्रों का सम्मान

भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने महत्वाकांक्षी स्वच्छ भारत कार्यक्रम शुरू किया था, जिसे 2 अक्टूबर 2014 को 'स्वच्छ भारत अभियान' के नाम से जाना जाता है।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 'स्वच्छता शपथ' लेते कार्मिकगण

एफडीडीआई बानूर परिसर में स्वच्छता अभियान का नजारा

स्वच्छ भारत बनाने के उद्देश्य से, हमारे व्यवहार एवं मानसिकता में बदलाव लाना आवश्यक है क्योंकि यह गतिविधि एक बार नहीं बल्कि एक सतत प्रक्रिया है। इसके मार्गदर्शक दर्शन के रूप में, 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान आयोजित किया गया, जिसके दौरान एफडीडीआई के कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर में स्वच्छता अभियान का एक दृश्य

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में छात्रों द्वारा बनाया गया पोस्टरs

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत, स्वच्छता प्रतिज्ञा एवं प्लास्टिक को हटाने की शपथ, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, आउटडोर स्वच्छता अभियान, गहन सफाई के साथ इनडोर स्वच्छता अभियान, वेबसाइट पर स्वच्छता बैनर प्रदर्शित करना, कार्यालय परिसर का स्वच्छीकरण, 'सफाई मित्रों' का सम्मान जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं।

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के संकाय को 'टीएएस एप्रिसिएशन पीकॉक अवार्ड' का प्रमाण पत्र मिला

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) के संकाय श्री रामबाबू मुप्पिडी ने तिरुपति आर्ट सोसाइटी, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता (ऑनलाइन) में भाग लिया।

फैशन उत्पाद चित्रण

'टीएएस एप्रिसिएशन पीकॉक अवार्ड' का प्रमाण पत्र

उन्होंने चमड़े के सामानएवं सहायक उपकरण उत्पाद चित्रण कार्य में ड्राइंग जूरी को प्रस्तुत की, जिसे 9 अक्टूबर, 2023 को 'टीएएस एप्रिसिएशन पीकॉक अवार्ड' के प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।